दैनिक

प्रतिदिन राजधानी

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 91 रायपुर, गुरुवार, 16 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00

RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 विधायक पुरन्दर मिश्रा...

अपनी मर्जी से कहानियां... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

प्रधानमंत्री ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्रियों को दी बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सम्राट चौधरी को बधाई दी और उनके नेतृत्व में राज्य के सर्वांगीण विकास का विश्वास जताया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि सम्राट चौधरी की ऊर्जा, जनसेवा के प्रति समर्पण और जमीनी अनुभव बिहार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में राज्य जनता की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा।

प्रधानमंत्री ने बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं का व्यापक अनुभव और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता राज्य के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

पावर प्लांट हादसा...वेदांता मृतकों के परिजन को 35-35 और घायलों को 15 लाख मुआवजा और नौकरी देगी

हादसे में अब तक 17 श्रमिकों की हुई मौत

सक्ती (प्रतिदिन राजधानी)

मृतकों की हुई शिनाख्त छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार को हुए इस भीषण हादसे में कुल 36 श्रमिक झुलस गए थे। इनमें से 17 श्रमिकों की मौत हो चुकी है तथा 19 घायल हैं, जिनका उपचार चल रहा है।

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर को उनके गृहग्राम तक एम्बुलेंस के माध्यम से भेजने और तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था

सुनिश्चित की गई है।

कलेक्टर ने बताया कि घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं तथा जांच टीम जल्द ही घटनास्थल का निरीक्षण करेगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से आर्थिक सहायता की घोषणा

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से भी राहत राशि की घोषणा की गई थी। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) के तहत मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

वेदांता ने की सहायता राशि की घोषणा

वेदांता प्रबंधन ने मृतकों के परिजनों को 35-35 लाख रुपये की सहायता राशि और एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा की है। साथ ही घायलों को 15-15 लाख रुपये देने की बात कही है। वेदांता ग्रुप ने कहा कि दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन सभी के साथ हैं जो इससे प्रभावित हुए हैं। हम इन परिवारों को अपना अटूट समर्थन देना जारी रखेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने की मुआवजे की घोषणा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।मुख्यमंत्री साय ने बिलासपुर संभाग के कमिश्नर को इस घटना की जांच करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पूरे मामले पर सतत निगरानी रखे हुए है और प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है।

दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : श्रम मंत्री देवांगन

छत्तीसगढ़ के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि तत्काल जांच के निर्देश दिए गए हैं। हादसे के लिए जिम्मेदार दोषियों पर श्रम कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

मृतकों के नाम

हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में छत्तीसगढ़ के 5, बिहार के 2, झारखंड के 3, पश्चिम बंगाल के 5 तथा उत्तर प्रदेश के 2 मजदूर शामिल हैं।

इनकी पहचान रितेश कुमार (सोनबर्शा, भागलपुर, बिहार), अमृत लाल पटेल (मंझापारा, डभरा, सक्ती, छत्तीसगढ़), थंडा राम लहरे (मालखरौदा, सक्ती, छत्तीसगढ़), तरुण कुमार ओझा (सिंदरी, धनबाद, झारखंड), आकिब खान (दरभंगा, बिहार), सुसांत जना (पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल), अब्दुल करीम (झारखंड), उधव सिंह यादव (रायगढ़, छत्तीसगढ़), शेख सैफुद्दीन (हल्दिया, पश्चिम बंगाल), पप्पू कुमार (सोनभद्र, उत्तर प्रदेश), अशोक परहिया (पलामू, झारखंड), मनस गिरी (पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल), बृजेश कुमार (सोनभद्र, उत्तर प्रदेश), रामेश्वर महिलांगे (जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़), कार्तिक महतो (पुरुलिया, पश्चिम बंगाल), नदीम अंसारी (सक्ती, छत्तीसगढ़), शिबनाथ मुर्मू (पुरुलिया, पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई है।

संसद में नारी वंदन अधिनियम का विरोध करेगी कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के विशेष तीन दिवसीय बैठक से पहले महिला आरक्षण कानून और संसदीय सीटों के विस्तार को लेकर विपक्षी इंडी गठबंधन के शीर्ष नेताओं ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक की। इस बैठक में महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन और सीटों की संख्या बढ़ाने के मुद्दे पर रणनीति तय की गई। बैठक के बाद विपक्षी गठबंधन ने संयुक्त पत्रकार वार्ता करके इन विधेयकों का विरोध करने का ऐलान किया।

बैठक में राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जयराम रमेश, सैयद नसीर हुसैन, राष्ट्रीय जनता दल से तेजस्वी यादव, आम आदमी पार्टी से संजय सिंह, शिव सेना (यूबीटी) से अरविंद सावंत, राष्ट्रवादी कांग्रेस (एसपी) से सुप्रिया सुले, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) से टीआर बालू, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से सागरिका घोष, समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल और समेत कई नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक के बाद कहा कि विपक्षी दल महिला आरक्षण बिल के पक्ष में हैं, लेकिन जिस तरीके से सरकार ने इसे पेश किया है, वह राजनीतिक रूप से प्रेरित है और विपक्षी दलों को दबाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि 2010 और 2023 में महिला आरक्षण से जुड़ा संवैधानिक संशोधन सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था और अब इसे लागू किया जाना चाहिए। सरकार परिसीमन और जनगणना को बहाना बनाकर आरक्षण लागू करने में देरी कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल एकजुट होकर संसद में इस बिल का विरोध करेंगे, क्योंकि यह महिलाओं के अधिकारों को टालने की कोशिश है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि बैठक में तीन विधेयकों पर चर्चा हुई है।

भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक परंपराएं हमारी ताकत : प्रधानमंत्री

एजेंसी, मांड्या (कर्नाटक)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत हजारों वर्षों से चलती आ रही एक जीवंत सभ्यता है, जहां परंपराओं की निरंतरता दुनिया में अद्वितीय है। बहुत कम देशों में इतनी लंबी अवधि तक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं निरंतर बनी रहती हैं।

प्रधानमंत्री कर्नाटक के मांड्या जिले में स्थित आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने मिलकर 'सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्रम' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में समय-समय पर ऐसे महान संत और व्यक्तित्व जन्म लेते रहे हैं, जिन्होंने केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन ही नहीं दिया, बल्कि समाज के बीच रहकर लोगों के दुख-दर्द को समझा और उन्हें कठिनाइयों से बाहर निकलने का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि यही भारत की परंपरा और ताकत है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देशवासियों के सामने नौ प्रमुख आग्रह भी रखे। उन्होंने लोगों से जल संरक्षण को अपनाने और पानी के बेहतर प्रबंधन का संकल्प लेने का आह्वान किया। इसके साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जन आंदोलन बनाना होगा। धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों, गांवों और शहरों में स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही।

प्रधानमंत्री ने घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि देशवासियों को भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करनी चाहिए, ताकि देश की विविधता को समझा जा सके। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने का भी आग्रह किया। स्वास्थ्य के विषय में उन्होंने कहा कि मोटापा देश के सामने एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इससे निपटने के लिए लोगों को अपने भोजन में तेल की मात्रा कम करने और मिलेट्स (श्री अन्न) को शामिल करने की सलाह दी।

पंजाब सरकार ने हटाई राज्य सभा सांसद राघव चड्ढा की जेड प्लस सुरक्षा, राजनीति गरमाई

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए राज्य सभा सांसद राघव चड्ढा की सुरक्षा में भारी कटौती कर दी है। पंजाब से राज्य सभा सांसद चुने जाने के बाद उन्हें राज्य सरकार की ओर से सबसे उच्च स्तर की जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई थी। चड्ढा को पंजाब के सह-प्रभारी और राज्यसभा सांसद होने के नाते यह सुरक्षा मिली हुई थी। सुरक्षा वापसी को पार्टी के अंदर बढ़ती दूरी के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

राज्य सभा के उप नेता पंजाब पुलिस की तरफ से विशेष सुरक्षा कवर प्रदान किया गया था। इसके अलावा राघव चड्ढा पंजाब में पार्टी के सह प्रभारी भी थे। दोहरी जिम्मेदारी के चलते राघव चड्ढा को पंजाब पुलिस के जवानों के अलावा कमांडो दस्ता भी दिया गया था।

सीबीएसई कक्षा 10 के नतीजे घोषित, 93.70 फीसदी उत्तीर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कक्षा 10 की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 93.70 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जो पिछले वर्ष के 93.66 प्रतिशत की तुलना में 0.04 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्शाता है।

बोर्ड के अनुसार, इस वर्ष 24,83,479 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 24,71,777 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 23,16,008 छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। परीक्षा का आयोजन 17 फरवरी से 11 मार्च 2026 तक किया गया था।

क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा क्षेत्र 99.79 प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे, जबकि चेन्नई (99.58 प्रतिशत) और बेंगलुरु (98.91 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दिल्ली पश्चिम और दिल्ली पूर्व क्षेत्र का पास प्रतिशत क्रमशः 97.45 और 97.33 रहा।

परिणाम में छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों के मुकाबले बेहतर रहा। परिणामों के मुताबिक 94.99 प्रतिशत छात्राएं पास हुईं, जबकि 92.69 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए।

लेबनान-इजराइल वार्ता का पहला दौर समाप्त, युद्धविराम पर सहमति नहीं

एजेंसी, वॉशिंगटन

इजराइल और लेबनान के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही सीधी बातचीत का पहला दौर समाप्त हो गया है। करीब तीन दशक बाद हुई इस प्रत्यक्ष वार्ता को क्षेत्र में शांति बहाली की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, हालांकि फिलहाल युद्धविराम पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी है।

अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लेइटर ने लेबनानी राजदूत नादा हमादेह के साथ हुई दो घंटे की बैठक को फ्रबेहद सकारात्मकफ्र बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों और सुझावों पर चर्चा हुई है, जिन्हें अब अपनी-अपनी सरकारों के सामने रखा जाएगा।

हालांकि, युद्धविराम के सवाल पर इजराइल ने स्पष्ट रुख अपनाते हुए किसी भी प्रतिबद्धता से इनकार कर दिया। लेइटर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता केवल इजराइल के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और जब तक सीमा पार से हमले जारी रहेंगे, तब तक सैन्य कार्रवाई रोकी नहीं जाएगी।

उन्होंने हिज्बुल्लाह को कमजोर बताते हुए कहा कि इजराइल अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में लेबनान और इजराइल के बीच बेहतर और औपचारिक संबंध बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

साय कैबिनेट : समान नागरिक संहिता सहित लिए गए कई बड़े फैसले

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सरकार की ओर से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। बैठक में समान नागरिक संहिता के प्रारूप तैयार करने से लेकर महिलाओं, सैनिकों, उद्योग और खनन क्षेत्र से जुड़े बड़े फैसलों को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक में राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति के गठन को मंजूरी दी है। यह समिति नागरिकों, संगठनों और विशेषज्ञों से सुझाव लेकर प्रारूप तैयार करेगी। इसके लिए वेब पोर्टल के माध्यम से भी फीडबैक लिया जाएगा।

औद्योगिक नियमों में संशोधन

औद्योगिक विकास को गति देने के लिए छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2015 में संशोधन को मंजूरी दी गई, जिससे निवेश और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और नियंत्रण बढ़ाने के लिए गौण खनिज नियमों में भी व्यापक संशोधन किए गए हैं।

रेत खदानों को अब सरकारी उपक्रमों को आरक्षित किया जा सकेगा, जिससे आपूर्ति में सुधार होगा और एकाधिकार की स्थिति कम होगी। दुर्गम क्षेत्रों में रेत की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में गौण खनिज नियमों में संशोधन कर अवैध खनन पर कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। न्यूनतम जुर्माना 25 हजार रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक निर्धारित किया गया है। बंद खदानों पर भी सख्त कार्रवाई होगी।

दुधारू पशु योजना में सभी वर्गों को शामिल करने का निर्णय

इसके अलावा दुधारू पशु योजना में सभी वर्गों को शामिल करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, पशुओं के टीकाकरण के लिए इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड से सीधे टीकों की खरीदी को मंजूरी दी गई है, जिससे पशुधन की सुरक्षा और उत्पादन में वृद्धि होगी।

वित्तीय मामलों में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच पेंशन दायित्वों के बंटवारे को लेकर 10,536 करोड़ रुपये के अतिरिक्त भुगतान की वापसी पर सहमति बनी है। इसमें से 2,000 करोड़ रुपये मिल चुके हैं, जबकि शेष राशि छह वार्षिक किश्तों में प्राप्त होगी।

बैठक में आगामी खरीफ सीजन हेतु उर्वरकों की उपलब्धता तथा राज्य में एलपीजी गैस आपूर्ति की

संपत्ति रजिस्ट्रेशन शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी का निर्णय

बैठक में महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं के नाम पर संपत्ति रजिस्ट्रेशन शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी का निर्णय लिया गया है। इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद मिलेगी, हालांकि इससे राज्य को लगभग 153 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होगा।

इसके साथ ही राज्य के सेवारत, भूतपूर्व सैनिकों और उनकी विधवाओं को 25 लाख रुपये तक की संपत्ति खरीदने पर स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह छूट जीवनकाल में एक बार लागू होगी।

गंगरेल में भव्य सामूहिक विवाह संपन्न

63 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

गंगरेल स्थित आदिशक्ति मां अंगारमोती प्रांगण में गोंड समाज जिला धमतरी एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में 63 जोड़े पारंपरिक गोंडी रीति-रिवाजों के साथ वैवाहिक बंधन में बंधे। विवाह की समस्त रस्में गायता और भूमका द्वारा परंपरागत विधि से संपन्न कराई गईं, जिसने आयोजन को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की।

समारोह के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि आदिवासी समाज द्वारा इस तरह का यह पहला बड़ा आयोजन है, जो अपनी परंपराओं के साथ संपन्न हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे फिजूल खर्च में कमी आती है और समाज को आर्थिक सहारा मिलता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने कहा कि आदिवासी समाज में बेटियों का सम्मान सर्वोपरि है और सामूहिक विवाह इसी भावना का प्रतीक है। कार्यक्रम में नंदकुमार साय, महापौर रामू रोहरा, जिला पंचायत सदस्य मोनिका देवांग, धनेश्वरी साहू, जनपद अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव सहित कई जनप्रतिनिधियों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया। कुरुद विधायक अजय चंद्राकर, विधायक अंबिका मरकाम, विधायक ओंकार साहू और जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

समारोह का मुख्य आकर्षण पारंपरिक संस्कृति की झलक रही। विवाह स्थल पर पंच बुढ़ादेव की स्थापना, फड़ापेन और माँ अंगारमोती की सेवा-अर्जी के साथ पूरे विधि-विधान से आयोजन संपन्न हुआ। दूल्हा-दुल्हन पारंपरिक वेशभूषा, मौर और मुकुट में आकर्षक नजर आए। महिलाओं और युवाओं ने रेला-पाटा नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को उल्लासपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम को जि.पं. सदस्य धनेश्वरी साहू मोनिका देवांगन,जनपद अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव, माधव सिंह ठाकुर जिलाध्यक्ष, जीवराखन मराई अध्यक्ष माँ अंगारमोती ट्रस्ट, ईश्वरी नेताम जिलाध्यक्ष महिला प्रभाग,जनपद सदस्य खिलेंद्र ध्रुव ने संबोधित किया। कार्यक्रम में कुरूद विधायक अजय चंद्राकर शामिल हुए।उन्होंने सभी जोड़ों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में विधायक अम्बिका मरकाम, विधायक ओंकार साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा।

किशोरियों के जैविक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर साई कॉलेज में विशेष जागरूकता सत्र

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले के श्री साई बाबा आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में बुधवार को किशोरियों और महिलाओं के स्वास्थ्य व सुरक्षा को केंद्र में रखकर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वुमेंस वेलफेयर एंड एंटी सेक्सुअल हैरासमेंट सेल, सरगुजा साइंस ग्रुप एजुकेशन सोसाइटी और छत्तीसगढ़ एलायंस फॉर बिहेवियर चेंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों और सेहत के प्रति सचेत करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के आत्मीय स्वागत के साथ हुई, जहाँ समाजसेवी अंचल ओझा ने अभिभावकों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि किशोरियों के शारीरिक बदलावों, विशेषकर प्रथम मासिक चक्र के दौरान, परिवार का भावनात्मक और स्वास्थ्य संबंधी सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि परिजन शुरुआत से ही सजग रहें, तो किशोरियों का भविष्य बेहतर और सेहतमंद होगा।

इसी क्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने वर्तमान डिजिटल युग में महिलाओं की सुरक्षा और सोशल मीडिया के विवेकपूर्ण उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को सचेत किया कि तकनीक जहाँ विकास का द्वार है, वहीं इसके खतरों के प्रति सावधानी बरतना भी जरूरी है। वहीं, वीमेंस सेल की प्रभारी डॉ. अलका पांडेय ने नारी शक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि महिलाओं को अपनी जैविक सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने भारतीय संस्कृति में नारी के देवी स्वरूपों का उदाहरण देते हुए छात्राओं को अपनी आंतरिक शक्ति और स्वास्थ्य को संजोने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय प्रबंध समिति की सदस्य रेखा इंगोले और अलका इंगोले ने भी उपस्थित छात्राओं व महिला प्राध्यापकों को स्वास्थ्य के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने की सलाह दी।

पीएम ग्राम सड़क योजना फेस-4 17 अप्रैल को 76 सड़कों का भूमिपूजन

सूरजपुर। सूरजपुर जिले में ग्रामीण संपर्क को मजबूत करने की दिशा में बड़ी पहल होने जा रही है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेस-4) के तहत स्वीकृत 76 सड़कों का भूमिपूजन 17 अप्रैल को किया जाएगा, जिससे सैकड़ों गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार आएगा।

जिले में ग्रामीण सड़कों के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वर्ष 2025-26 में स्वीकृत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेस-4) के अंतर्गत 76 सड़कों का भूमिपूजन 17 अप्रैल को किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में स्वीकृत 76 सड़कों की कुल लंबाई 314.64 किलोमीटर है, जिनकी कुल लागत 27,362.31 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह परियोजना जिले के विभिन्न विकासखंडों में ग्रामीण संपर्क को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी।

विधानसभा भटगांव अंतर्गत विकासखंड भैयाथान में 7 सड़कों (21.30 किमी) के लिए 1718.84 लाख रुपये तथा विकासखंड ओड़गी में 26 सड़कों (138.33 किमी) के लिए 12,583.84 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इसी प्रकार प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड प्रतापपुर में 23 सड़कों (85.04 किमी) के लिए 7559.89 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। विधानसभा प्रेमनगर अंतर्गत विकासखंड रामानुजनगर में 8 सड़कों (24.47 किमी) के लिए 1859.93 लाख रुपये, विकासखंड प्रेमनगर में 10 सड़कों (40.88 किमी) के लिए 3176.73 लाख रुपये तथा विकासखंड सूरजपुर में 2 सड़कों (4.62 किमी) के लिए 463.08 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन सड़कों के निर्माण से दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा।

मालवाहक वाहनों पर इंसानों का सफर पड़ेगा भारी, सख्त कार्रवाई के निर्देश

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और जनहानि को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने अब सख्त रुख अपना लिया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा, राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) ने बुधवार को जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मालवाहक वाहनों में असुरक्षित तरीके से यात्री परिवहन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न आयोजनों के दौरान ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पिकअप, ट्रक और अन्य मालवाहक वाहनों में क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर सफर किया जाता है, जो नियमों के विरुद्ध होने के साथ-साथ जानलेवा भी साबित होता है। एसएसपी ने राजपत्रित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्रों में वाहन स्वामियों और चालकों की बैठक लेकर उन्हें नियमों के प्रति सचेत करें और उल्लंघन पाए जाने पर भारी जुर्माना, परमिट निरस्त करने तथा वाहन जब्ती जैसी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

पुलिस प्रशासन ने नागरिकों को जागरूक करते हुए स्पष्ट किया है कि मालवाहक वाहन केवल सामान ढोने के उद्देश्य से बने होते हैं; इनमें यात्रियों की सुरक्षा के लिए कोई उचित व्यवस्था या सुरक्षा घेरा नहीं होता। ऐसे वाहनों में यात्रियों के खड़े होने या बैठने से संतुलन बिगड़ने का खतरा रहता है, जिससे मोड़ या मामूली झटकों पर भी बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। मोटर यान अधिनियम के तहत मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाना पूरी तरह प्रतिबंधित है और पकड़े जाने पर वाहन स्वामी व चालक दोनों को गंभीर कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। सरगुजा पुलिस ने आम जनता से भावुक अपील की है कि वे अपनी और अपने परिजनों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें और यात्रा के लिए केवल उन्हीं वाहनों का चुनाव करें जो सवारी ढोने के लिए अधिकृत हों। पुलिस का लक्ष्य यातायात नियमों के पालन के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाना है, ताकि हर नागरिक का सफर सुरक्षित रहे।

सरगुजा के राजनाथ यादव ने डेयरी व्यवसाय से खड़ा किया सालाना 10 लाख का साम्राज्य

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ सरकार की पशुधन विकास योजनाओं और आधुनिक तकनीक के संगम ने सरगुजा जिले के किसानों की तकदीर बदल दी है। लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम दोरना के निवासी राजनाथ यादव आज क्षेत्र के प्रगतिशील पशुपालकों के लिए एक मिसाल बनकर उभरे हैं। कभी पारंपरिक खेती और स्थानीय नस्ल के पशुओं तक सीमित रहने वाले राजनाथ ने पशु चिकित्सा विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और अपनी कड़ी मेहनत से श्वेत क्रांति को नई दिशा दी है।

वर्तमान में वे डेयरी व्यवसाय के माध्यम से तमाम खर्चे काटकर सालाना 10 से 12 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि का सबसे महत्वपूर्ण पहलू 'कृत्रिम गर्भाधान' (द्ब) तकनीक का सफल प्रयोग है, जिसके माध्यम से उन्होंने अपने घर पर ही एचएफ जैसी उन्नत नस्ल की बछिया तैयार की हैं। अब उन्हें बाहर से महंगे पशु खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

पशुधन विभाग के निरंतर सहयोग और उच्च गुणवत्ता वाले सीमेन की उपलब्धता ने राजनाथ के पशुपालन के तरीके को पूरी तरह आधुनिक बना दिया है। आज उनके पास 40 से 50 उन्नत नस्ल की गायें हैं, जिनसे प्रतिदिन 300 से 350 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। राजनाथ की इस लगन और सफलता को देखते हुए हाल ही में लुण्ड्रा में आयोजित किसान सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उन्हें 'उन्नत पशुपालक' के सम्मान से नवाजा।

राजनाथ अपनी इस कामयाबी का श्रेय प्रदेश सरकार की किसान हितैषी नीतियों और वेटनरी विभाग के सक्रिय सहयोग को देते हैं। उनका मानना है कि सही दिशा-निर्देश और तकनीक को अपनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को न केवल मजबूत किया जा सकता है, बल्कि पशुपालन को सबसे लाभप्रद व्यवसाय के रूप में भी स्थापित किया जा सकता है।

जिला चिकित्सालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

बलरामपुर जिला चिकित्सालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कर मानव सेवा की मिसाल पेश की गई। शिविर में जुटे रक्तदाताओं के उत्साह से 10 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए संजीवनी साबित होगा। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में बुधवार को जिला चिकित्सालय बलरामपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल के तहत कुल 10 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जिससे अस्पताल में रक्त की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी।

शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. शशांक गुप्ता की उपस्थिति रही। दोनों अधिकारियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके इस मानव सेवा के कार्य की सराहना की।

इस अवसर पर सीएमएचओ ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचाने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में अक्सर रक्त की कमी बनी रहती है, ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान इस कमी को दूर करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने आमजन से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। सिविल सर्जन डॉ. शशांक गुप्ता ने भी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत करते हैं।

कृषकों को संतुलित उर्वरक व जल संचयन के बारे में दी गई जानकारी

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

विकासखंड भाटापारा में आज बुधवार को कृषकों के लिए संतुलित उर्वरक एवं जल संचयन से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषकों को संतुलित उर्वरक प्रयोग कर कल्चर, बायोफर्टिलाइजर के उपयोग एवं जल संचयन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अवधेश उपाध्याय ने बताया कि, संतुलित उर्वरक उपयोग से जहां उत्पादन में वृद्धि होती है, वहीं भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहती है। शासन के निर्देशानुसार रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से जैव उर्वरक एवं हरी खाद के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि मिट्टी की उर्वरता क्षमता बढ़े और किसानों की लागत में कमी आए। नील हरित काई धान फसल हेतु नाइट्रोजन का उत्तम स्रोत है, जो 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन की पूर्ति करता है। यह हवा से नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ाती है, जिससे रासायनिक यूरिया की बचत होती है और उपज में 5-10 प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना रहती है।

शपथ पत्र

मै शपथकर्ता सौरभ अवस्थी (**SAURABH AWASTHI**) पिता रमाकांत अवस्थी, निवासी- म.नं. 634, महादेव चौक, निर्मल हॉस्पिटल के पास, रायपुर (छ.ग.) 492001 निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं:-

1. यह कि, मेरे पुत्र- राघव अवस्थी (**RAGHAV AWASTHI**) का जन्म दिनांक -01/01/2018 को हुआ, जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या 2018-01 -004084 एवं पंजीकरण दिनांक 26/02/2018 है।

2. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र की माता का नाम- रिचा अवस्थी (**RICHA AWASTHI**) दर्ज है, जो कि त्रुटिवश गलत है।

3. यह कि, मेरी पुत्री की माता का सही नाम- प्रतिमा अवस्थी (**PRATIMA AWASTHI**) है, जो कि सत्य एवं सही है।

4. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज मेरे पुत्र की माता का गलत नाम- रिचा अवस्थी (**RICHA AWASTHI**) को सुधारकर सही नाम- प्रतिमा अवस्थी (**PRATIMA AWASTHI**) दर्ज किया जावे, जिस हेतु यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन:-

मै शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 4 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अतः मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

दिनांक : 15.04.2026

शपथकर्ता
सौरभ अवस्थी

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ती राशि केशरवानी पति अनुनय गुप्ता, निवासी- म.नं. 518, जनता कॉलोनी, एकता नगर, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.) 492009 निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं :-

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2. यह कि, मेरी पुत्री का जन्म दिनांक- 06/10/2024 को हुआ, जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या - बी202422904340011671 एवं पंजीकरण दिनांक 21/10/2024 है।

3. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम - **AADYA GUPTA** दर्ज है, जिसे मेरे द्वारा परिवर्तित कर नया नाम - सायशा गुप्ता (**SAYSHA GUPTA**) रख दिया गया है, जिसे मैं अपनी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज करवाना चाहती हूं।

4. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का पूर्व नाम - **AADYA GUPTA** दर्ज को विलोपित कर नया परिवर्तित नाम - सायशा गुप्ता (**SAYSHA GUPTA**) दर्ज किया जावें, जिस हेतु यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन:-

मै शपथकर्ती यह सत्यापित करती हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 4 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अतः मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

शपथकर्ती
राशि केशरवानी

बिहान योजना से बदली जिंदगी

सियामुनी राजवाड़े बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

सूरजपुर जिले के एक छोटे से गांव की महिला ने संघर्ष से सफलता तक का सफर तय कर आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखी है। बिहान योजना से जुड़कर सियामुनी राजवाड़े आज न केवल अपने परिवार का सहारा बनी हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गई हैं।

प्रेमनगर विकासखंड के ग्राम पंचायत महेशपुर की सियामुनी राजवाड़े आज अपने गांव में महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। कभी कृषि और दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर रहने वाली सियामुनी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' योजना से जुड़कर अपनी तकदीर बदल दी।

छह सदस्यों के परिवार की जिम्मेदारी संभालने वाली सियामुनी पहले केवल खेती, वनोपज संग्रहण और मजदूरी पर निर्भर थीं। सीमित आय के कारण परिवार का पालन-पोषण और बच्चों की पढ़ाई में ही सारी कमाई खर्च हो जाती थी। कृषि से सालाना लगभग 23 हजार, मजदूरी से 16 हजार और अन्य कार्यों से करीब 12 हजार रुपये की आय होती थी, जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर बनी रहती थी।

बिहान योजना के तहत गांव में पहुंचे सीआरपी के माध्यम से उन्हें स्वयं सहायता समूह की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने गौरी महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़कर एक नई शुरुआत की। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें सामुदायिक निवेश निधि (ष्टढ्ढस्न) के तहत 50 हजार रुपये और बैंक लिंकेज के रूप

में 1 लाख रुपये की सहायता मिली। इस आर्थिक सहयोग से सियामुनी ने कृषि के साथ-साथ किराना दुकान शुरू की। आज उनकी दुकान में प्रतिदिन लगभग 4600 रुपये की बिक्री होती है, जिससे उन्हें करीब 450 रुपये प्रतिदिन की आय हो रही है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है और अब वे अपने परिवार का बेहतर ढंग से पालन-पोषण कर पा रही हैं।

सियामुनी राजवाड़े अब खुद को आत्मनिर्भर और सशक्त महसूस करती हैं। उनकी यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणादायक बन गई है।

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र -03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजना, सेजबहार/दतरेंगा, रायपुर में स्थित भवन क्र. एल.आई.जी.-95, (1) कुमारी अनिता पिता श्री खुमान राम साहू, (2) श्री खुमान राम साहू पिता श्री गजानन्द साहू के संयुक्त नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 6147 दिनांक 09.11.2006 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 24.04.2009 को लीजडीड पंजीकृत करा लिया गया है। तत्पश्चात् वर्तमान में सहआबंटी श्री खुमान राम साहू पिता श्री गजानन्द साहू की मृत्यु दिनांक 15.12.2020 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री सुदीप कुमार साहू पिता स्व. श्री खुमान राम साहू, निवासी: ग्राम किवई, तह. - राजिम, जिला गरियाबंद (छ.ग.) द्वारा उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज के प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर

न्यायालय अति. तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ग्राम कांदुल प.ह.नं. 83
रा.प्र. क्र. ....

एत्तद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका सिंधु बांधे पति स्व. अरूण बांधे निवासी- 85 वार्ड नं. 06 भटगांव तहसील व जिला रायपुर, द्वारा ग्राम भटगांव, प.ह.नं. 80 रा.नि.म. कांदुल तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि खसरा नंबर 70/1, 91, 92, 308/1, 351, 352, 353/2, 358, 400, 402, 405/2, 466, रकबा क्रमशः 0.3560, 0.2060, 0.0610, 0.0710, 0.1660, 0.5170, 0.1540, 0.1620, 0.3440, 0.7970, 0.0890, 0.3080 हे. कुल खसरा योग 12 कुल रकबा 3.2310 हे. भूमि स्थित है। जो कि राजस्व अभिलेख में खाताधारक 1. सिधु बांधे पति अरूण कुमार 2. दिव्या 3. प्रिया 4. प्रतीक्षा, 5. शशिकान्त, सभी पिता स्व. अरूण बांधे, 6. आनंदराम पिता नैनदास, 7. रुंगी बाई, पिता नैनदास, 8. फुलिया, 9. प्रभा, सभी पिता नैनदास, 10. दुला बाई पति नैनदास 11. राजेश सोनवानी 12. संध्या सोनवानी 13. कुमारी बाई, 14. राकेश सोनवानी 15. धनेश्वरी 16. गायत्री सभी पिता विशाल सोनवानी 17. अमेश कुमार 18. अजेश कुमार, 19. अनिता, 20. लैला बाई 21. अमित बाई 22. आशा बाई सभी पिता स्व. मंगलदास के नाम पर दर्ज है। खाताधारक क्रमांक 10 दुला बाई पति नैनदास की मृत्यु दिनांक 27.11.2025 को हो गया। जिसके जीवित वारिसान में सह खाताधारकगण ही है एवं अन्य कोई वारिसान नहीं है। मृतक / मृतिका के मृत्यु उपरांत उनके विधिक वारिसान / उत्तराधिकारी / जीवित वारिसान में सहखाताधारकगण का नाम यथावत् रखा जाकर फौती नामांतरण किये जायें एवं मृतक का नाम विलोपित कर खाताधारक का नाम यथावत् रखे जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/समूह को कोई दावा आपत्ति होतो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 20/04/2026 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित हो कर पेश कर सकते है, नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 10/04/2026 को जारी किया गया।

मुहर

अति. तहसीलदार
राजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ : जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00070 टिकरापारा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202526440725600261

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00070 के अंतर्गत ग्राम टिकरापारा के वर्तमान भूमिस्वामी सुषमा टंडन पिता/पति-राजकुमार टंडन पता- न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़, राज कुमार टंडन पिता/पति- स्व. भागीरथ टंडन पता-न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़ के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 376/29 (0.0223) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता राज कुमार टंडन पिता/पति-स्व. भागीरथ टंडन पता-न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़ के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 29/04/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/04/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार:
Jyoti Singh
रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक / 87 / न.पा.नि./ लो.नि.वि. / 2025-26/ बीरगांव, दिनांक 09/04/2026

मैन्यूअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम बीरगांव क्षेत्रान्तर्गत मरम्मत संधारण मद अन्तर्गत वार्ड क्रं. 13 से 15 रावांभाठा में सी.सी. रोड, नाली, भवन एवं शासकीय स्कूलों का मरम्मत एवं संधारण कार्य लागत राशि रू. 5.50 लाख हेतु छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र 'ए' में छत्तीसगढ़ के पी.डब्लू.डी. भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015, रोड एस.ओ.आर. 01.01.2025 एवं इलेक्ट्रीकल एस.ओ.आर 2020 (निविदा तिथि तक संशोधित) अनुसार प्रतिशत दर पर कार्य संपादन हेतु (आवेदन करने की अंतिम तिथि दिनांक 24.04.2026 एवं निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि 04.05.2026) तीन लिफाफा पद्धति में निविदा आमंत्रित है।

उपरोक्त कार्यो की अनुमानित लागत, अमानत राशि, निविदा की शर्ते, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट **www.nagarnigambirgaon.com** व संचालनालय की वेबसाईट **www.uad.cg.gov.in** से भी डाउनलोड/प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

वेदांता में मृत मजदूरों के परिवारों को 50-50 लाख और घायलों को 25-25 लाख का मुआवजा दे प्लांट प्रबंधन और सरकार - अभिषेक मिश्रा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आम आदमी पार्टी के कार्य प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसा पर दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि घटना में पूरी लापरवाही प्लांट प्रबंधन की है उन्होंने कभी भी सुरक्षा मां को

का ध्यान नहीं रखा इसलिए यह बड़ी घटना घटित हुई है। उन्होंने बताया कि प्लांट के भीतर अचानक बॉयलर फटने से हुए जोरदार धमाके की चपेट में आने से 9 श्रमिकों की दर्दनाक मौत और 35 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल होना दु:खद है। भगवान हादसे में मृत मजदूरों के परिवारों को इस दुख से लड़ने की शक्ति दे। आम आदमी पार्टी मांग करती है कि प्लांट प्रबंधन को हादसे में मृत मजदूरों के परिवार को 50-50 लाख और घायलों के परिवार को 25-25 लाख देना मुआवजा देना चाहिए साथ ही राज्य सरकार को भी हादसे में मृत मजदूरों के परिवार को 50-50 लाख और घायलों के परिवार को 25-25 लाख मुआवजा देना चाहिए, साथ ही घटना की न्यायिक जांच हो व दोषियों को सजा मिलनी चाहिए ताकि ऐसी घटना की पुनरावृति ना हो।

विधायक पुरन्दर मिश्रा, महापौर मीनल ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

विधायक निधि, प्रभारी निधि मद से नाली, सड़क, पुलिया, सामुदायिक भवन निर्माण शीघ्र करने एकमुश्त कुल 3 करोड़ 71 लाख 99 हजार रू के नए विकास कार्यों

रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 7 वार्डो में रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अधोसंरचना मद, विधायक मद और प्रभारी निधि मद से 3 करोड़ 71 लाख 99 हजार रूपये की स्वीकृत लागत से शीघ्र सड़क, नाली, पुलिया, सामुदायिक भवन के नए विकास और निर्माण कार्य करवाने भूमिपूजन और कार्यारम्भ फल फोड़कर और कुदाल चलाकर करते हुए रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मती मीनल चौबे ने नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष दीपक जायसवाल, जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू, जोन 3 जोन अध्यक्ष मती साधना प्रमोद साहू, वार्ड पार्षद सर्व राजेश गुप्ता, आयुक्त विनोद पाण्डेय, जोन 3 जोन कमिश्नर मती प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता नरेश साहू सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्तृताओं, जोन 3 अधिकारियों, कर्मचारियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य नगरवासियों को शानदार सौगात दी. रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने रायपुर नगर निगम जोन 3 के सभी 7 वार्ड पार्षदों को एकमुश्त 3 करोड़ 71 लाख 99 हजार रूपये के नवीन विकास कैलाश बेहरा, महेश ध्रुव, प्रदीप वर्मा, मती पुष्पा रोहित साहू, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राम प्रजापति, सामाजिक कार्यकर्तृता किशोर महानन्द और नगर निगम अपर कार्य प्रारम्भ होने पर हार्दिक बधाई दी और कहा कि शीघ्र ही 24 करोड़ की पानी टंकी निर्माण और जलप्रदाय योजना का भी नया विकास कार्य रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन 3 क्षेत्र में प्रारम्भ किया जायेगा, इससे जलसमस्या का यहां वार्डो में स्थायी निदान हो सकेगा. पूर्ववर्ती सरकार ने यह कार्य नहीं करवाया, जिससे योजना का लाभ नागरिकों को 5 वर्ष विलम्ब से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार और शहर सरकार में महापौर मती मीनल चौबे के नेतृत्व में शीघ्र मिलने जा रहा है।

मंत्रालय में ई-ऑफिस और बायोमेट्रिक अटेंडेंस के लिए श्रेष्ठ कर्मचारियों को किया सम्मानित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्य सचिव विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारियों को ई-ऑफिस पर श्रेष्ठ कार्य करने एवं बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए श्रेष्ठ कर्मचारियों को सम्मानित किया। मुख्य सचिव ने कहा है कि मंत्रालय में सभी अधिकारी-कर्मचारी ई-ऑफिस पर बढ़-चढ़कर काम कर रहें हैं। इससे अच्छी कार्य संस्कृति परिलक्षित हो रही है, वहीं पर अधिकारी-कर्मचारी कार्यालयीन समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहें हैं। इससे मंत्रालय में समयबद्धता में सुधार आया है। मुख्य सचिव ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों से कहा है कि वे समय पर मंत्रालय में उपस्थित होकर अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराएं, जिससे आगामी दिनों में शत् प्रतिशत समयबद्धता देखी जा सकेगी। मुख्य सचिव ने मंत्रालय में ई-फाईल सिस्टम के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण की आवश्यकता बतायी। अत: उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कर्मचारियों-अधिकारियों को ट्रेनिंग की आवश्यकता है।

उन्हें एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार कर प्रशिक्षित करना सुनिश्चित करें।

व्यक्तियों को रोजगार चाहने वाला बनने के बजाय रोजगार देने वाला बनाएं : केन्द्रीय मंत्री ओंराव

इसके जन-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर देते हुए ओराव ने निगम के उस मुख्य उद्देश्य को रेखांकित किया

सक्ति (प्रतिदिन राजधानी)

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने देश भर में अनुसूचित जनजाति समुदायों को सशक्त बनाने में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (NSTFDC) द्वारा निभाई गई परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला है। उन्होंने कहा कि (NSTFDC) का दृष्टिकोण केवल रोजगार सृजन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और व्यक्तियों को रोजगार चाहने वाला बनने के बजाय रोजगार देने वाला बनने में सक्षम बनाना है। नई दिल्ली में (NSTFDC) के 10 अप्रैल 2026 को आयोजित 25 वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए ओराम ने इस निगम को जनजातीय उद्यमिता के लिए एक उत्प्रेरक बताया।

केंद्रीय जनजाति मंत्री जुएल ओराम द्वारा छत्तीसगढ़ से चयनित लाभार्थी जिला बेमेतरा से किशन ध्रुव ग्राम कुआं (किराना व्यवसाय) एवं धनराज ठाकुर ग्राम गातापार (फोटो स्टूडियो व्यवसाय) सहित छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के प्रतिनिधि (कार्यपालन अधिकारी) प्रवीण कुमार लाटा का स्वागत किया और (NSTFDC) सावधि ऋण योजना के तहत व्यावसायिक गतिविधियाँ संचालित करने में उनके प्रयासों की सराहना की। मंत्री जी द्वारा लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इसके जन-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर देते हुए ओराव ने निगम के उस मुख्य उद्देश्य को रेखांकित किया जिसके तहत वह बिना किसी गारंटी (collateral-free) के वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जिससे जनजातीय लाभार्थियों तक इसकी पहुँच और अधिक व्यापक हो सके। मीडिया से बात करते अधिक हो चुका है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (NSTFDC) ने नई दिल्ली के विश्व युवा केंद्र में अपना 25 वां स्थापना दिवस मनाया।

सीएम के निर्देश पर घायलों के बेहतर उपचार हेतु कलेक्टर-एसपी मुस्तैद

मृतकों के परिजनों से संपर्क एवं सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी

सक्ति (प्रतिदिन राजधानी)

सक्ति जिले के सिंघनीपुर स्थित वेदांता प्लांट में बॉयलर फटने से हुए भीषण हादसे के बाद जिला प्रशासन त्वरित रूप से सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय घटना एवं घायलों के उपचार को लेकर कलेक्टर अमृत विकास टोपनो तथा पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर से लगातार संपर्क में हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल भी लगातार स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं और कलेक्टर के साथ समन्वय बनाए हुए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर, एसपी तथा प्रशासन की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुँची और रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया गया। घायलों को प्राथमिकता के साथ रायगढ़ के फोर्टीस हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज एवं अपेक्स अस्पताल भेजा गया। गंभीर रूप से घायलों को बेहतर उपचार हेतु रायपुर के कालड़ा अस्पताल रेफर किया गया। प्रशासन द्वारा घटनास्थल को बैरिकेड कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए।

कलेक्टर टोपनो ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है। पोस्टमार्टम उपरांत पार्थिव देह को उनके गृहग्राम तक एम्बुलेंस के माध्यम से भेजने और तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

हादसे में घायल अथवा प्रभावित श्रमिकों को पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक बिना उपस्थिति के वेतन देने पर भी सहमति बनाई गई है। कलेक्टर ने बताया कि मुआवजा राशि को लेकर देर रात तक चर्चा कर सहमति स्थापित की गई है। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं तथा जांच टीम जल्द ही घटनास्थल का निरीक्षण करेगी। रेस्क्यू कार्य में एसडीआरएफ की टीम भी सक्रिय है। मुख्यमंत्री द्वारा मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि की घोषणा की गई है।

इसी प्रकार, प्रधानमंत्री द्वारा मृतकों के परिजनों हेतु 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की अनुग्रह सहायता स्वीकृत की गई है। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने जानकारी दी कि इस हादसे में कुल 36 श्रमिक प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 17 की मृत्यु हो चुकी है तथा 19 घायल हैं, जिनका उपचार जारी है। कंपनी प्रबंधन ने कहा है कि वे प्रभावित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। दिवंगत श्रमिकों के परिजनों को 35 लाख रुपये की आर्थिक सहायता एवं रोजगार सहयोग, तथा घायलों को 15 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। घायलों को पूर्ण स्वस्थ होने तक वेतन जारी रहेगा और परामर्श (काउंसलिंग) की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

बकाया अदा नहीं करने पर 8 व्यवसायिक परिसरों को तत्काल किया सीलबंद

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व श्रीमती कृष्णा खटीक, उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू और जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार एवं नगर निगम जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी श्री महादेव रक्सेल के मार्गनिर्देशन और राजस्व निरीक्षक श्री राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक सर्वश्री नरेन्द्र ठाकुर, खगेंद्र सोनी, राम कुमार औसर की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन 8 की राजस्व विभाग की टीम द्वारा नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 और पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र अंतर्गत 8 बडे बकायादारों द्वारा विगत कई वर्षों से बकाया राशि नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा डिमांड बिल डिमांड नोटिस एवं अंतिम नोटिस जारी करने के उपरांत भी नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं करने पर अभियान चलाकर संबंधित 8 बड़े बकायादारो के 8 व्यवसायिक परिसरो को तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की कडी कार्यवाही की गयी है। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल एवं सहायक राजस्व अधिकारी श्री महादेव रक्सेल ने बताया कि आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 राजस्व विभाग द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 अंतर्गत 91572 रू. के बकायेदार रामपाल लहरी, 91572 , 205000 रू. के बकायेदार मो. अब्दुल कलाम, 400389 रू. के बकायेदार बलविंदर सिंह , 77859 रू. के बकायेदार ओमप्रकाश तिवारी।

कमिश्नर अरुण ध्रुव ने सामुदायिक सार्वजनिक शौचालय की सफाई का किया औचक निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 7 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव ने जोन कार्यपालन अभियंता श्री सुशील मोडेस्टस, उपअभियंता श्रीमती प्रेरणा अग्रवाल एवं अन्य सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में जोन क्षेत्र अंतर्गत समता कॉलोनी एवं अन्य स्थानों पर सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया और शौचालयों की अच्छी तरह सफाई करवाने और स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की पुख्ता तैयारी करवाने के निर्देश दिए.

राजस्व विभाग ने कई वर्षों से बकाया राशि जमा नहीं कर रहे बकाया राजस्व वसूली अभियान चलाया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व श्रीमती कृष्णा खटीक, उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के नेतृत्व और नगर निगम जोन 10 सहायक राजस्व अधिकारी गौरीशंकर साहू के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर पालिक निगम जोन 10 की राजस्व विभाग की टीम द्वारा नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 10 अंतर्गत बाबू जगजीवन राम वार्ड क्रमांक 53 क्षेत्र अंतर्गत कुल 9 बड़े बकायादारों द्वारा विगत कई वर्षों से बकाया राशि नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा डिमांड बिल डिमांड नोटिस एवं अंतिम नोटिस जारी करने के उपरांत भी नगर निगम जोन क्रमांक 10 के राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं करने पर अभियान चलाया गया है .

इन 9 बड़े बकायादारों में से 7 बड़े बकायादारों के सम्बंधित व्यवसायिक परिसरो को तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की कडी कार्यवाही बकाया राशि अदा नहीं किये जाने पर स्थल पर की गयी है .

वहीं बाबू जगजीवन राम वार्ड वार्ड क्रमांक 53 क्षेत्र में मेडिकल काम्प्लेक्स में 296993 रू. के बड़े बकायादार जेठालाल पटेल और 296993 रू. के बड़े बकायेदार सुरेश जैन ने सीलबंदी कार्यवाही के दौरान स्थल पर अपनी सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान तत्काल नगर निगम जोन 10 राजस्व विभाग की टीम को धनादेश प्रदत्त करते हुए कर दिया है. वहीं बाबू जगजीवन राम वार्ड क्रमांक 53 क्षेत्र के मेडिकल काम्प्लेक्स के 52985 रू. के बड़े बकायादार मंजू किसनानी, 112287 रू - 112287 रू. के तीन पृथक दुकान प्रकरणों में बड़े बकायादार सुनीता चांडक, 170791 रू.- 170791 रू. के दो पृथक दुकान राशि दुकानों को स्थल पर तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की कार्यवाही रायपुर नगर पालिक निगम जोन 10 राजस्व विभाग की टीम द्वारा जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के नेतृत्व और जोन सहायक राजस्व अधिकारी गौरीशंकर साहू के मार्गनिर्देशन में की गयी है ।

कमिश्नर राकेश शर्मा ने वार्ड कमांक 7 एवं 9 की स्वच्छता व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर आज नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा ने कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, उपअभियंता श्रीमती अंकिता जनार्दन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी उमेश नामदेव, बारोन बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक भोला तिवारी की उपस्थिति में स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की तैयारी के निरीक्षण हेतु सिटी प्रोफाइल स्थलो में स्वच्छता का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया। इस दौरान जोन 9 अंतर्गत कुशाभाउ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 के क्षेत्र में अनेक स्थानो पर मुख्य मार्गो में गंदगी और कचरे के ढेर पाये जाने पर जोन कमिश्नर ने सफाई व्यवस्था में लापरवाही को लेकर संबंधित वार्ड कमांक 7 के अनुबंधित सफाई ठेकेदार एसएस इन्फ्राटेक साल्युशन्स को नोटिस देकर 10000 रू. का अर्थदण्ड किया एवं 2 दिन में लिखित प्रतिवेदन जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत तैयारी के निरीक्षण हेतु सिटी प्रोफाईल स्थलो का जोन 9 अंतर्गत महात्मा गांधी वार्ड कमांक 8 में सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन अधिकारियों सहित किया। वार्ड 8 में विभिन्न सिटी प्रोफाईल स्थलो पर गंदगी व कचरे के ढेर पाये गये इस पर संबंधित वार्ड 8 के सफाई का अर्थदण्ड करते हुए 2 दिन के भीतर लिखित प्रतिवेदन जवाब देने के निर्देश जोन कमिश्नर ने दिये है। जोन 9 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा ने जोन 9 अंतर्गत कुशाभाउ ठाकरे वार्ड कमांक 7 अंतर्गत साल्युशन्स को कुशाभाउ ठाकरे वार्ड कमांक 7 में के देयक बिल में उपस्थिति पत्रक अनुसार 19 सफाई कर्मचारियों का ईपीएफ व ईएसआईसी नहीं पटाये जाने के कारण माह नवंबर 2025 का देयक बिल भुगतान हेतु सभी सफाई कर्मचारियों का आडिट आपत्ति के निराकरण हेतु बैंक स्टेटमेंट के साथ प्रस्तुत किया जाना है।

जनगणना संबंधी समस्त प्रशासनिक कार्यदायित्वों को समय सीमा में त्रुटिरहित करने दिये निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ जनगणना निदेशालय एवं रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम के सभी जोनों में निर्धारित प्रशिक्षण केन्द्रो स्कूलो आदि स्थलों में जनगणना कार्य हेतु प्रगणको और पर्यवेक्षको को प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण देने का कार्य प्रारंभ हुआ। विभिन्न स्थानो पर प्रशिक्षण केन्द्रो में पहुंचकर रायपुर जिला कलेक्टर के आदेशानुसार रायपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार विश्वरंजन ने प्रत्यक्ष निरीक्षण प्रशिक्षण कार्य के सबंध में किया एवं आवश्यक निर्देश प्रशासनिक व्यवस्था के संबंध में सबंधित अधिकारियों को दिये। निर्देश दिये गये कि भारत सरकार के जनगणना निदेशालय और छत्तीसगढ़ जनगणना निदेशालय और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के दिशा -निर्देश अनुसार होने जा रहे दिनांक 1 मई 2026 से जनगणना कार्य के प्रथम चरण का कार्य एव सम्पूर्ण प्रशासनिक कार्य दायित्वों का निर्वहन ड्यूटी पर लगाये गये समस्त प्रगणक एव पर्यवेक्षकगण सहित जोनो के जनगणना चार्ज अधिकारी जोन कमिश्नरगण पूरी तरह त्रुटि रहित एवं समय सीमा के भीतर सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जाना हर हाल में सुनिश्चित करे। जनगणना कार्य के दौरान जनगणना निर्देशालय के द्वारा इस सम्बन्ध में दिए गए समस्त दिशा निर्देशो का पूर्ण परिपालन कार्य के दौरान सुनिश्चित किया जाये। रायपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अभियता कुमार विश्वस्जन द्वारा प्रशिक्षण के दौरान किये गये प्रशिक्षण केन्द्रों में व्यवस्था के मुख्यालय जनगणना शाखा के प्रभारी अधिकारी नगर निगम उपायुक्त जसदेव सिंह बाबरा सहित नगर निगम वार्ज अधिकारी अंशुल शर्मा सीनियर सहित अन्य जनगणना कार्य से सम्बंधित अधिकारीगण एवं मास्टर ट्रेनर्सगण की उपस्थिति रही।

अवैध प्लाटिंग पर निर्मित अवैध मुरूम रोड को तत्काल काटकर लगायी कारगर रोक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 10 नगर निवेश विभाग द्वारा जोन 10 क्षेत्र अंतर्गत रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड क्रमांक 55 के अंतर्गत मोती नगर प्रगति विहार में कमल विहार (कौशल्या विहार) के समीप लगभग डेढ़ एकड़ निजी भूमि पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग पर वहाँ निर्मित की गयी अवैध मुरूम रोड को जेसीबी मशीन की सहायता से तत्काल काटकर और वहाँ जाने का आवागमन अवरुद्ध करते हुए कारगर रोक जोन 10 कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला, सहायक अभियंता योगेश यदु, सुशील अहीर, उप अभियंता राहुल थारानी की उपस्थिति में स्थल पर लगायी गयी.

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 16 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

उम्मीदों का गलियारा

निस्संदेह, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भारत के संरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। जो राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है। वहीं दूसरी ओर इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विकास और पारिस्थितिक संवेदनशीलता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठित राजाजी पार्क क्षेत्र से गुजरने वाला यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा, जिसमें वन्य जीवों के लिये अंडरपास बनाये गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक आवागमन मार्गों में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। जो इस मान्यता की कसौटी पर खरा उतरता है कि विकास के बुनियादी ढांचे को प्रकृति के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए।

हाल के वर्षों में देश की विभिन्न बड़ी विकास योजनाओं वाले क्षेत्रों में वन्य जीवों और मनुष्य के बीच जो संघर्ष बढ़ा है, वो विकास को पर्यावरण व वन्यजीवों के अधिवास के अनुकूल ढालने की जरूरत बताता है। कर्नाटक के हाथी गलियारे- जो बांदीपुर,नागरहोल और आसपास के जंगलों को जोड़ते हैं, दर्शाते हैं कि कि कैसे संपर्क मार्गों से वन्य जीवों के प्रवास-मार्ग की सुरक्षा होती है। जिससे मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम होता है। ऐसे में यदि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग में अभिनव प्रयास प्रभावी साबित होते हैं, तो यह नया एक्सप्रेसवे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य की परियोजना के लिए एक आदर्श साबित हो सकता है। हालांकि, इस राजमार्ग को लेकर कुछ चिंताएं अभी बाकी हैं। राजमार्ग को पूरा करने के दौरान अंतिम समय में निर्माण कार्यों में किए गए सुधार और इसमें पहले हुई कुछ देरी की रिपोर्टों से कार्य निष्पादन की गुणवत्ता व समय सीमा के दबाव को लेकर सवाल भी उठे हैं।

नारी-आरक्षण : नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है।

ललित गर्ग।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चितताौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है। हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निर्माता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें। नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता।

शक्ति वंदन अधिनियम : 'लाभार्थी' से 'नीति-निर्माता' तक नारी की निर्णायक यात्रा

लक्ष्मी राजवाड़े
(महिला एवं बाल विकास मंत्री)

भारत आज एक ऐसे परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है, जहाँ नारी शक्ति केवल सशक्तिकरण की अवधारणा तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की धुरी बन चुकी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 इस परिवर्तन का ऐतिहासिक प्रतीक है, जिसे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में साकार किया गया है। यह अधिनियम महिलाओं को नई पहचान देते हुए उन्हें निर्णय लेने की सर्वोच्च संस्थाओं में सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करता है। इस कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसे केवल एक विधायी पहल नहीं, बल्कि 'नए भारत की नई शक्ति' का आधार बताया है। उनके नेतृत्व में यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि अब महिलाएं केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि देश की नीतियों की निर्माता बनेंगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी की सोच 'वूमेन-लेड डेवलपमेंट' की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें महिलाओं को विकास की सहभागी ही नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया जा रहा है। बीते वर्षों में केंद्र सरकार की अनेक योजनाओं ने इस दृष्टिकोण को साकार रूप दिया है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना, मुद्रा योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन जैसी पहलों ने महिलाओं के जीवन में गरिमा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित किया है। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और मिशन पोषण 2.0 ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में व्यापक सुधार किया है। वहीं, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से करोड़ों महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में अग्रसर हैं। यह परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि समाज की सोच और संरचना में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इन सभी प्रयासों को एक नई ऊंचाई प्रदान करता है। जब अधिक महिलाएं संसद और विधानसभाओं में पहुंचेंगी, तो वे अपने अनुभव, संवेदनशीलता और जमीनी समझ के साथ नीति निर्माण को और अधिक प्रभावी बनाएंगी। इससे शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशिता को बल मिलेगा। यह अधिनियम सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करता है। वर्षों से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सीमित रही है, जबकि पंचायत स्तर पर उनकी सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे नेतृत्व में पूर्णत: सक्षम हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह ऐतिहासिक पहल उस क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने का माध्यम बनी है। अंतत:, नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक सशक्त, समावेशी और विकसित भारत की दिशा में निर्णायक कदम है। यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरुआत है—जहाँ नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति का आधार बनेगी, और भारत विश्व के सामने एक आदर्श लोकतंत्र के रूप में उभरेगा।

हाथियों की विरासत : जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

सुनील कुमार महला।

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है।

हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं। मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000-30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4-5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000-60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा रखता है। हाल फिलहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं। दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69% मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16% रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं।

इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई। एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोको पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथियों की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु हो गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागमन रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपायों और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुआ। इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथियों के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी भी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं।

भारत की औषधि रणनीति पैमाने से नवाचार की ओर बढ़ रही है, ताकि देश को बायोफार्मा और उच्च-मूल्य वाले चिकित्सा विज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके....

जगत प्रकाश नड्डा
(केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री)

वैश्विक स्तर पर, कुल औषधि राजस्व में बायोलॉजिक, बायोसिमिलर और विशेष दवाओं की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक हो गयी है। लंबे समय से जेनरिक दवाओं में अग्रणी देश होने के कारण 'विश्व की फ़ार्मेसी' के रूप में प्रसिद्ध भारत का औषधि उद्योग अब पैमाने से नवाचार की ओर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार भविष्य के अनुरूप एक नीतिगत रूपरेखा को गति दे रही है, ताकि देश जेनरिक दवाओं में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए इन उभरते क्षेत्रों में अधिक हिस्सेदारी प्राप्त कर सके। केंद्रीय बजट 2026-27 में 10,000 करोड़ के मिशन बायोफार्मा निर्माण शक्ति की घोषणा इस दिशा में एक निर्णायक कदम को रेखांकित करती है। यह अगले 8 से 10 वर्षों में भारत को बायोफार्मा नवाचार और उच्च मूल्य वाली चिकित्सा सेवाओं के वैश्विक केन्द्र बनाने के देश के संकल्प का संकेत देती है। यह विज़न गहरी वैज्ञानिक क्षमताओं के निर्माण, नवाचार-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और भारत को अगली पीढ़ी की दवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने में सक्षम बनाने पर आधारित होगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर और उन्नत चिकित्सीय क्षेत्रों में घरेलू क्षमताओं को गति देना है। यह कार्यक्रम औषधि विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की मौजूदा पहलों का पूरक है, जैसे फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना (पीआरआईपी), अनुसंधान विकास और नवाचार योजना, बायोनेस्ट आदि, जिनका उद्देश्य जैव- औषधि समेत जीवन विज्ञान क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है। ये पहलें भारत के नवाचार इकोसिस्टम को मजबूत करने, उद्योग-अकादमी सहयोग को बढ़ावा देने तथा जेनेरिक दवाओं से नवाचार संचालित दवा अनुसंधान और विकास की ओर बदलाव को सक्षम करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ किण्वन-आधारित निर्माण क्षमताओं का विकास करना है। एंटिबायोटिक, वैक्सीन, एंज़ाइम और बायोलॉजिक्स के निर्माण में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, यह क्षेत्र लंबे समय से आयात पर निर्भर रहा है। अवसंरचना में निवेश करके, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाकर तथा लक्षित प्रोत्साहन प्रदान करके, भारत इस रणनीतिक क्षेत्र में घरेलू क्षमता का निर्माण करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। भारत के नैदानिक अनुसंधान इकोसिस्टम का विस्तार भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। 1,000 मान्यता प्राप्त नैदानिक प्रयोग केंद्र स्थापित किये जायेंगे, जो वैश्विक दवा विकास गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति को बेहतर बनायेंगे। अपनी लागत लाभ और कुशल शोधकर्ताओं की बढ़ती संख्या के साथ, भारत कुशल और उच्च गुणवत्ता वाले नैदानिक प्रयोग के लिए असाधारण अवसर प्रदान करता है। साथ ही, नियामक व्यवस्था को मजबूत करने और संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाने से भारत की मौजूदा व्यवस्था वैश्विक मानकों के अधिक अनुरूप होगी, जिससे तेज अनुमोदन संभव होंगे और वैश्विक हितधारकों के बीच विश्वास बढ़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने पीएलआई और थोक दवा (बल्क ड्रग) पार्क योजनाओं के सहारे सक्रिय औषधि सामग्री (एपीआई) और मुख्य आरंभिक सामग्रियों (केएसएम) के स्थानीय उत्पादन में तेज़ी से प्रगति हुई है। इससे देश में दवाओं की कीमतें घटाने में मदद मिली है, जो विश्व स्तर पर सबसे कम कीमतों में से एक है और इसके कारण नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की लागत किफायती बनी रहती है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना ने सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक दवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है, जिसके तहत 19,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र लाखों लोगों की सेवा कर रहे हैं। कैंसर और दुर्लभ रोगों की दवाओं जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं पर सीमा-शुल्क को सुव्यवस्थित करने जैसे पूरक उपाय जीवन रक्षक उपचारों तक पहुंच को और सुलभ बना रहे हैं। जैसे-जैसे उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाएं अधिक व्यापक होंगी, किफायती दर और समान पहुंच सुनिश्चित करना केंद्रीय नीति की प्राथमिकता बनी रहेगी। जैसे-जैसे उद्योग विकसित हो रहा है, भारत का उद्देश्य न केवल स्थापित बाजारों में बल्कि उभरते क्षेत्रों में, विशेष रूप से नवाचार-संचालित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। सुधार, इस बदलाव के केंद्र में हैं। नियामक समन्वय, अनुमोदन प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और तेजी से मंजूरी जैसे प्रयास व्यापार करने में आसानी को बढ़ा रहे हैं। गुणवत्ता मानकों और नियामक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने से भारतीय औषधि उत्पादों पर वैश्विक विश्वास की निरंतरता सुनिश्चित होती है। हालांकि, आरएंडडी निवेश बढ़ाना एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है। इसका समाधान करने के लिए, सार्वजनिक-निजी सहयोग को मजबूती देना आवश्यक होगा, ताकि दीर्घकालिक नवाचार को बनाए रहा जा सके। नीतिगत समर्थन, तकनीकी प्रगति और बाजार का आपसी समन्वय; औषधि क्षेत्र के लिए विकास का एक अद्वितीय अवसर प्रस्तुत करता है। भारत का घरेलू बाजार, जिसका मूल्य पहले से ही 4 लाख करोड़ से अधिक है, निरंतर विस्तार के लिए तैयार है। अगले दशक में, भारत न केवल जेनेरिक दवाओं में एक अग्रणी देश के रूप में, बल्कि नवोन्मेषी दवाओं, किण्वन-आधारित उत्पादों और अगली पीढ़ी की चिकित्सा-सेवाओं में भी एक शक्तिशाली केंद्र के रूप में उभरने के लिए बेहतर स्थिति में है। निष्कर्ष के तौर पर, भारत का औषधि क्षेत्र नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जो नवाचार, सुदृढ़ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा द्वारा परिभाषित होता है। बायोफार्मा शक्ति कार्यक्रम जैसी पहलों, नैदानिक अवसंरचना के विस्तार और लक्षित निर्माण प्रोत्साहनों के समर्थन से, भारत धीरे-धीरे मात्रा-संचालित जेनेरिक दवा केंद्र से उच्च-मूल्य वाले बायोफार्मा नवाचार अग्रणी देश की ओर आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल में भारत की भूमिका को मजबूत करने और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न, विकसित भारत 2047 के व्यापक लक्ष्यों को हासिल करने में केंद्रीय भूमिका निभाएगा।

बाबा साहेब के संविधान ने ही हमें जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा का अधिकार दिया: अग्रवाल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए उन्हें आधुनिक भारत का शिल्पकार बताया।

समरसता भोज: जातिगत भेदभाव मिटाने की पहल

सांसद श्री अग्रवाल भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा टिकरापारा स्थित बालक छात्रावास में आयोजित 'समरसता भोज' में शामिल हुए। यहाँ उन्होंने युवाओं के साथ बैठकर भोजन किया और उनसे सीधा संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने समाज में एकता और समानता का संदेश देते हुए कहा कि , 'आज भारत रत्न बाबासाहेब अंबेडकर जी

की जयंती है और बाबासाहेब अंबेडकर जी ने पूरे देश में एकरूपता, समरूपता और समरसता का संदेश दिया था कि हमारे संविधान में कोई छोटा नहीं है, कोई बड़ा नहीं है, सब बराबर हैं और सबको एक वोट का अधिकार दिया था। और इसलिए आज भी कहीं न कहीं थोड़ा बहुत लोगों में भेदभाव या जातिगत भावना है, उसको दूर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने यह तय किया कि 'समरसता भोज' का आयोजन ऐसे स्थानों पर करेंगे और उसके माध्यम से एक समरसता का संदेश देंगे। और उसी के तहत आज यह टिकरापारा स्ष्ट छात्रावास में हमारे भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा में अर्पित सूर्यवंशी जी, उनके नेतृत्व में समरसता भोज का आयोजन किया गया और मेरा सौभाग्य है कि उसमें मुझे भी शामिल होने का अवसर मिला।'

प्रतिमा अनावरण: नई पीढ़ी के लिए प्रेरणापुंज

इसके पश्चात, सांसद बृजमोहन अग्रवाल रायपुर के कचहरी चौक पहुंचे, जहाँ उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी, 21 फीट ऊँची बाबा साहेब की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि रायपुर के हृदय स्थल में स्थापित यह विशाल प्रतिमा हमारी नई पीढ़ी को सदैव बाबा साहेब के संघर्षों और उनके महान आदर्शों की याद दिलाती रहेगी। उन्होंने कहा कि , 'बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से हमें वह शक्ति और अधिकार दिए हैं, जिसके कारण आज हम लोकतंत्र के इस मंच पर जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा कर पा रहे हैं। यदि बाबा साहेब और उनका दिया संविधान न होता, तो शायद हम आज सांसद, मंत्री या विधायक के रूप में यहाँ उपस्थित न होते।' कार्यक्रम में भाजयुमो के पदाधिकारी, भारी संख्या में छात्र एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने बाबा साहेब के जयकारों के साथ समरस समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

राज्य सरकार की गंभीर लापरवाही की वजह से उद्योगों में इस तरह की घटना आम हो गयी है- उत्तम जायसवाल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आम आदमी पार्टी ने सक्ति जिले के सिंघीतराई में स्थित वेदान्ता पावर प्लांट में हुई भयानक दुर्घटना की कठोर निंदा की है आपको बता दे 14 अप्रैल 2026 के दोपहर को बायलर फटने से कई मजदूरों की जान गई और अनेक घायल हुए। यह हादसा, एक उच्च-दबाव वाली स्टीम ट्यूब के फटने से हुआ, जो संभावित रूप से सुरक्षा मानकों की अनदेखी और मेंटेनेंस की कमी के कारण था। उत्तम जायसवाल ने कहा कि हम वेदांता समूह की सुरक्षा प्रोटोकॉल की कड़ी आलोचना करते हैं, जिनका दावा था कि वे उच्च मानकों का पालन करते हैं। लेकिन यह हादसा साफ तौर पर दर्शाता है कि सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। हम मांग करते हैं कि राज्य सरकार एक स्वतंत्र और गहन जांच करे, जिसमें यह देखा जाए कि आखिरी बार सुरक्षा अधिकारियों ने बॉयलर का निरीक्षण कब किया था, और क्या सभी मानक सही तरीके से फॉलो किए गए थे।

उन्होंने वेदांता समूह और राज्य सरकार के खिलाफ उच्च स्तरीय जाच की माग की है उन्होने कहा है कि वेदांता समूह के जिम्मेदार लोगो पर और सरकार में पदस्त औद्योगिक सुरक्षा अधिकारियों के ऊपर हत्या का केस दर्ज हो पूर्व में भी आर के एम पवार प्लांट में इसी तरह की घटना हुई थी जिसमे बहुत से मजदूर असमय काल के गाल में समा गए लेकिन उसकी जाँच के बाद भी किसी निष्कर्ष पर यह सरकार नही पहुची,दुर्घटना पर बड़ी बड़ी बाते होती है पर एक समय के बाद इसे सब भूल जाते है इस भीषण दुर्घटना पर भी जांच बैठेगी लेकिन निकट भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो इसको लेकर कोई सुरक्षा नियामक मजदूरों के हितों को ध्यान में रखकर बनाना होगा यह सरकार की गंभीर लापरवाही का नतीजा है सरकार यह जानकारी दे कि उद्योग के उपकरण के सुरक्षा जांच व समीक्षा करने वाले अधिकारी औद्योगिक सुरक्षा अधिकारी ने अंतिम बार कब जांच निरीक्षण किया था यह औद्योगिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ साथ सरकार की गंभीर लापरवाही का परिणाम है कि इस तरह घटना बार बार हो रही है

साय सरकार की पहल से सशक्त हुई महिलाएं, हमेश्वरी राठौर बनीं लखपति दीदी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास अब सार्थक परिणाम दे रहे हैं। इसका प्रेरक उदाहरण गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत लालपुर की हमेश्वरी राठौर हैं, जो आज 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। एक सामान्य ग्रामीण महिला से आत्मनिर्भर उद्यमी बनने तक का उनका सफर संघर्ष, साहस और सफलता की मिसाल है। हमेश्वरी राठौर 'रिद्धी-सिद्धी स्वसहायता समूह' से जुड़ीं, जहां उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आर्थिक सहयोग और प्रशिक्षण मिला। समूह के माध्यम से उन्होंने 5 लाख 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया, जो उनके जीवन में परिवर्तन का आधार

बना। इस राशि का उपयोग उन्होंने कृषि और छोटे व्यवसाय को विकसित करने में किया। सब्जी उत्पादन को मुख्य आय का स्रोत बनाते हुए उन्होंने टमाटर, गोभी, अदरक, बरबट्टी और हल्दी जैसी फसलों की खेती शुरू की। साथ ही, उन्होंने सेंटरिंग प्लेट का कार्य भी शुरू किया, जिससे उनकी आय के अतिरिक्त स्रोत बने। शुरुआती दौर में मौसम की अनिश्चितता, बाजार की चुनौतियां और लागत जैसी कठिनाइयां सामने आईं, लेकिन विष्णुदेव साय सरकार की योजनाओं से मिले मार्गदर्शन और स्वसहायता समूह के सहयोग ने उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अपने परिश्रम और दृढ़ निश्चय के बल पर उन्होंने हर बाधा को पार किया।

आज हमेश्वरी राठौर की वार्षिक आय लगभग डेढ़ से दो लाख रुपये तक पहुंच चुकी है, जिसने उन्हें 'लखपति दीदी' बना दिया है। उनकी सफलता ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि वे क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं। हमेश्वरी राठौर की यह उपलब्धि दर्शाती है कि विष्णुदेव साय सरकार की महिला-केंद्रित योजनाएं और स्वसहायता समूहों का सशक्त नेटवर्क ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर साय ने संसदों को लिखा पत्र

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मातृशक्ति के सशक्तिकरण को लेकर चल रही पहल 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन और जनभागीदारी का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को संसद में इस महत्वपूर्ण अधिनियम पर विस्तृत चर्चा प्रस्तावित है, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसे केवल एक राजनीतिक या कानूनी प्रक्रिया न बताते हुए देश की मातृशक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्त भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

ु्द्यह्मश ऋद्गडुस्र – महासमुंद में बच्ची के साथ गंदी हरकत, आरोपी गिरफ्तार

माननीय सांसदगण
सादर नमस्कार,

आशा है आप सपरिवार स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे।

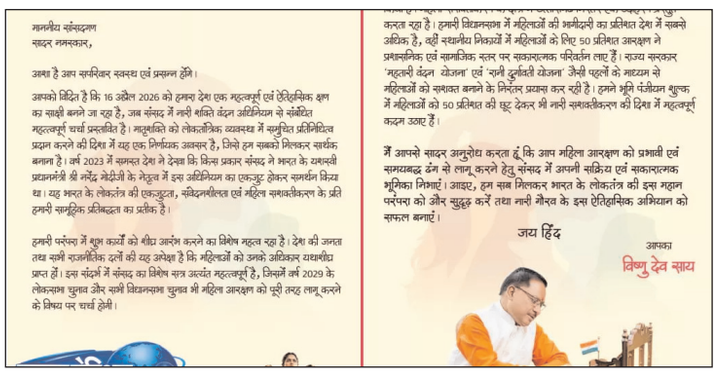

आपको विदित है कि 16 अप्रैल 2026 को हमारा देश एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने जा रहा है, जब संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण चर्चा प्रस्तावित है। मातृशक्ति को लोकतांत्रिक व्यवस्था में समुचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने की दिशा में यह एक निर्णायक अवसर है, जिसे हम सबको मिलकर सार्थक बनाना है। वर्ष 2023 में समस्त देश ने देखा कि किस प्रकार संसद ने भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में इस अधिनियम का एकजुट होकर समर्थन किया था। यह भारत के लोकतंत्र की एकजुटता, संवेदनशीलता एवं महिला सशक्तीकरण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

हमारी परंपरा में शुभ कार्यों को शीघ्र आरंभ करने का विशेष महत्व रहा है। देश की जनता तथा सभी राजनीतिक दलों की यह अपेक्षा है कि महिलाओं को उनके अधिकार यथाशीघ्र प्राप्त हों। इस संदर्भ में संसद का विशेष सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव और सभी विधानसभा चुनाव भी महिला आरक्षण को पूरी तरह लागू करने के विषय पर चर्चा होगी।

... करता रहा है। हमारी विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी का प्रतिशत देश में सबसे अधिक है, वहीं स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण ने प्रशासनिक एवं सामाजिक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं। राज्य सरकार 'महतारी वंदन योजना' एवं 'रानी दुर्गावती योजना' जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के निरंतर प्रयास कर रही है। हमने भूमि पंजीयन शुल्क में महिलाओं को 50 प्रतिशत की छूट देकर भी नारी सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

मैं आपसे सादर अनुरोध करता हूं कि आप महिला आरक्षण को प्रभावी एवं समयबद्ध ढंग से लागू करने हेतु संसद में अपनी सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका निभाएं। आइए, हम सब मिलकर भारत के लोकतंत्र की इस महान परंपरा को और सुदृढ़ करें तथा नारी गौरव के इस ऐतिहासिक अभियान को सफल बनाएं।

जय हिंद

आपका
विष्णु देव साय

सीएम साय ने अपने संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ने नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में पहले से ही उल्लेखनीय कार्य किया है। राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी देश में सबसे अधिक मानी जाती है। इसके साथ ही स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर राज्य ने इस दिशा में मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मना रही है, जिसका उद्देश्य महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को और आगे बढ़ाना है। यह पहल केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि समाज में महिलाओं की भूमिका को और मजबूत करने का व्यापक अभियान है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सभी महिला संगठनों, बहनों और मातृशक्ति से अपील की कि वे इस ऐतिहासिक पहल के समर्थन में सक्रिय भागीदारी निभाएं और सकारात्मक जनमत निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आवाज और उनका समर्थन देश के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत एवं समावेशी बनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं और नीतियां लागू कर रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम उसी दिशा में एक बड़ा और दूरगामी कदम है, जो आने वाले समय में राजनीतिक प्रतिनिधित्व में बड़ा बदलाव ला सकता है। सीएम साय ने कहा कि यह अवसर केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में महिलाओं की भूमिका को नई पहचान देने का भी माध्यम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पहल जनआंदोलन का रूप लेगी और देशभर में महिलाओं की भागीदारी को नई दिशा मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह अधिनियम प्रभावी रूप से लागू होता है तो भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी में ऐतिहासिक वृद्धि देखने को मिलेगी।

आर.टी.ई. अंतर्गत निजी विद्यालयों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन लॉटरी से चयन सूची जारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आज दिनांक 15 अप्रैल 2026 को पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार आर.टी.ई. अंतर्गत निजी विद्यालयों में प्रवेश हेतु प्राप्त आवेदनों की चयन सूची ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से मंत्रालय महानदी भवन के मुख्यमंत्री कक्ष से जारी की गई। यह प्रक्रिया मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में सम्पन्न कराई गई। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी , उपसंचालक लोक शिक्षण अशोक नारायण बंजारा ,आर टी ई प्रभारी महेश नायक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

14 हजार 403 विद्यार्थियों का चयन ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से

आवेदन एवं चयन की स्थिति

इस वर्ष कुल 21 हज़ार 975 सीटों के विरुद्ध 38 हजार 439 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 27 हजार 203 आवेदन पात्र एवं 11 हज़ार 236 आवेदन अपात्र पाए गए। पात्र आवेदनों में से 14 हजार 403 विद्यार्थियों का चयन ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से किया गया है। यह चयन संख्या मुख्यमंत्री डी.ए.व्ही. विद्यालयों की आर.टी.ई. सीटों को छोड़कर है। इन विद्यालयों में जिला स्तर पर ऑफलाइन लॉटरी आयोजित कर पृथक जानकारी आर.टी.ई. पोर्टल में अपडेट की जाएगी।

जिलेवार चयनित विद्यार्थियों का विवरण

जिलेवार चयनित विद्यार्थियों की स्थिति इस प्रकार है- रायपुर में 2606, बिलासपुर में 1509, दुर्ग में 1059, कोरबा में 534, राजनांदगांव में 480, बलौदाबाजार-भाटापारा में 457, जांजगीर-चांपा में 500, मुंगेली में 702, कवर्धा में 367, धमतरी में 354, बलरामपुर में 798, रायगढ़ में 544, बेमेतरा में 315, जशपुर में 543, सक्ती में 347, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 258, महासमुंद में 244, कांकेर में 471, बालोद में 353, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 195, सूरजपुर में 427, सरगुजा में 273, गरियाबंद में 193, कोरिया में 179, बस्तर में 135, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 206, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 112, कोंडागांव में 101, नारायणपुर में 35, मोहला- मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 48, दंतेवाड़ा में 35, सुकमा में 9 तथा बीजापुर में 14 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

सीटें रिक्त रहने के प्रमुख कारण

कुछ निजी विद्यालयों में आर.टी.ई. सीटें पूर्ण रूप से नहीं भर पाईं। इसका मुख्य कारण यह है कि कई विद्यालयों को आवेदकों द्वारा प्राथमिकता नहीं दी जाती, जिससे उनके लिए आवेदन प्राप्त नहीं होते। साथ ही जिन विद्यालयों को द्वितीय या तृतीय प्राथमिकता में रखा जाता है, वहां भी सीटें रिक्त रह जाती हैं, क्योंकि आवेदकों को उनकी प्रथम प्राथमिकता वाले विद्यालय में प्रवेश मिल जाता है। परिणामस्वरूप ऐसे विद्यालय, जो किसी भी आवेदक की प्राथमिकता में नहीं आते, उनकी सीटें खाली रह जाती हैं।

विनोद कुमार टेटे एकल चैंपियन फाइनल में हितेश मेहता को 3-0 से हराया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब खेल मड़ई-2 (इंडोर गेम) के तहत आयोजित स्व. सत्येन्द्र गुमाश्ता स्मृति टेबल टेनिस एकल प्रतियोगिता का रोमांचक समापन हुआ। बुधवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में विनोद कुमार ने हितेश मेहता को 3-0 से एकतरफा पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया।

फाइनल की शुरुआत से ही विनोद कुमार आक्रामक अंदाज में नजर आए। उनकी सटीक सर्विस, तेज रिटर्न और बेहतरीन फुटवर्क ने हितेश को दबाव में बनाए रखा। पहले सेट में विनोद ने लगातार 1-0 की बढ़त बनाते हुए मैच पर पकड़ बनाया। दूसरे सेट में हितेश ने वापसी की कोशिश की, लेकिन विनोद ने संयमित खेल दिखाते हुए यह सेट भी जीत लिया और बढ़त 2-0 कायम रखी। तीसरे सेट में भी उन्होंने मैच पर पूरा नियंत्रण बनाए

रखा और सीधे सेटों में 3-0 से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा कर लिया। मैच के दौरान कई बार शानदार रैली देखने को मिली।

इससे पहले खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में हितेश मेहता ने विजय मिश्रा को कड़े संघर्ष में 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वह मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। पांच सेट तक चले मुकाबले में हितेश ने धैर्य और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए निर्णायक सेट अपने नाम किया।

पूरे टूर्नामेंट में विनोद कुमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। उन्होंने लगातार प्रभावशाली खेल दिखाते हुए खिताब जीता। वहीं उपविजेता हितेश मेहता ने भी बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों के खेलभावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। मैच के निर्णायक निकष परमार, विकास शर्मा रहे। मैच के दौरान खेल समिति के संयोजक विजय मिश्रा व सह संयोजक शंकर चंद्राकर विशेष रूप से मौजूद रहे।

रसोई गैस की कमी नहीं फिर गैस एजेंसियों के आगे लाइन क्यों लगी है?

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रसोई गैस संकट पर सवाल खड़ा करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सरकार दावा कर रही है कि रसोई गैस की कोई कमी नही है, फिर शहरी क्षेत्रों में रसोई गैस के लिए जनता लाईन में क्यों खड़ी है? 25 दिन की समय सीमा तय लेकिन 30 दिन बाद भी रसोई गैस की आपूर्ति क्यों नही हो रही है? शहरी क्षेत्रों को 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों को 45 दिन बाद दोबारा रसोई गैस की समय सीमा क्यों? ये भेदभाव क्यों? रसोई गैस की कमी नहीं फिर कई गैस एजेंसियां में ताला क्यों लगा है? जनता विरोध प्रदर्शन क्यों कर रही है? विवाद हो रहा है? ग्रामीण क्षेत्रों में भी पूरा खाना रसोई गैस से बनता है, एक सिलेंडर 25-से 28 दिन में खत्म हो जा रहे है ऐसे में सिलेंडर खत्म होने के बाद

ग्रामीण भोजन किसमें बनाये? लकड़ी वैसे ही नहीं मिल रहा है? धुंआ के चलते अब चूल्हा में खाना बनाना भी लगभग बंद हो चुका है? सरकार खुद मानती है चूल्हा में खाना बनाने से धुआं के कारण महिलाओं का स्वास्थ्य खराब होता है फिर रसोई गैस क्यों नहीं दिया जा रहा है?

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रसोई गैस की दुबारा रिफलिंग में 25 दिन और 45 दिन की समय सीमा समाप्त कर पूर्व की तरह 21 दिन किया जाये। रसोई गैस की कालाबाजारी रोकने में सरकार असफल हो चुकी है, इसे कड़ाई से रोका जाये। उज्जवला योजना के लाखों हितग्राहियों को केवाईसी के नाम से रसोई गैस सिलेंडर नहीं दिया गया, उन्हें तत्काल रसोई गैस उपलब्ध करवाया जाये। रसोई गैस की कमी के चलते वैकल्पिक ईंधन के रूप मिट्टी तेल की आपूर्ति देने की व्यवस्था की बात कही गई थी लेकिन मिट्टी तेल नहीं मिल रहा है। रसोई गैस की कमी पर सरकार सिर्फ हवा हवाई दावा कर रही है जो धरातल पर दिखता नहीं है। सरकार जिम्मेदार से व्यवस्था सुधारें, जनता को बिना परेशानी रसोई गैस मिले ये सुनिश्चित किया जाये। गैस एजेंसियों में उपभोक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है, विवाद किया जा रहा है।

रायपुर में पहली बार 35 दिवसीय चार महापुराण कथा महोत्सव 11 मई से

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पुरुषोत्तम मास के अवसर पर छत्तीसगढ़ कोई राजधानी रायपुर में पहली बार 35 दिवसीय चार महापुराण कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, आज 15 अप्रैल को रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में राधा रासबिहारी शरण महाराज द्वारा जानकारी दी गई कि चार महापुरानो कथा का आयोजन टिल्लू चौक लाखे नगर में 35 दिनों का 11 मई से 15 जून 2026 तक आयोजित किया जायेगा। इस आयोजन मे जजमान बनने के लिए भगतो को 2100 रूपये का शुल्क रखा गया है, यह आयोजन सनातन धर्म मे पितरो को पुण्य की प्राप्ति के लिए

आयोजन किया जाता है। कथा महोत्सव को सफल बनाने स्वेछा अनुसार दान व सहयोग की भी अपील की गई है, सनातनी धर्म प्रेमी द्वारा यह आयोजन कराया जा रहा है।

कथा कार्यक्रम शेड्यूल

11 मई 2026 को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी
12 मई से 20 मई तक श्रीमद देवी भागवत कथा होगा
21 मई से 28 मई तक श्री महापुराण कथा होगा
29 मई से 6 जून तक श्री रामचरित मानस कथा होगा
7 जून से 14 जून तक श्रीमद भागवत महापुराण कथा होगा
15 जून को महापूर्णाहुति महाप्रसादी रखा गया है...

राजस्व पखवाड़ा अंतर्गत 520 ग्रामों में लगे शिविर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में आमजनों की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु राजस्व पखवाड़ा का आयोजन इस माह 15 अप्रैल तक किया जाना है। इसी क्रम में यह अभियान 01 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया गया। जिसमें जिले के कुल 520 ग्रामों में शिविर लगाए गए, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराईं।

शिविरों में कुल 3849 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 3131 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही किया गया एवं 718 लंबित है। शिविरों में मुख्य रूप से नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न राजस्व संबंधी मामलों का निराकरण किया गया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा मौके पर ही दस्तावेजों की जांच कर समस्याओं का समाधान किया गया। राजस्व पखवाड़ा अंतर्गत जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण तथा पात्र हितग्राहियों को नामांतरण आदेश, सीमांकन पत्र, ऋण पुस्तिका, नक्शा प्रतिलिपि सहित अन्य आवश्यक राजस्व दस्तावेजों का वितरण किया गया। इसके अलावा ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी जा

रही है। शिविर में पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्व पखवाड़ा का आगामी आयोजन मई माह में 4 से 18 मई तक एवं जून में 1 से 15 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शेष लंबित आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने राजस्व अमले को निर्देश दिए कि वे आमजन से संवेदनशीलता के साथ संवाद करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करें तथा शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता एवं तत्परता बनाए रखें।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 16 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

समाज का हर वर्ग शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध -विधायक

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्ट्रेट स्थित शंकनी सभा कक्ष में शांति समिति की समीक्षा बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में विधायक चैतराम अटामी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने समाज प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि दंतेवाड़ा की वास्तविक शक्ति यहाँ की विविधता, आपसी भाईचारा और अटूट एकता में निहित है।

विधायक श्री अटामी ने सभी समाज प्रमुखों एवं जिम्मेदार नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति के प्रहरी के रूप में कार्य करें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी या अफवाहों पर विश्वास न करें और समाज को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस के प्रयासों की सराहना करते

हुए विश्वास व्यक्त किया कि समाज का हर वर्ग शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में उन्होंने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखते हुए कहा कि जिले में एक कोर कमेटी का गठन किया जाएगा, जिसमें सभी समाजों से दो-दो प्रतिनिधि तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के दो प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह समिति सामाजिक समरसता बनाए रखने, विवादों के समाधान और प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने विधायक के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि दंतेवाड़ा अपनी विशिष्ट संस्कृति और सामाजिक एकता के लिए जाना जाता है, जिसे बनाए रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने समाज प्रमुखों से अपील की कि वे युवाओं को सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक और उत्तेजक पोस्ट से दूर रखें तथा किसी भी विवाद की स्थिति में तत्काल प्रशासन से संपर्क कर समन्वय स्थापित करें। साथ ही कलेक्टर ने यह भी आश्वस्त किया कि शांति समिति की बैठक केवल निर्धारित अंतराल तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आवश्यकता अनुसार तीन माह से पहले भी बैठक आयोजित की जा सकती है, ताकि समय-समय पर संवाद और समन्वय बना रहे।

कानून-व्यवस्था के संबंध में पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने भी समाज प्रमुखों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर समस्या का समाधान नहीं हो रहा है, तो संबंधित अधिकारी से लेकर सीधे उनके पास भी अपनी बात रखी जा सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि सोशल मीडिया सेल के माध्यम से भ्रामक सूचनाओं पर कड़ी नजर रखी जा रही है और शांति भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान विभिन्न समाज, धर्म एवं संगठनों के प्रमुखों ने अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

50 सीटर पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास भवन का विधायक ने किया लोकार्पण

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बास्तानार ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़े किलेपाल में मंगलवार को शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई, जब 50 सीटर पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास भवन का लोकार्पण चित्रकोट विधायक विनायक गोयल के द्वारा संपन्न हुआ। इस छात्रावास भवन का निर्माण कार्य कुल लागत राशि 191.51 लाख रुपये से पूर्ण किया गया है। लोकार्पण समारोह के अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, स्थानीय ग्रामीणजन, अधिकारीगण एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं। विधायक श्री गोयल ने कहा कि शिक्षा ही समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है और विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस छात्रावास के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाली आदिवासी छात्राओं को सुरक्षित एवं सुविधायुक्त आवास उपलब्ध होगा, जिससे वे अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

उन्होंने आगे बताया कि राज्य

सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है और विशेष रूप से आदिवासी अंचलों में शिक्षा के विस्तार हेतु अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। यह छात्रावास उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा।छात्रावास भवन में छात्राओं के रहने, पढ़ने एवं अन्य आवश्यक गतिविधियों के लिए समुचित व्यवस्था की गई है।

इसमें सुसज्जित कमरे, अध्ययन कक्ष, भोजनालय, स्वच्छ पेयजल, शौचालय एवं सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं। इस प्रकार यह भवन छात्राओं के लिए न केवल एक आवासीय सुविधा है, बल्कि उनके समग्र विकास का केंद्र भी बनेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस छात्रावास के संचालन से क्षेत्र की कई छात्राओं को लाभ मिलेगा, जो पहले आवासीय सुविधा के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती थीं। अब वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी और अपने भविष्य को संवार सकेंगी।

स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए विधायक एवं शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि इस प्रकार की योजनाएँ ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने इस छात्रावास के सफल संचालन एवं छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह लोकार्पण न केवल एक भवन का उद्घाटन है, बल्कि यह क्षेत्र की बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने की दिशा में एक सशक्त पहल है।

अंबेडकर जयंती पर बम्हनी में विधिक जागरूकता शिविर

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रीगरी के निर्देशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय के नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर ग्राम पंचायत बम्हनी में विधिक जागरूकता शिविर हुआ।

कार्यक्रम में प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट, अधिकार मित्र पारेश्वर देवांगन, रंजन बैध, संदीप कुमार गुलशन कुमार नेताम, तिरथ कुमार मानिकपुरी के द्वारा प्रदत्त संविधानिक अधिकारों की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। साथ ही आम अधिकारों को विभिन्न कानूनों, शासन की योजनाओं तथा न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया के बारे में सरल एवं प्रभावी तरीके से जानकारी दी गई। शिविर के दौरान बाल अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण, तथा नि:शुल्क विधिक सहायता एवं महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया तथा महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने एवं किसी भी प्रकार के अन्याय के विरोध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

साथ ही बचों के अधिकारों एवं शिक्षा के महत्व पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, पंचगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. भीमराव अम्बेडर जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने, समाज में समानता, न्याय एवं भाईचारे को बढ़ावा देने तथा विधिक जागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया।

अग्नि सुरक्षा सप्ताह: जागरूकता रैली

नागरिकों को सुरक्षा के प्रति किया सचेत

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

महानिदेशक, निदेशक एवं डीआईजी नगर सेना मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार मंगलवार को नगर सेना कार्यालय जगदलपुर द्वारा अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के आयोजन हेतु कलेक्टर आकाश छिकारा से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की गई।

नगर सेना सेनानी संतोष मार्बल ने बताया कि यह रैली शहर के मुख्य मार्ग लालबाग मैदान से प्रारंभ होकर कोतवाली चौक, महावीर चौक, संजय मार्केट, चांदनी चौक, वीर सावरकर चौक, जमाल मील चौक एवं एयरपोर्ट चौक होते हुए फायर स्टेशन तक लगभग 3 किलोमीटर की दूरी तय की। रैली में कुल 238 फायर कर्मचारी, एसडीआरएफ जवान एवं नगर सैनिकों ने पैदल मार्च कर भाग लिया।

रैली की शुरुआत में शहीद हुए फायर अधिकारी एवं कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात आम नागरिकों, व्यापारी बंधुओं, स्कूल-कॉलेज, अस्पताल, होटल एवं दुकानदारों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।इस दौरान लोगों को अपने प्रतिष्ठानों एवं वाहनों में अग्निशामक यंत्र लगाने, कचरे में आग न लगाने, बिजली के खुले तारों को सुरक्षित रखने, जंगलों में महुआ बिनने के दौरान आग न लगाने तथा बिजली तारों के नीचे पैरावट का ढेर न रखने की अपील की गई।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने मनाई अंबेडकर जयंती

प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर किया नमन

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती राजीव भवन में सादगीपूर्ण मनाई गई। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य सहित कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही लालबाग स्थित तिरंगा चौंक चौराहे पर स्थित डॉ. अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई एवं उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने राजीव भवन में गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा- बाबा साहेब अंबेडकर जी ने देश को एक मजबूत संविधान प्रदान कर सामाजिक समरसता और समानता की नींव रखी, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों और भेदभाव का सामना किया, लेकिन अपने अटूट संकल्प और मेहनत के बल पर उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है। पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने कहा- बाबा

साहेब बीआर अंबेडकर ने न सिर्फ भारत को संविधान देकर एक महान लोकतंत्र की नींव रखी, बल्कि देश के करोड़ों दलितों और वंचितों की प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त किया। डॉ. बीआर अंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, दार्शनिक, लेखक, अर्थशास्त्री, न्यायविद्, बहु-भाषाविद्, धर्म दर्शन के विद्वान और एक समाज सुधारक थे, जिन्होंने भारत में छूआछूत और सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी, पूर्व सभापति कविता साहू, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद, हनुमान द्विवेदी, उदयनाथ जेम्स,ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यापानी, कोषाध्यक्ष रविशंकर तिवारी, उपाध्यक्ष वीरेंद्र परिहार, महामंत्री जाहिद हुसैन, सुनीता सिंह आदि मौजूद रहे।

सामाजिक सेवा के नए आयाम स्थापित कर रही प्रदेश माहेश्वरी सभा-सुरेश मूंदड़ा

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सुरेश मूंदड़ा के कुशल नेतृत्व में संगठन ने सामाजिक सेवा और सांगठनिक मजबूती के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है।

गंगा मैया एवं जलेश्वर महादेव की नगरी बालोद के माहेश्वरी भवन में आयोजित प्रदेश सभा की तृतीय कार्यकारी मंडल एवं पंचम कार्यसमिति की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए श्री मूंदड़ा ने स्पष्ट किया कि किसी भी संगठन की रीढ़ उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कहा कि सक्रिय पदाधिकारियों और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के बीच का बेजोड़ सामंजस्य ही वह शक्ति है, जिसने इस सत्र के सभी सामाजिक कार्यों को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुँचाया है। अध्यक्ष का मुख्य विजन संगठन के अंतिम छोर पर बैठे कार्यकर्ता को सीधे मन से जोड़ना रहा है, जिसमें वे काफी हद तक सफल रहे हैं।

सत्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए सुरेश मूंदड़ा ने बताया कि सेवा का दायरा केवल बैठकों तक सीमित न रहकर धरातल पर उतरा है। इसमें दुर्ग का परिचय सम्मेलन हो या चंपारण का शिवमहापुराण, रायपुर में महासभा की फ्लैगशिप योजनाओं का ऐतिहासिक शुभारंभ हो या

जगदलपुर में आयोजित रामकथा, हर आयोजन ने समाज को नई दिशा दी है।

विशेषकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में 5 जिलों में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन अभियान और मेडिकल सहायता जैसे कार्यों ने समाज के प्रति संगठन की संवेदनशीलता को उजागर किया है।

संगठन आपके द्वार अभियान के जरिए 14 स्थानों पर पहुंच बनाना और चित्रकूट व जोधपुर की यात्राओं के माध्यम से सांस्कृतिक चेतना जगाना श्री मूंदड़ा के कार्यकाल की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। संगठन को और अधिक ऊर्जावान बनाने के उद्देश्य से उन्होंने कार्यकारी मण्डल में राधेश्याम राठी, संतोष चाण्डक, धर्मेंद्र फाफट एवं जगदीश राठी के मनोनयन की घोषणा भी की।

बैठक की गरिमा तब और बढ़ गई जब इसमें सुदूर वनांचल क्षेत्रों जैसे सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा और गीदम सहित प्रदेश के 32 से अधिक क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ महेश वंदना के साथ हुआ, जिसके पश्चात बालोद सभा के अध्यक्ष स्वरूप राठी एवं राजनांदगांव जिला अध्यक्ष गोविंद मालानी ने आत्मीय स्वागत भाषण दिया। प्रदेश मंत्री नंदकिशोर राठी ने कुशलतापूर्वक कार्यवाही का संचालन करते हुए शोक प्रस्ताव एवं पूर्व बैठकों के कार्यों का अनुमोदन कराया।

वित्तीय पारदर्शिता को लेकर अर्थ मंत्री सी.ए. मनोज राठी ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया, वहीं बालकिशन झंवर, नरेंद्र लोहिया और शैलेंद्र करवा ने क्रमश: ट्रस्ट, मेडिकल वेलफेयर और जोधपुर महाकुंभ यात्रा की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

आगामी योजनाओं पर चर्चा करते हुए बताया गया कि 23 व 24 मई को डुंडा (रायपुर) में नवदिशा 2026 का भव्य आयोजन होगा, जो व्यवसाय, आध्यात्म और तकनीकी उत्कर्ष का एक अनूठा संगम बनेगा।

इस अवसर पर विभिन्न जिला सभाओं की रिपोर्ट श्रीकिशन सारडा, राजेन्द्र गाँधी, राजकुमार केला, अनिल चाण्डक एवं गगन लड्ढा ने रखी।

मंच पर उपाध्यक्ष डॉ. रमेश भट्टड़, रमेश केला सहित अजय सारडा, कमलकिशोर बियाणी, ओमप्रकाश टावरी एवं जगदीश चाण्डक की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अंत में संगठन मंत्री गजेंद्र चाण्डक ने आभार प्रदर्शन किया। राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुई इस बैठक में बालोद सभा के शानदार आतिथ्य की सभी सदस्यों ने सराहना की, जो समाज की एकजुटता और अपनत्व का जीवंत उदाहरण बना।

दादा नकुल देव ढीढी की जयंती हर्षोल्लास से मनी

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

मंत्री दादा नकुल देव ढीढी और जैज लाल राय की जयंती पर भव्य कार्यक्रम सतनाम भवन से. 6 भिलाई में 12 अप्रैल को हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस जयंती के पर्व पर मुख्य अतिथि गैदलाल राय पूर्व अध्यक्ष एवं अध्यक्षता बी.एल. कुर्रे व विशिष्ट अतिथि राजमहंत जवाहर लाल कौशल एवं कृष्णा पात्रे तथा फत्तूराम जोसी की उपस्थिति में यह कार्यक्रम प्रारभ किया गया।

कार्यक्रम के शुरुआत पवित्र गुरु गद्दी कि सामूहिक गुरुआरती व मंत्री दादा नकुलदेव ढीढी व जैजलाल राय की तैलचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर सभी सम्मानित अतिथियों द्वारा किया गया। सामाजिक समरसता के प्रतीक दादा नकुल देव ढीढी एवं समिति के पूर्व अध्यक्ष स्व. जैज लाल राय की जयंती गरिमामय वातावरण में मनाया गया।

मुख्य अतिथि गैदलाल राय ने कहा मंत्री दादा नकुल देव ढीढी गुरु घासीदास जयंती के जन्मदाता थे उनके द्वारा जयंती मनाने की परंपरा की शुरुआत की थी तथा महान दानवीर थे। उन्होंने जनहित के कार्यों के लिए अपनी डेढ़ सौ एकड़ जमीन दान में दे दी थी शोषित लोगों की रक्षा के लिए समता सैनिक दल का गठन किया था। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन बी.एल. कुर्रे द्वारा स्व: जैजलाल राय जीवन सादगी पूर्ण समाज सेवा समर्पण के भाव हमेशा रहे अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में सतनाम भवन की नींव रखी तथा आज इस विशाल सतनाम भवन उनके अथक परिश्रम त्याग तपस्या का फल स्वरुप यह विशाल सतनाम भवन की छवि पूरे छत्तीसगढ़ में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में नहीं है।

इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी गण उर्मिला भास्कर उपाध्यक्ष, आर.सी. देश लहरा कोषाध्यक्ष दिवाकर गायकवाड़, टेकराम बंजारे सचिव एस.आर. नौरंगे, रूपेश बारले, त्रिलोचन डेहरे, शंभू डहरिया,सतीश डहरे, किशोर भारद्वाज ,मनबोधी कुर्रे, सागर टंडन, योगेश्वर चतुर्वेदी, नोहर सिंह कुर्रे, कैलाश चतुर्वेदी, बिसाहू राम बघेल, भामनी बंजारे, उषा देश लहरा, शीतल चेलक, सरस्वती जांगड़े, रामजी गायकवाड़, भागवत बंजारे, जे.आर. सोनवानी,टी. आर. कोसरिया, शांतिलाल मिर्चे, आर.आर. टांडिया,सरयू प्रसाद बारले, नंद कुमार खरे, पवन कोसले, व सैकड़ों सामाजिक गण की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र महिलांग तथा कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन एन. आर. गिलहरे ने किया।

कलेक्टर की पहल रंग लाई-डूबान क्षेत्रों में न्याय सेवाएं हुई सुलभ

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

धमतरी जिले के डूबान प्रभावित दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों को राजस्व संबंधी कार्यों के त्वरित एवं सुलभ निराकरण की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में विकासखंड नगरी (तहसील बेलरगांव) के ग्राम पंचायत बोरई में लिंक कोर्ट का शुभारंभ किया गया। यह लिंक कोर्ट अब प्रत्येक शुक्रवार को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को अपने ही क्षेत्र में न्यायिक सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

आज आयोजित प्रथम लिंक कोर्ट में खाता बटवारे से संबंधित तीन प्रकरण प्रस्तुत हुए, जिनकी सुनवाई प्रारंभ की गई। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी, रीडर, सरपंच, कोटवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे उनके लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व गुरुवार को विकासखंड धमतरी (तहसील धमतरी) के ग्राम अकलाडोंगरी में भी लिंक कोर्ट की शुरुआत की गई है। जिले के विभिन्न डूबान प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में इस व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है, जिससे राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि, जिले के दूरस्थ और डूबान प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को न्याय के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। लिंक कोर्ट की यह व्यवस्था शासन की मंशा के अनुरूप है, जिससे राजस्व प्रकरणों का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निराकरण संभव होगा। भविष्य में इसे अन्य क्षेत्रों में भी विस्तारित किया जाएगा। यह पहल न केवल प्रशासन और ग्रामीणों के बीच विश्वास को सुदृढ़ करेगी, बल्कि न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित कर ग्रामीणों के जीवन को भी सरल बनाएगी।

शहर में पानी की समस्या दूर करने लगातार प्रयास-महापौर

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 58 स्थित आईएचएसडीपी उरला के 80 एवं 81 नंबर ब्लॉक में लंबे समय से लो प्रेशर के कारण उत्पन्न पेयजल संकट को लेकर निगम प्रशासन सक्रिय हो गया है। नगर निगम महापौर अल्का बाघमार के मार्गदर्शन में शहर में पानी की समस्या दूर करने लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में जल कार्य विभाग प्रभारी लीना दिनेश देवांगन ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र का निरीक्षण किया और जल आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गर्मी के दिनों में बढ़ती पानी की खपत तथा सिकोला टंकी से सप्लाई लाइन की दूरी के कारण पानी का प्रेशर कम हो रहा है, जिससे घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच

पा रहा है और रहवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जल कार्य प्रभारी ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को प्रतिदिन पानी के टैंकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। साथ ही उन्होंने हैंडपंपों के जल स्तर की जांच कर बोरलाइन से पानी उपलब्ध कराने जैसी वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर भी कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 58 की पार्षद रेशमा सोनकर भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर जल कार्य प्रभारी ने क्षेत्र की महिलाओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि जल संकट के स्थायी समाधान के लिए निगम प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। इसके तहत क्षेत्र में स्थित हैंडपंपों की जांच कर उनमें मोटर पंप लगाने तथा प्रत्येक क्वार्टर में सार्वजनिक नल के माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने की योजना पर भी विचार किया गया। आने वाले समय में इन उपायों को लागू कर क्षेत्रवासियों को नियमित जल आपूर्ति उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 16 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सैमसन का बैट छूटा, त्यागी की बॉल पर बोल्ड हुए

रघुवंशी-रहाणे के कैच ड्रॉप, नूर के 3 विकेट से पलटा मैच

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 के 22वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 32 रन से हरा दिया। चेपॉक स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में कई अहम मोमेंट्स रहे। संजू सैमसन ने तेज शुरुआत की, लेकिन उनका बैट छूटा और बाद में कार्तिक त्यागी की गेंद पर बोल्ड हो गए। मैच में अंगकृष रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे के आसान कैच छूटे और उन्हें जीवनदान मिला। नूर अहमद ने 3 विकेट लेकर मैच का रुख चेन्नई की ओर मोड़ दिया।

संजू ने पहली 3 बॉल पर तीन चौके लगाए

संजू सैमसन ने सीएसके की पारी के पहले ओवर में वैभव अरोरा की बॉल पर लगातार 3 चौके लगाए। उन्होंने पहली, दूसरी और तीसरी बॉल बाउंड्री के बाहर भेजी।

सैमसन का बैट छूटा

8वें ओवर की 5वीं गेंद पर वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर संजू सैमसन का बैट हाथ से छूट गया। पुल शॉट में पसीने से बैट फिसलकर मिड-विकेट की ओर गया। बॉल लॉन्ग ऑन की तरफ गई और बल्लेबाजों ने एक रन लिया।

कार्तिक की 148 किमी/घंटा रफ्तार की गेंद पर संजू बोल्ड

11.2 ओवर में कार्तिक त्यागी ने संजू सैमसन को 48 रन पर बोल्ड कर दिया। 148 किमी/घंटा की बॉल लेंथ पर पड़ी और अंदर आई। सैमसन बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन कनेक्ट नहीं कर सके और स्टंप्स बिखर गए।

ऋतुराज से नरेन का कैच छूटा

चौथे ओवर की दूसरी बॉल पर ऋतुराज गायकवाड से सुनील नरेन का कैच छूट गया। नरेन ने अंशुल कम्बोज की बॉल मिड ऑफ में खेली, लेकिन गायकवाड आसान कैच नहीं पकड़ सके। नरेन 24 रन बनाकर कैच आउट हुए।

ब्रेविस ने रघुवंशी का कैच छोड़ा, सिक्स मिला

7.3 ओवर में अकील हुसैन की गेंद पर अंगकृष रघुवंशी ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही। लॉन्ग-ऑन पर डेवाल्ड ब्रेविस कैच के लिए दौड़े, लेकिन गेंद हाथ से लगकर बाउंड्री पार गई और सिक्स मिला।

सरफराज ने रहाणे को जीवनदान दिया

9.2 ओवर में अकील की गेंद पर अजिंक्य रहाणे का कैच सरफराज खान ने छोड़ दिया। डीप मिड-विकेट से दौड़ते हुए सरफराज ने दोनों हाथों से कोशिश की, लेकिन गेंद छूट गई और रहाणे को जीवनदान मिला।

नूर अहमद के 3 विकेट ने पलटा मैच

नूर अहमद ने दो ओवर में 3 विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने 11वें ओवर की लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लिए। 5वीं गेंद पर अजिंक्य रहाणे एक्स्ट्रा कवर पर ऋतुराज गायकवाड़ के हाथों कैच आउट हुए। इसके साथ नूर ने आईपीएल में अपने 50 विकेट पूरे किए। अगली ही गेंद पर कैमरन ग्रीन बिना खाता खोले बोल्ड हो गए। इसके बाद 13वें ओवर की आखिरी बॉल पर रिंकू सिंह बड़ा शॉट खेलते हुए शिवम दुबे के हाथों कैच आउट हो गए।

बार्सिलोना चैंपियंस लीग से बाहर हुई

एटलेटिको मैड्रिड ने 3-2 के एग्रीगेट स्कोर से हराया

नई दिल्ली। चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल के दूसरे लेग में बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को 2-1 से हराया, लेकिन कुल स्कोर 3-2 रहने से टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पहले लेग में एटलेटिको ने 2-0 की जीत हासिल की थी, जो आखिर में निर्णायक साबित हुई। इस जीत की बदौलत वह एग्रीगेट स्कोर पर 3-2 से आगे रही। एटलेटिको मैड्रिड 2017 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। अब अगले दौर में उनका मुकाबला आर्सेनल या स्पोर्टिंग लिस्बन में से किसी एक से होगा।

शुरुआती 24 मिनट में बार्सिलोना ने बनाए दो गोल : मैच के शुरुआती 24 मिनटों में ही बार्सिलोना ने दो गोल कर बढ़त बना ली थी। चौथे मिनट में ही युवा खिलाड़ी लेमिन यमल ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। उन्होंने एटलेटिको के डिफेंडर क्लेमेंट लेंगलेट की गलती का फायदा उठाया। इसके बाद 24वें मिनट में फेरान टॉरेस ने दानी ओल्मो के पास पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। एक समय ऐसा लग रहा था कि बार्सिलोना आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, लेकिन एटलेटिको मैड्रिड ने हार नहीं मानी और मैच में वापसी की।

एडमोला लुकमैन का गोल टर्निंग पॉइंट बना : मैच का सबसे अहम मोड़ 31वें मिनट में आया। मार्कोस लोरेंटे के पास पर एडमोला लुकमैन ने एटलेटिको के लिए गोल किया। यह गोल एग्रीगेट स्कोर के लिहाज से निर्णायक साबित हुआ।

दूसरे हाफ में मौके, लेकिन किस्मत नहीं : दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने एक और गोल किया, लेकिन फेरान टोरेस का यह गोल ऑफसाइड करार दे दिया गया। गोलकीपर जोन गार्सिया ने भी एक अहम बचाव किया। मैच के दौरान गावी और माटेओ रुगिएरी के बीच टक्कर में रुगिएरी को चोट लगी और खेल कुछ देर रुका।

रेड कार्ड और सब्स्टिट्यूशन पर बहस : बार्सिलोना के कोच हंसी फ्लिक के फैसलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने अनुभवी रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और मार्कस रैशफोर्ड को बेंच पर बिठाकर फेरान टॉरेस और गावी के साथ शुरुआत की।मैच के आखिरी पलों में डिफेंडर एरिक गार्सिया को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

उन्होंने गोल की तरफ बढ़ रहे अलेक्जेंडर सोरलॉथ को गलत तरीके से गिराया था। 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई बार्सिलोना अंत तक तीसरा गोल नहीं कर सकी।

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना

चेन्नई के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते कार्रवाई

चेन्नई। आईपीएल 2026 के 22वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर स्लोओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया गया है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मैच के दौरान कोलकाता की टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाई थी। आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के कारण बीसीसीआई ने कप्तान पर यह एक्शन लिया है।

केकेआर का सीजन का यह पहला स्लोओवर रेट है

मैच के बाद जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक,आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह कोलकाता नाइट राइडर्स का इस सीजन का पहला अपराध था। नियमों के अनुसार, सीजन की पहली गलती होने के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर केवल 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया। अगर टीम दोबारा ऐसी गलती करती है, तो जुर्माने की रकम बढ़ जाएगी और टीम के अन्य खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का जुर्माना लग सकता है।

क्या है स्लो ओवर रेट का नियम?

आईपीएल के नियमों के अनुसार, हर टीम को 20 ओवर फेंकने के लिए एक निश्चित समय (डेढ़ घंटा या 90 मिनट, जिसमें रणनीतिक ब्रेक शामिल हैं) दिया जाता है। अगर पारी खत्म होने तक टीम निर्धारित समय से पीछे रहती है, तो इसे 'स्लो ओवर रेट' माना जाता है। फील्ड पर मौजूद अंपायर और मैच रेफरी इसकी मॉनिटरिंग करते हैं। कप्तान की जिम्मेदारी होती है कि वह खेल की रफ्तार बनाए रखे।

अगली गलती पर लग सकता है बैन

आईपीएल नियमों के मुताबिक, अगर रहाणे की टीम सीजन में दूसरी बार स्लो ओवर रेट की गलती करती है, तो कप्तान पर 24 लाख रुपये और टीम के बाकी सदस्यों पर मैच फीस का 25% या 6 लाख रुपये (जो भी कम हो) जुर्माना लगेगा।

म्हात्रे स्पेशल हैं, खुद के प्रति सच्चे रहें और हर हाल में ऐसे ही खेलें : डेवाल्ड ब्रेविस

चेन्नई। आईपीएल 2026 में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेले गए मुकाबले में सीएसके के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने अपनी चमक बिखेरी। म्हात्रे की तूफानी पारी टीम की जीत में अहम रही। मैच के बाद सीएसके के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने म्हात्रे की प्रशंसा की। जियोहॉटस्टार के कार्यक्रम 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर जियोस्टार एक्सपर्ट रविचंद्रन अश्विन और डेल स्टेन के साथ बात करते हुए डेवाल्ड ब्रेविस ने आयुष म्हात्रे के बारे में कहा, 'म्हात्रे खास हैं। वह युवा हैं और जिस तरह से खेलते हैं, वैसे ही खेलते रहें। मेरी उनसे यही इच्छा है कि वह खुद के प्रति सच्चे रहें, अपने खेल का आनंद लें, और चाहे कुछ भी हो, अपने खेल में बदलाव न करें। करियर में उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन यह देखना शानदार है कि वह कैसे खेलते हैं। वह असल में बॉल-बाय-बॉल खेलते हैं, रिएक्ट करते हैं, और उसे वहीं मारते हैं जहां उसे जाना चाहिए।' आयुष म्हात्रे ने केकेआर के खिलाफ हुए मुकाबले में 17 गेंदों पर 2 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 38 रन की पारी खेली थी। उनकी इस पारी की बदौलत सीएसके 192 तक पहुंच सकी और केकेआर को 160 पर रोक कर 32 रन से जीत हासिल की। डेवाल्ड ब्रेविस ने भी 29 गेंदों पर 41 रन की पारी खेली थी। आयुष सीएसके के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आते हैं और अपनी तूफानी बल्लेबाजी से टीम की रन गति को बनाए रखने या तेज करने में अहम भूमिका निभाते हैं। आयुष 5 मैचों की 5 पारियों में 2 अर्धशतक लगाते हुए 171 रन बना चुके हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 73 रन है। म्हात्रे की विस्फोटक बल्लेबाजी को देखते हुए क्रिकेट विशेषज्ञों ने कई बार यह मांग उठाई है कि वे संजू सैमसन के साथ टीम के लिए पारी की शुरुआत करें और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आएं। गायकवाड़ अब तक इस सीजन में अपनी प्रतिष्ठा के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं।

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैचों में हुआ बदलाव

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। गुजरात और सीएसके के बीच 26 अप्रैल को अहमदाबाद में होने वाला मैच अब इसी तारीख को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। वहीं सीएसकेके और गुजरात के बीच होने वाला दूसरा मैच जो 21 मई, 2026 की शाम को चेन्नई में खेला जाना है। उसे इसी दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच शाम 7:30 बजे से शुरु होगा। दोनों ही मैचों के कार्यक्रम में केवल स्थलों में बदलाव किय गया है। तारीख वहीं रखी गयी है। इस बदलाव का कारण अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। आईपीएल में अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दोनो ही टीमों की शुरुआत बहुत ही खराब हुई है। सीएसके को लगातार तीन मैचों में मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली सफलता मिली. सीएसके के इस सीजन में चार मैचों में सिर्फ 2 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस भी खराब दौर से गुजर रही है। अपने डेब्यू सत्र में ही विजेतार रही गुजरात इस बार चार मैचों में सिर्फ 2 में जीत सकी है।

धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उपयोग करे सीएसके : मैक्लेनेघन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मिशेल मैक्लेनेघन ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी का फिट होना चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के लिए राहत की बात है पर उनका उपयोग सावधानी से करना होगा। मैक्लेनेघन ने कहा है कि धोनी को इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया जाना चाहिये। जिससे उन्हें अधिक दौड़-भाग न करनी पड़े। धोनी ने नेट्स में बल्लेबाजी शुरु कर दी है। उन्होंने हालांकि थ्रोडाउन गेंदों का ही सामना किया। वह अभी पूरी रफ्तार से बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं। मैक्लेनेघन ने कहा, अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम में उतारना चाहिये। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें धोनी से तेजी से कुछ रन चाहिए, खासकर जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर लाने से वे उनकी बल्लेबाजी क्षमता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें ज्यादा दौड़-भाग करने की जरूरत नहीं रहेगी। धोनी सीएसके के लिए इस सत्र में अबतक नहीं उतरे पाये हैं। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर वह कुछ ही ओवरों में मैच बदल सकते हैं। बड़े स्कोर का पीछा करते समय सीएसकेके लिए उनकी आक्रामक बल्लेबाजी क्षमता लाभप्रद रहेगी।

सरिता मोर : एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता को ओलंपिक में खेलने का इंतजार

नई दिल्ली। भारतीय महिला कुश्ती में सरिता मोर का नाम काफी लोकप्रिय है। सरिता फ्रीस्टाइल पहलवान हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। सरिता मोर का जन्म 16 अप्रैल 1995 को हरियाणा के सोनीपत जिले में हुआ था। इस जिले से कई पहलवान निकले हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना नाम बनाया है। इसका प्रभाव सरिता मोर पर भी पड़ा और उन्होंने कुश्ती में अपना करियर बनाने का निश्चय किया। हालांकि बचपन में वह कबड्डी की भी बहुत अच्छी खिलाड़ी थीं, लेकिन कुश्ती के प्रति प्रेम और कड़ी मेहनत ने उन्हें इस खेल में बड़ी सफलता दिलायी। 2014 में सीनियर स्तर पर उन्होंने डेब्यू किया था और अगले वर्षों में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर लोगों का ध्यान अपनी ओर

आकर्षित किया। प्रसिद्ध फोगाट बहनों और ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक की उपस्थिति के बीच, सरिता मोर को भारतीय महिला कुश्ती में अपनी जगह बनाने के लिए काफी कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। सरिता ने ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने की पूरी कोशिश की है, लेकिन अभी तक उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका है। सरिता का पसंदीदा भार वर्ग 59 किग्रा है, जो ओलंपिक में मान्य नहीं है।

दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने लिया संन्यास, टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में जीता था गोल्ड

नई दिल्ली। दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक जीत चुके विक्टर एक्सेलसन बुधवार को 32 साल की उम्र में प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी। एक्सेलसन ने पीठ की समस्या की वजह से संन्यास का ऐलान किया है। पीठ की समस्या की वजह से वह इस साल की शुरुआत में इंडिया ओपन और जर्मन ओपन में खिताब जीतने के बाद कोर्ट से बाहर रहे थे। एक्सेलसन ने बैडमिंटन यूरोप से बात करते हुआ कहा, 'लगातार पीठ की दिक्कतों, सर्जरी के बाद ठीक न हो पाने और बार-बार होने वाले दर्द की वजह से वह जरूरी स्तर पर ट्रेनिंग या मुकाबला नहीं कर पा रहे थे। इस वजह से उन्हें संन्यास लेने का मुश्किल फैसला लेना पड़ा। ' उन्होंने कहा,

'अधिकांश लोग जानते हैं कि मैं पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में मेरी सर्जरी हुई थी और मैं लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरा था। अक्टूबर में मुझे एक झटका लगा। उन टूर्नामेंट के बाद से, मैं जरूरी स्तर पर खेल या ट्रेनिंग नहीं कर पाया हूं। दर्द की वजह से मैं खेल या ट्रेनिंग नहीं कर पाया हूं। ' विक्टर एक्सेलसन ने 2010 में प्रोफेशनल डेब्यू किया था। उसके बाद से, सुदीरमन कप को छोड़कर, उन्होंने टीम और व्यक्तिगत इवेंट्स में वर्ल्ड टूर सुपर 1000 लेवल या उससे ऊपर के सभी बड़े खिताब कम से कम एक बार जीते हैं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप दो बार (2017 और 2022) जीतने वाले सिर्फ दूसरे नॉन-एशियन खिलाड़ी हैं। वह ओलंपिक इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। रियो ओलंपिक 2016 में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। वह तीन बार यूरोपियन चैंपियन रहे हैं और थॉमस कप भी जीत चुके हैं। एक्सेलसन ने कहा कि संन्यास का फैसला उस डॉक्टर से सलाह के बाद लिया जिन्होंने मेरा ऑपरेशन किया था।

उनका कहना है कि अभी मुझे जो दर्द हो रहा है, उसके लिए शायद एक और सर्जरी की ज़रूरत पड़ सकती है, और अगर वह ठीक नहीं हुई, तो आगे और भी परेशानी हो सकती है। इसलिए मेरा शरीर मुझे रुकने के लिए कह रहा है।

ऋतुराज गायकवाड़ को सैमसन और म्हात्रे की तरह सही शॉट का चयन करना होगा : रविचंद्रन अश्विन

चेन्नई। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने घरेलू मैदान चेपॉक स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 32 रन से हरा दिया। सीएसके की सीजन में यह लगातार दूसरी जीत है। इस जीत ने बतौर कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को राहत दी होगी। टीम की शुरुआती मैचों में हार के बाद उनकी कप्तानी पर सवाल उठने लगे थे। केकेआर पर जीत के बाद सीएसके निश्चित रूप से अंकतालिका में आठवें स्थान पर चली गई है। दसवें स्थान से आठवें स्थान पर जाना सीएसके और कप्तान गायकवाड़ के लिए निश्चित रूप से संतोषजनक है, लेकिन गायकवाड़ बतौर

बल्लेबाज अब भी टीम के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। केकेआर के खिलाफ भी गायकवाड़ 6 गेंदों पर 7 रन बना सके थे। जिटोस्टार एक्सपर्ट रविचंद्रन अश्विन ने गायकवाड़ की बल्लेबाजी की समीक्षा करते हुए थोड़े बदलाव की सलाह दी। जियोहॉस्टार के कार्यक्रम 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर अश्विन ने कहा, 'एक कप्तान के तौर पर उन्हें कुछ जीत मिली हैं। इससे टूर्नामेंट में टीम को आसानी होनी चाहिए। सच कहूं तो, अगर मैं डगआउट में बैठा होता या ऋतुराज गायकवाड़ होता, तो मुझे ज्यादा परेशानी नहीं होती। टी20 एक ऐसा गेम है जहां आपको लगातार इंटेंट दिखाना होता है। बस मैं एक बात कहना चाहूंगा कि अगर आप आयुष म्हात्रे या संजू सैमसन को देखें, तो उन्होंने मैदान में सही विकल्प चुने। ऋतुराज थोड़ा लाइन के पार जा रहे हैं और जल्दी कैच आउट हो रहे हैं। अगर वह अपनी पारी की शुरुआत में थोड़ा आराम से खेलते, गेंद को टाइम करते, और ज्यादा डाउन ग्राउंड खेलते तो यह उनके लिए अच्छा होता। ' गायकवाड़ की खराब फॉर्म की वजह से सीएसके को लगभग हर मैच कमजोर शुरुआत मिली है।

संजू सैमसन के शतक ने बदला सीएसके कैंप का माहौल : डेल स्टेन

चेन्नई। आईपीएल 2026 की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स के लिए निराशाजनक रही थी। टीम को लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। लगातार तीन हार के बाद सीएसके के प्रदर्शन में सुधार आया है। टीम ने सीजन का अपना चौथा और पांचवां मुकाबला जीता है और अंकतालिका में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) से ऊपर चली गई है।

सीएसके के प्रदर्शन में हुए इस सुधार का श्रेय दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लगाए गए शतक को दिया है। जियोहॉटस्टार के 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर स्टेन ने कहा, 'सीएसके में आया यह बदलाव संजू सैमसन के लगाए शतक के साथ शुरू हुआ था। सैमसन का शतक आता है, ओवरटन को कुछ विकेट मिलते हैं, और टीम जीत जाती है। यहां से टीम के सकारात्मक बदलाव आए। आईपीएल मैच जीतना सच में मुश्किल है।

कभी-कभी आसान जीत मिलती है, तो कभी-कभी जीती हुई बाजी हम हार जाते हैं। इसलिए एक बार जब आप एक मैच जीतते हैं, तो टीम के अंदर आत्मविश्वास बढ़ जाता है। आप खुद को ऐसी चीजें करते हुए पाते हैं जो तीन दिन पहले आप करने में सक्षम नहीं थे। इसलिए सैमसन निश्चित रूप से इसे लीड कर रहे हैं। गायकवाड़ भी अच्छा करेंगे, वह एक शानदार बल्लेबाज हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 16 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

अमेजन फैशन ने इस अक्षय तृतीया हर मौके के लिए एआई आधारित ज्वेलरी विकल्प पेश किए

बेंगलुरु। अक्षय तृतीया भारत में ज्वेलरी खरीदारी के सबसे महत्वपूर्ण अवसरों में से एक बना हुआ है, जो सोने और चांदी की परंपरागत आकर्षण से जुड़ा है। इस वर्ष, अमेजन फैशन ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पारंपरिक निवेश जैसे गोल्ड कॉइन्स से लेकर रोजाना पहनने वाली फाइन ज्वेलरी तक का व्यापक विकल्प पेश कर रहा है। टेक्नोलॉजी आधारित नवाचार, एआई-पावर्ड डिस्कवरी टूल्स और जॉयलुक्कास पीसी चंद्रा ज्वेलर्स, मिया बाय तनिष्क्, गिवा और पीएनजी ज्वेलर्स जैसे भरोसेमंद ब्रांड्स के साथ, अमेजन फैशन ग्राहकों के लिए ऐसी ज्वेलरी ढूंढना और खरीदना आसान बना रहा है जो परंपरा और आधुनिक फैशन ट्रेंड्स दोनों को दर्शाती है। अक्षय तृतीया पर ज्वेलरी खरीदारी को आसान बनाने के लिए, अमेजन फैशन एआई-पावर्ड डिस्कवरी टूल्स प्रदान करता है, जिससे ग्राहक कुछ ही सेकंड में अपनी पसंद का कार्ट तैयार कर सकते हैं। रुफस के साथ, अमेजन का एआई शॉपिंग असिस्टेंट, सरल बातचीत के जरिए पर्सनलाइज़्ड सुझाव देता है, जैसे 'मुझे यलो गोल्ड स्टड इयररिंग्स दिखाओ' या '15000- 17000 रुपये की रेंज में लैब-ग्रोवन डायमंड पेंडेंट्स'। रुफस 30 से 90 दिनों का प्राइस हिस्ट्री ट्रैकर भी उपलब्ध कराता है, जिससे ग्राहक प्रोडक्ट डिटेल पेज पर 'प्राइस हिस्ट्री' विकल्प पर क्लिक करके बेहतर खरीदारी निर्णय ले सकते हैं। आप यह भी पूछ सकते हैं, 'क्या यह आइटम पिछले 30 दिनों में कभी सेल पर रहा है?' या 'प्राइस हिस्ट्री क्या है?' और रुफस आपको मौजूदा कीमत, हाल की सबसे अधिक और सबसे कम कीमत जैसी जानकारी देगा, जिससे आप समझ सकें कि आपको सबसे अच्छी डील मिल रही है या नहीं। आप रुफस से यह भी कह सकते हैं कि वह कीमत पर नियमित नजर रखे, अलर्ट दे या जब प्रोडक्ट आपकी तय कीमत पर पहुंच जाए तो आपके डिफ़ॉल्ट पेमेंट मेथड से खरीदारी पूरी कर दे। जैसे- 'जब इस पेंडेंट की कीमत 10,999 रुपये हो जाए, तो उसके लिए प्राइस अलर्ट सेट करें,' या 'जब इस ज्वेलरी सेट की कीमत 25,000 रुपये या उससे कम हो जाए, तब इसे खरीद लें।' डिस्कवरी अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए, ग्राहक ऐसी टेक्नोलॉजी-आधारित सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं, जो ज्वेलरी शॉपिंग को अधिक सहज और पर्सनलाइज्ड बनाती हैं। वर्चुअल ज्वेलरी ट्राय-ऑन जैसे फीचर्स ग्राहकों को खरीदारी से पहले खुद पर ज्वेलरी को देखकर उसका अंदाजा लगाने की सुविधा देते हैं, वहीं रिंग साइजिंग टेक्नोलॉजी उन्हें घर बैठे अपनी अंगूठी का सही साइज तय करने में मदद करती है।

देश का निर्यात मार्च महीने में 7.44 फीसदी घटकर 38.92 अरब डॉलर पर रहा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच देश का वस्तु निर्यात मार्च महीने में 7.44 फीसदी घटकर 38.92 अरब डॉलर रहा है। आयात भी 6.51 फीसदी घटकर 59.59 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान देश का व्यापार घाटा 20.67 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे प्रमुख व्यापार मार्ग बाधित होने की वजह से आयात और निर्यात में कमी आई है। देश का वस्तु निर्यात मार्च में 7.44 फीसदी घटकर 38.92 अरब डॉलर रहा है। इस अवधि में आयात भी 6.51 फीसदी घटकर 59.59 अरब डॉलर रह गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 63.75 अरब डॉलर था। मार्च के दौरान देश का व्यापार घाटा 20.67 अरब डॉलर रहा। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का निर्यात क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 4.22 फीसदी बढ़कर 860 अरब डॉलर रहा।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने मुंबई में 1,000 मेगावाट के पावर लिंक का शुभारंभ किया, क्लीन एनर्जी सप्लाई बढ़ाने के दिशा में उठाया अहम कदम

मुंबई। मुंबई और पूरे मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में बिजली व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एईएसएल), जो अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) की सहायक कंपनी है, ने कुदुस और आरे के बीच 1,000 मेगावाट (एमडब्ल्यू) क्षमता की हाई-वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) ट्रांसमिशन लाइन शुरू कर दी है। यह प्रोजेक्ट 30 किलोमीटर लंबी ओवरहेड लाइन और 50 किलोमीटर लंबा अंडरग्राउंड कॉरिडोर मिलाकर बनाया गया है। इसे खास तौर पर घनी आबादी वाले शहरी इलाके की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसके

साथ ही, इस प्रोजेक्ट में दुनिया का पहला कॉम्पैक्ट एचवीडीसी सबस्टेशन भी शामिल है, जो ऐसे भीड़भाड़ वाले शहरों के लिए बेहद उपयुक्त है। अक्टूबर 2020 में हुए मुंबई ब्लैकआउट के बाद, जब शहर की बिजली व्यवस्था की कमजोरियां सामने आई थीं, उसी के बाद इस प्रोजेक्ट की योजना बनाई गई। यह प्रोजेक्ट बिजली ग्रिड को और ज्यादा मजबूत और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य मुंबई और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) को शहर के बाहर से ज्यादा बिजली प्राप्त करने में सक्षम बनाना है, जिसमें अन्य क्षेत्रों में बनने वाली रिन्यूएबल ऊर्जा भी शामिल है। हालांकि मुंबई पहले से ही नेशनल ग्रिड से जुड़ा हुआ है, लेकिन यह एचवीडीसी लिंक उस कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाता है। इससे बिजली का प्रवाह, खासकर रिन्यूएबल ऊर्जा को जोड़ने के लिए ज्यादा नियंत्रित, अधिक प्रभावी और ज्यादा क्षमता के साथ हो पाता है। भारत के सबसे ज्यादा बिजली खपत वाले शहरी क्षेत्रों में से एक मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के लिए यह प्रोजेक्ट बिजली सप्लाई के तरीके में एक बड़ा बदलाव दर्शाता है। इस अतिरिक्त 1,000 मेगावाट क्षमता से शहर के अंदर बनने वाली बिजली पर निर्भरता कम होगी, बिजली ग्रिड और मजबूत बनेगा और बड़े स्तर पर आउटेज का खतरा भी कम होगा। यह विकास अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के उस बड़े लक्ष्य को दिखाता है, जिसमें वह भारत की बढ़ती रिन्यूएबल ऊर्जा क्षमता को सपोर्ट करने के लिए आधुनिक ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है। जैसे-जैसे शहरों में बिजली की मांग बढ़ रही है, वैसे-वैसे दूर-दराज इलाकों में बनने वाली साफ ऊर्जा को शहरों के ग्रिड से जोड़ना बहुत जरूरी होता जा रहा है। इससे विकास को बनाए रखने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य को भी पूरा किया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट में वोल्टेज सोर्स को वेटर (वीएससी) आधारित एचवीडीसी तकनीक का उपयोग किया गया है। यह तकनीक बिजली के प्रवाह को तेज़ और ज्यादा सटीक तरीके से नियंत्रित करने में मदद करती है, जिससे वोल्टेज स्थिर रहता है और पूरी ग्रिड अधिक भरोसेमंद बनती है। खास तौर पर, जहां जगह कम होती है जैसे घनी आबादी वाले शहरों में, वहां यह तकनीक और भी ज्यादा प्रभावी साबित होती है। यह तकनीक कई महत्वपूर्ण संचालन संबंधी फायदे प्रदान करती है, जैसे जरूरत के अनुसार वोल्टेज को तुरंत स्थिर बनाए रखने की क्षमता, लंबी दूरी तक बिजली भेजने में होने वाले नुकसान को कम करना, और ब्लैक-स्टार्ट सुविधा, जिसके माध्यम से पूरी तरह से बिजली जाने की स्थिति में बिना किसी बाहरी स्रोत के भी सिस्टम को दोबारा शुरू किया जा सकता है। इन सभी विशेषताओं के कारण बिजली कटौती के समय तेजी से बहाली संभव होती है और पूरी बिजली व्यवस्था अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनती है।

Ai+ Smartphone नोवा 2 की बिक्री फ्लिपकार्ट पर शुरू

Ai+ Smartphone ने अपनी नई नोवा सीरीज के अंतर्गत अपने नवीनतम डिवाइस नोवा 2 की बिक्री शुरू करने की घोषणा की है। रोजमर्रा की भरोसेमंद उपयोगिता और आकर्षक व्यक्तिगत शैली को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया नोवा 2, 14 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से विशेष रूप से फ्लिपकार्ट और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा। Ai+ नोवा 2 की कीमत इस प्रकार है:-

4GB + 64GB -8,999

6GB + 128GB -10,999

माधव शेठ, सी.ई.ओ, Ai+ स्मार्टफोन और संस्थापक, NxtQuantum शिफ्ट टेक्नोलॉजीज ने कहा, 'नोवा सीरीज हमारेलिए अब तक का सबसे सशक्त प्रदर्शन है, जो दर्शाता है कि Ai+ क्या प्रतिनिधित्व करता है - ऐसी तकनीक जो सुलभ, भरोसेमंद और रोजमर्रा के उपयोग के लिए बनाई गई है। नोवा 2 के साथ हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जो उपयोगकर्ता पहली बार अपग्रेड कर रहे हैं या Ai+ में स्विच कर रहे हैं, उन्हें बिना किसी समझौते के उनकी सभी जरूरतें पूरी हों। हम 14 अप्रैल को बिक्री शुरू करने के लिए उत्साहित हैं और अधिक उपयोगकर्ताओं को Ai+ इकोसिस्टम से जोड़ना चाहते हैं।'

दिनभर साथ निभाने वाला प्रदर्शन : नोवा 2 में 6000mAh की बैटरी दी गई है, जो पूरे दिन स्ट्रीमिंग, ब्राउजिंग, गेमिंग और मल्टीटास्किंग के लिए पर्याप्त है। यह ऐंड्रोइड 16 पर आधारित NxtQuantum OS पर चलता है, जो शुरुआत से ही एक सहज और अनुकूलित अनुभव प्रदान करता है। इसमें 6.745-इंच का HD+ डिस्प्ले दिया गया है, जिसमें 120H5 का एडैप्टिव रिफ्रेश रेट और HBM सपोर्ट है, जिससे कंटेंट देखने या रोजमर्रा के कार्यों के दौरान स्मूद विजुअल्स और सहज स्क्रॉलिंग मिलती है।

कैमरा और डिजाइन जो रोजमर्रा के जीवन के लिए तैयार इस स्मार्टफोन में 50MP का रियर कैमरा दिया गया है, जो विभिन्न रोशनी की परिस्थितियों में स्पष्ट और प्राकृतिक तस्वीरें लेने में सक्षम है। साथ ही, 8MP का फ्रंट कैमरा सेल्फी और वीडियो कॉल के लिए बेहतर स्पष्टता प्रदान करता है। नोवा 2 में IP64 रेटिंग के साथ एक परिष्कृत डिजाइन और साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर भी दिया गया है। यह पांच अलग-अलग रंगों ग्रीन, पर्पल, पिंक, ब्लू , और ब्लैक - में उपलब्ध होगा, जिनमें से प्रत्येक एक अलग व्यक्तित्व को दर्शाता है।

एलआईसी ने माईएलआईसी ऐप और सुपर सेल्स साथी ऐप किया लॉन्च

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बुधवार को माईएलआईसी और सुपर सेल्स साथी ऐप लॉन्च किए हैं। इससे अब पॉलिसी मैनेजमेंट, प्रीमियम पेमेंट और अन्य सेवाएं मोबाइल पर आसान हो जाएंगी। कंपनी ने कहा कि माईएलआईसी ऐप ग्राहकों के लिए और सुपर सेल्स साथी ऐप मध्यस्थों यानी बिक्री बिचौलियों के लिए बनाया गया है। एलआईसी ने बताया कि इससे समय की बचत होगी, काम पहले से ज्यादा तेज और आसान होगा। कंपनी के मुताबिक माईएलआईसी ऐप अगली पीढ़ी का एक मोबाइल एप्लिकेशन है, जिसे इस अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए बनाया गया है कि पॉलिसीधारक अपने जीवन बीमा पोर्टफोलियो को कैसे प्रबंधित करेंगे। इसके अलावा सुपर सेल्स साथी ऐप एलआईसी के मार्केटिंग कर्मियों के लिए अगली पीढ़ी का मोबाइल एप्लिकेशन है। इन ऐप्स को 'उपयोगकर्ता-प्रथम' दर्शन के साथ डिजाइन किया गया है, जो एक सहज, बुद्धिमान और व्यक्तिगत 360 डिग्री अनुभव प्रदान करने के लिए सहज डिजाइन, शक्तिशाली सुविधाओं और अत्याधुनिक तकनीक को एक साथ लाता है। भारतीय जीवन बीमा निगम के अगली पीढ़ी के डिजिटल ऐप्स को ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने, मध्यस्थों को सशक्त बनाने और आंतरिक कार्यों को आधुनिक बनाने पर विशेष ध्यान देते हुए डिजाइन किया गया है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए शानदार रहा मार्च का महीना, 40,450 करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण घरेलू शेयर बाजार मार्च के महीने में लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करता रहा। इस महीने विदेशी निवेशकों ने इक्विटी मार्केट में रिकॉर्ड बिकवाली की। मार्च के महीने में इक्विटी म्युचुअल फंड्स में 40,450 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इसके पहले फरवरी के महीने में इक्विटी म्युचुअल फंड्स में 25,978 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। इस तरह मासिक आधार पर इक्विटी म्युचुअल फंड्स में 14,472 करोड़ रुपये का निवेश बढ़ गया। मार्च के महीने में सबसे अधिक 3,949.93 करोड़ रुपये का फ्रेश इन्वेस्टमेंट फ्लेक्सी कैप कैटेगरी में पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड को मिला। इस फंड के पोर्टफोलियो में फिलहाल सिर्फ 39 स्टॉक्स हैं। मार्च के महीने में फंड मैनेजर ने पंजाब नेशनल बैंक, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील जैसे 37 बड़े स्टॉक्स को पोर्टफोलियो से बाहर कर दिया। इस महीने किसी भी नए स्टॉक को पोर्टफोलियो में शामिल नहीं किया गया है। पराग पारीख फ्लेक्सी कैप फंड में 62.5 प्रतिशत हिस्सा लार्ज कैप स्टॉक्स का है। लार्ज कैप म्युचुअल फंड्स की बात करें, तो मार्च के महीने में निप्पॉन इंडिया लार्जकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बन रहा। इस फंड में सबसे अधिक 1,043.59 करोड़ रुपये का फ्रेश इन्वेस्टमेंट हुआ। इस फंड के पोर्टफोलियो में 65 स्टॉक्स को शामिल किया गया है। मार्च के महीने में फंड मैनेजर ने हनीवेल ऑटोमेशन, टीएमपीवी और ग्रासिम इंडस्ट्रीज को पोर्टफोलियो से बाहर कर दिया, जबकि श्रीराम फाइनेंस को पोर्टफोलियो में शामिल कर लिया।

बॉलीवुड समाचार

'जिन्नी वेड्स सनी-2' के लिए मेधा शंकर ने अविनाश तिवारी को दिया श्रेय

फिल्म 'जिन्नी वेड्स सनी-2' की रिलीज से पहले इसके प्रमोशन जोरों पर हैं और स्टारकास्ट भी लगातार चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में अभिनेत्री मेधा शंकर ने खुलासा किया कि इस फिल्म का हिस्सा बनने के पीछे सबसे बड़ा कारण उनके को-स्टार अविनाश तिवारी थे। मेधा ने बताया कि अविनाश की मौजूदगी और उनका सपोर्टिव रवैया उनके लिए इस प्रोजेक्ट को साइन करने में अहम रहा। प्रमोशनल बातचीत के दौरान मेधा ने कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट और स्केल के अलावा सेट पर मिलने वाला भरोसा और कम्फर्ट उनके लिए बेहद मायने रखता है। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में खासकर महिला कलाकारों को अक्सर खुद को साबित करना पड़ता है, लेकिन अविनाश ने उन्हें खुलकर अपने विचार रखने और किरदार को लेकर सुझाव देने की पूरी आजादी दी। मेधा के मुताबिक, यह अनुभव उनके लिए बेहद सकारात्मक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा। इससे पहले त्रिप्ती डिमरी भी अविनाश तिवारी की तारीफ कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म 'लैला मजनू' के दौरान अपने शुरुआती संघर्ष को याद करते हुए बताया था कि अविनाश ने उन्हें एक्टिंग वर्कशॉप जॉइन करने की सलाह दी, जो उनके करियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई। त्रिप्ती ने उन्हें एक सहयोगी और प्रेरणादायक सह-कलाकार बताया था। 'जिन्नी वेड्स सनी-2' को एक स्टैंडअलोन सीक्वल के रूप में पेश किया जा रहा है, जिसमें एक मिसमैच्ड लव स्टोरी को भारतीय शादी के रंगीन माहौल में दिखाया जाएगा। फिल्म में अविनाश तिवारी एक जिद्दी पहलवान की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि मेधा शंकर एक स्वतंत्र और बेबाक लड़की का किरदार निभा रही हैं। मसूरी की खूबसूरत लोकेशनों पर शूट हुई यह फिल्म ह्यूमर, इमोशन और फैमिली ड्रामा का बेहतरीन मिश्रण पेश करने का वादा करती है।

लता मंगेशकर-आशा भोसले की याद में बनेगा अस्पताल...भाई हृदयनाथ बोले- पुणे में एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल बनाने की कोशिश कर रहे हैं

सिंगर लता मंगेशकर और आशा भोसले की याद में पुणे में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जाएगा। दोनों सिंगर्स के भाई और म्यूजिक डायरेक्टर हृदयनाथ मंगेशकर ने सोमवार को यह जानकारी दी। हृदयनाथ मंगेशकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुणे में उनकी मां और लता मंगेशकर ने गरीबों की सेवा के लिए अस्पताल बनाने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि करीब 25 साल पहले परिवार और डॉक्टरों ने इस अस्पताल को बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उस समय यह पूरा नहीं हो सका। हृदयनाथ ने कहा कि बाद में परिवार ने फैसला लिया था कि अस्पताल लता मंगेशकर के नाम पर बनाया जाएगा और इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं। 16 तारीख के दिन इसके मुहूर्त की योजना थी, लेकिन इसी बीच अचानक आशा भोसले का निधन हो गया। उन्होंने कहा कि अब परिवार ने तय किया है कि अस्पताल लता मंगेशकर और आशा भोसले दोनों के नाम पर बनाया जाएगा। वो इसे एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

अपनी मर्जी से कहानियां बनाकर छापते थे लोग : सोमी अली

90 का दशक में फिल्मी सितारों के बीच की दोस्ती, रिश्ते और कथित झगड़ों को मैगजीन और अखबारों द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर या मनगढ़ंत तरीके से पेश किया जाता था। उसी पुराने दौर को याद करते हुए अभिनेत्री सोमी अली ने एक पुराना और दिलचस्प किस्सा साझा किया है। हाल ही में सोमी अली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक थ्रोबैक पोस्ट साझा करते हुए 90 के दशक की मीडिया संस्कृति पर खुलकर बात की। उन्होंने लिखा, उस समय सोशल मीडिया जैसी कोई चीज नहीं थी, जिससे लोग सेलिब्रिटीज की असली जिंदगी को समझ सकें या उनकी बातों को सीधे सुन सकें। इस वजह से मैगजीन और टैब्लॉइड्स को खुली छूट मिल जाती थी और वे अपनी मर्जी से कहानियां बनाकर छापते थे। उस दौर में दर्शकों के पास कोई दूसरा विश्वसनीय जरिया नहीं होता था, जिससे वे सच्चाई जान सकें, और इसलिए अक्सर मैगजीन में छपी बातें ही सच मान ली जाती थीं। यह टिप्पणी 90 के दशक के मीडिया परिदृश्य पर एक महत्वपूर्ण प्रकाश डालती है, जब पत्रकारिता की नैतिकता और सेलिब्रिटी गोपनीयता के बीच की रेखा अक्सर धुंधली हो जाती थी। अपनी पोस्ट में सोमी अली ने साल 1993 की एक खास मुलाकात का जिक्र किया, जब उनकी पहली बार अभिनेत्री ज़ेबा बख्तियार से मुलाकात हुई थी। उन्होंने बताया कि किस तरह उस समय की मैगजीन ने उन दोनों के बीच एक अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और टकराव की कहानी गढ़ने की कोशिश की थी। सोमी ने स्पष्ट किया, हम दोनों ही पाकिस्तान में जन्मी थीं, लेकिन मेरा पालन-पोषण अमेरिका में हुआ था। शायद इस समानता को आधार बनाकर उस समय की मैगजीन ने हम दोनों के बीच राइवलरी (प्रतिद्वंद्विता) पैदा करने की कोशिश की, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग थी। उनके इस बयान से पता चलता है कि मीडिया कैसे दो अलग-अलग व्यक्तियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर देता था, केवल कहानियों को मसाला देने के लिए। सोमी अली ने अपनी पोस्ट में जोर देकर कहा, मैगजीन की यह कोशिश कभी सफल नहीं हो पाई। असल जिंदगी में मेरे और ज़ेबा बख्तियार के बीच कोई राइवलरी नहीं थी, बल्कि हमारे बीच सम्मान और समझ का रिश्ता था। मैं आज भी उस पहली मुलाकात को एक बहुत अच्छे अनुभव के तौर पर याद करती हूं और मेरे मन में ज़ेबा के लिए आज भी काफी इज्जत है। यह बयान उन सभी अफवाहों और मनगढ़ंत कहानियों को खारिज करता है जो उस दौर में फैलाई गई थीं और यह दर्शाता है कि व्यक्तिगत रिश्ते अक्सर मीडिया की सुर्खियों से बहुत अलग होते हैं। सोमी अली ने ज़ेबा बख्तियार की तारीफ करते हुए उनके प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कहा, वह बेहद खूबसूरत और अच्छी इंसान हैं। मैं हमेशा उनके खुश रहने की कामना करती हूं और उन्हें जिंदगी में हर खुशी मिले, ऐसी मेरी दुआ है। यह हार्दिक प्रशंसा उनके बीच के सकारात्मक रिश्ते को और मजबूत करती है, जो मीडिया द्वारा गढ़ी गई प्रतिद्वंद्विता से कहीं अधिक गहरा और वास्तविक था। अगर ज़ेबा बख्तियार की बात करें तो उन्होंने साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म हिना से भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाई थी। यह फिल्म ऋषि कपूर के साथ उनके करियर की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में उनके साथ ऋषि कपूर और अश्विनी भावे भी मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म का निर्देशन रणधीर कपूर ने किया था और यह भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भावुक प्रेम कहानी थी, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

कार्तिक आर्यन और लव रंजन फिर साथ, नई फिल्म की तैयारी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और निर्देशक लव रंजन एक बार फिर साथ काम करने जा रहे हैं। 'प्यार का पंचनामा' और 'सोनू के टीटू' की स्वीटी जैसी सुपरहिट फिल्मों के बाद यह जोड़ी एक नई परियोजना के जरिए दर्शकों के बीच वापसी करेगी। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पिछले कई महीनों से इस प्रोजेक्ट पर चर्चा कर रहे थे और अब स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होगी, जो 'पंचनामा' फ्रैंचाइजी की दुनिया से मेल खाती है। बताया जा रहा है कि कार्तिक आर्यन को कहानी काफी पसंद आई है और उन्होंने इसके लिए अपनी सहमति भी दे दी है। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2026 से शुरू होकर साल के अंत तक चलेगी। सूत्रों का कहना है कि लव रंजन पहले एक एक्शन फिल्म बनाने की योजना में थे, लेकिन एक मजेदार और ताजगी भरे कॉन्सेप्ट ने उन्हें अपना फैसला बदलने पर मजबूर कर दिया। यह नया किरदार कार्तिक की स्क्रीन इमेज के अनुरूप बताया जा रहा है, जो दर्शकों को एक बार फिर हंसी और रोमांस का बेहतरीन मिश्रण देगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक आर्यन के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें 'नागजिला', 'कैप्टन इंडिया' और अनुराग बसु की एक रोमांटिक फिल्म शामिल है। ऐसे में लव रंजन के साथ उनकी यह नई फिल्म भी दर्शकों के लिए एक बड़ी सिनेमाई पेशकश साबित हो सकती है।

भाषा को कभी भी काम में बाधा नहीं बनने दिया विद्या बालन ने

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री विद्या बालन ने फिल्मों में हमेशा न केवल चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं चुनी हैं, बल्कि उन्हें इस तरह जीवंत किया है कि दर्शक हर बार एक नए और गहरे अनुभव से जुड़ते हैं। विद्या बालन की अभिनय क्षमता का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा है कि उन्होंने कभी भी भाषा को अपने काम की बाधा नहीं बनने दिया। हिंदी फिल्मों में अपनी गहरी छाप छोड़ने के साथ-साथ, उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं और उनके अलग-अलग लहजों में भी बेहद सहजता और कुशलता से काम किया है। उनकी डायलॉग डिलीवरी की सटीकता और भावनाओं पर मजबूत पकड़ ही उनकी असली ताकत है, जो हर भाषा में समान रूप से चमकती है। यह दर्शाता है कि एक कलाकार अपनी कला के माध्यम से भाषाई बाधाओं को कैसे तोड़ सकता है। चाहे वह बंगाली किरदार की बारीकियां हों या किसी अन्य क्षेत्रीय बोली की सूक्ष्मताएं, विद्या बालन ने हर बार अपने किरदार को उस क्षेत्र की आत्मा से जोड़ा है, जो उनकी गहन तैयारी, समर्पण और बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है। विद्या बालन हर किरदार में पूरी सच्चाई और गहराई के साथ उतरती हैं, जिससे वे दर्शकों के लिए अविस्मरणीय बन जाती हैं। चाहे वह किसी छोटे शहर की सीधी-सादी महिला का किरदार हो, समाज के रूढ़िवादी बंधनों को तोड़ती एक सशक्त आत्मनिर्भर नारी की भूमिका, या फिर किसी रहस्यमय कहानी की मुख्य धुरी, विद्या बालन हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता से निभाती हैं।

यही कारण है कि देश के कोने-कोने में बैठे दर्शक उनसे आसानी से जुड़ पाते हैं, चाहे उनकी भाषा या क्षेत्रीय पृष्ठभूमि कुछ भी हो। उनका मानना है कि सिनेमा सिर्फ संवादों का माध्यम नहीं है, बल्कि भावनाओं की एक सार्वभौमिक भाषा है, जो सीधे दिल से दिल तक पहुंचती है। उनके लिए, हर किरदार एक नई यात्रा होती है, जिसे वह सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि उसकी हर परत को पूरी तरह जीती हैं, उसके सुख-दुख, संघर्ष और जीत को महसूस करती हैं। उनकी यह प्रतिबद्धता उन्हें एक कलात्मक प्रेरणा और भारतीय सिनेमा की एक मजबूत स्तंभ बनाती है। आज जब भारतीय सिनेमा वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है और दुनिया भर में भारतीय कहानियों और कलाकारों को सराहा जा रहा है, ऐसे में विद्या बालन जैसी कलाकार इस महत्वपूर्ण बदलाव की एक मजबूत और प्रेरक कड़ी बनकर उभर रही हैं। उनका काम यह अकाट्य रूप से साबित करता है कि अभिनय की कोई भाषा नहीं होती वह सिर्फ महसूस की जाती है और मानवीय अनुभवों के तारों को जोड़ती है।

उनकी फिल्में न केवल भारतीय दर्शकों द्वारा पसंद की जाती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी गहरी सराहना प्राप्त करती हैं, जो भारतीय सिनेमा की बढ़ती पहुंच और प्रभाव का एक जीवंत प्रमाण है।

नारी शक्ति महासम्मेलन सम्पन्न : नरेंद्र मोदी जी ने 12 वर्षों में महिलाओं का सम्मान बढ़ाने का काम किया है : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम रायपुर में नारी शक्ति महासम्मेलन आयोजित किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न समाजिक संगठन की महिलाएं हजारों की संख्या में शामिल हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नारी शक्ति महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी में एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय होने जा रहा है। संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में पूरे देश में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम चल रहे हैं। देश में प्राचीन काल से नारी का सम्मान होते आया है। भगवान से पहले भगवती का नाम आता है। आधुनिक भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 12 वर्षों में महिलाओं का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, सुकन्या समृद्धि योजना, नारी शक्ति वंदन अधिनियम योजना सहित कई योजनाओं का संचालन महिलाओं के लिए केन्द्र सरकार संचालित कर रही है। देश के सर्वोच्च पद पर एक महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी देश का प्रतिनिधित्व कर रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने नारी शक्ति वंदन महासम्मेलन में आई मातृशक्ति का पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

प्रधानमंत्री का एक ही प्रण मातृत्व वंदन का हो सर्वत्र अभिनंदन - सुश्री सरोज पांडेय

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पांडेय ने कहा है नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में पारित हुआ। नारी शक्ति वंदना अधिनियम पहले भारत के संसद में 1996,

1998, 2008 में प्रस्तुत हुआ लेकिन इस अधिनियम का समर्थन किसी ने नहीं किया। सब महिलाओं को सिर्फ वोटर के तौर पर देखते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2029 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू होगा लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को मिलेगा। इसके लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। 2029 में महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह एक क्रांतिकारी कदम है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हम 2047 तक विकसित भारत बनाएंगे और विकसित भारत बनाने के लिए आधी आबादी का सशक्त होना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने महिलाओं को समाज में सम्मान दिया नारीत्व एवं मातृत्व का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान महिला के नाम पर होगा, उज्ज्वला योजना का लाभ महिलाओं के नाम से होगा। लखपति दीदी योजना लायी, ड्रोन उड़ने की शिक्षा दिलवाई तकनीकी दृष्टि से भी सक्षम बनाने का काम किया। विकसित भारत की तैयारी है भारत के बदलाव में हम 2047 विकसित भारत की ओर बढ़ रही।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की लोकतांत्रिक यात्रा में एक निर्णायक कदम होगा - लक्ष्मी रजवाड़े

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि नारी शक्ति अधिनियम देश की माता–बहनों और बेटियों को सशक्त बनाने की योजना हैं। महिलाओं की नीति निर्माण तथा राजनीतिक नेतृत्व में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं समस्त मातृशक्ति को बहुत–बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति अधिनियम केवल एक विधायी दस्तावेज नहीं है बल्कि यह उन करोड़ों महिलाओं के समर्थ उनके संघर्ष और और उनकी अटूट समर्पण का सम्मान है जो घर की चार दिवारी से लेकर अंतरिक्ष के अभियान तक भारत का तिरंगा फहरा रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। यह नारी शक्ति को सशक्त करने एवं समावेशी बनाने तथा विकसित भारत की ओर यह एक मजबूत और ऐतिहासिक कदम है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं को सम्मान, सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि का जीवन मिलेगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश के भाग्य को बदलने का काम करेगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की लोकतांत्रिक यात्रा में एक निर्णायक कदम होगा।

दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का दृश्य अत्यंत उत्साह और आत्मीयता से भरा रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुँचीं महिलाओं में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के साथ सेल्फी लेने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाओं की उमंग और उत्साह को देखते हुए मुख्यमंत्री जी ने भी बड़े सहज और स्नेहपूर्ण अंदाज़ में स्वयं उनके मोबाइल लेकर एक–एक के साथ सेल्फी ली। यह दृश्य न केवल उनके सरल स्वभाव को दर्शाता है, बल्कि नारी शक्ति के प्रति उनके सम्मान और अपनत्व की भावना को भी उजागर करता है। कार्यक्रम का संचालन महापौर मीनल चौबे ने किया एवं आभार महासमुंद सांसद रूप कुमारी चौधरी ने किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्र. 06, रायपुर (छ.ग.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्रमांक 03/न.पा.नि./जोन क्रमांक–06/2026–27 रायपुर, दिनांक 15/04/2026

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न कार्य हेतु निर्धारित SOR (निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों (ई–रजिस्ट्रेशन 'डी' एवं उससे ऊपर) / फर्म एवं संस्था / एजेंसी से दो लिफाफा पद्धति के अनुसार (लिफाफा 'अ' में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं 'ब' में निविदा प्रपत्र) सील बंद निविदा पृथक–पृथक आमंत्रित की जाती है।

(1) कार्य सरल क्र. 01 से 06 प्रथम निविदा कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु दिनांक 29/04/2026 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज दिनाँक 07/05/2026 तक पंजीकृत डॉक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाये दिनांक 08/05/2026 को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियो के समक्ष खोली–जावेगी।

(2) कार्य सरल क्र. 07, 08 द्वितीय निविदा कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु दिनांक 22/04/2026 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज दिनांक 30/04/2026 तक पंजीकृत डॉक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाये दिनाँक 04/05/2026 को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियो के समक्ष खोली जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ.आर.	समया अवधि
1	जोन क्रमांक 06 अंतर्गत विभिन्न बी.डब्ल्यु.जी. में कम्पोस्ट पीट निर्माण एवं मरम्मत कार्य।	प्रथम	संधारण मद	1.51	2000.00	300.00	PWD Building SOR 01.01.2015	1 माह
2	श.पंकज विक्रम वार्ड क्र.58 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर सी.सी. रोड एवं नाली संधारण कार्य।	प्रथम	संधारण मद	3.98	4000.00	750.00	PWD Building SOR 01.01.2015	1 माह
3	श.पंकज विक्रम वार्ड क्र.58 अंतर्गत टैगोर नगर हनुमान मंदिर के पास पाईप लाईन मरम्मत कार्य।	प्रथम	संधारण मद	2.23	2300.00	750.00	PHE SOR 01.06.2020	1 माह
4	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 61, श.राजीव पाण्डेय वार्ड क्र. 62 एवं महामाया मंदिर वार्ड क्र. 65 अंतर्गत पाईप लाईन में हुए लिकेज का मरम्मत कार्य।	प्रथम	संधारण मद	3.99	4000.00	750.00	PHE SOR 01.06.2020	3 माह
5	चन्द्रशेखर आजाद वार्ड क्र. 60 अंतर्गत गंभीर गली भैरव नगर क्षेत्र में इंटरकनेक्शन एवं अन्य स्थानों में मरम्मत कार्य।	प्रथम	संधारण मद	1.93	2000.00	300.00	PHE SOR 01.06.2020	1 माह
6	मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड क्र. 59 एवं चन्द्रशेखर आजाद वार्ड क्र. 60 अंतर्गत पाईप लाईन में हुए लिकेज का मरम्मत कार्य।	प्रथम	संधारण मद	3.97	4000.00	750.00	PHE SOR 01.06.2020	3 माह
7	श.पंकज विक्रम वार्ड क्र. 58 अंतर्गत अतिरिक्त कक्ष निर्माण, सामुदायिक भवन के पास त्रिलोकी माँ कालीबाड़ी प्रांगण में, डॉ. राजेन्द्र नगर रायपुर कार्य।	द्वितीय	सांसद निधि	5.00	5000.00	750.00	PWD Building SOR 01.01.2015	5 माह
8	श.पंकज विक्रम वार्ड क्र. 58 अंतर्गत रिद्धि सिद्धि गार्डन में सीवरेज टेंक मरम्मत, रेती फिलिंग एवं पानी टंकी लगाने का कार्य।	द्वितीय	संधारण मद	2.24	2300.00	750.00	PWD Building SOR 01.01.2015	1 माह

– कार्य के निविदा हेतु संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है:–

लिफाफा 'अ' में :– (1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ.डी.आर . (निविदा खोलने तिथि तक वैद्य होना चाहिए) मूलप्रति। (2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। (3) फर्म / एजेंसी के नाम का वैद्य पंजीयन की प्रति (4) बैंक साल्वेंसी की प्रति (5) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (6) 3 वर्षो का ITR एवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का GSTR की प्रति।

लिफाफा 'ब' में :– (1) निविदा प्रपत्र

शर्ते :– (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट से स्वीकार की जावेगी। (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी। (3) ठेकेदार/फर्म एवं संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी. विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (Tax Clearance Certificate) अथवा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।

(निविदा से संबंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस में आकर प्राप्त की जा सकती है)

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक–06
नगर पालिक निगम, रायपुर

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर Website: www.maaadagency.com मो. 78691-87165

बिलासपुर से अयोध्या धाम के लिए स्पेशल ट्रेन रवाना

बिलासपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बिलासपुर संभाग के विभिन्न जिलों के श्रद्धालुओं के लिए आज एक विशेष आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत हुई, जब 850 यात्रियों को लेकर स्पेशल ट्रेन बिलासपुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस यात्रा के दौरान यात्रियों को अयोध्या धाम के दर्शन के साथ–साथ काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन का भी पुण्य अवसर प्राप्त होगा।

इस विशेष ट्रेन को केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राजेश चंद्रवंशी, मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग सिंह, जिला पंचायत सीईओ बिलासपुर संदीप अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

ट्रेन के प्रस्थान के दौरान रेलवे स्टेशन पर उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। जिला प्रशासन, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड, रेलवे तथा आईआरसीटीसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तीर्थ यात्रियों का स्वागत–सत्कार किया। यात्रियों को यात्रा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान करते हुए उनके सुखद एवं सुरक्षित सफर के लिए शुभकामनाएं भी दी गईं।

यह विशेष तीर्थ यात्रा न केवल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का अवसर है, बल्कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। यात्रियों में इस यात्रा को लेकर विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

केरल के मुख्य सचिव डॉ. ए. जयतिलक का छत्तीसगढ़ दौरा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड कार्यालय में आज एक अत्यंत भावुक और ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला, जब केरल राज्य के मुख्य सचिव डॉ. ए. जयतिलक का आगमन हुआ। अपने पुराने कार्यस्थल और सहकर्मियों से वर्षों बाद मिलकर वे भावविभोर हो उठे। यह अवसर न केवल एक औपचारिक भेंट था, बल्कि स्मृतियों, अनुभवों और आत्मीय संबंधों का एक जीवंत संगम भी बना।

उल्लेखनीय है कि केरल कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. जयतिलक छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के प्रारंभिक वर्षों 2002 से 2004 के दौरान छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक के रूप में पदस्थ रहे। नवगठित राज्य में पर्यटन विकास की नींव मजबूत करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, जिसके लिए आज भी उन्हें सम्मान और आदर के साथ याद किया जाता है।

दैनिक प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in
अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 16 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण पखवाड़ा का आयोजन

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

शासन के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में 9 से 23 अप्रैल 2026 तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मातृत्व एवं शिशु पोषण को सुदृढ़ बनाना तथा समुदाय को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत शून्य से 3 वर्ष तक के बच्चों के समुचित विकास के लिए प्रारंभिक उत्प्रेरण गतिविधियों पर जोर दिया जा रहा है, वहीं 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही स्क्रीन टाइम कम करने तथा बच्चों के समग्र विकास में पालकों एवं समुदाय की भूमिका को सशक्त बनाने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। पखवाड़ा के दौरान जिला, विकासखंड, नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत एवं आंगनबाड़ी स्तर पर प्रतिदिन निर्धारित कैलेंडर के अनुसार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों की प्रविष्टि जन आंदोलन डैशबोर्ड पोर्टल पर भी की जा रही है।

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत गर्भवती माताओं के लिए परामर्श सत्र, संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर चर्चा, पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, स्तनपान संबंधी जागरूकता कार्यक्रम तथा जंक फूड के दुष्प्रभावों पर संवाद आयोजित किए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में लर्निंग कॉर्नर की जानकारी दी जा रही है तथा बच्चों के लिए खेल आधारित गतिविधियों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

किए जा रहे हैं। साथ ही आयरन-फोलिक एसिड सेवन, गर्भावस्था में देखभाल एवं पोषण संबंधी विषयों पर भी जानकारी दी जा रही है। दादी-नानी की जुबानी पोषण कहानी, पोषण रैली, सुपोषण चौपाल, सामूहिक अन्नप्राशन कार्यक्रम, ग्राम स्तरीय खेलकूद मेला एवं बच्चों द्वारा तैयार शिक्षण सामग्री का प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम भी आयोजित

समुदाय की भागीदारी पर विशेष जोर

पोषण पखवाड़ा के दौरान दादा-दादी, नानी दिवस का आयोजन कर परिवार को बच्चों के साथ फैमिली प्ले टाइम बिताने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पालक सत्रों में स्क्रीन टाइम के दुष्प्रभावों एवं खेल आधारित शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। इसके अलावा, आंगनबाड़ी केंद्रों में आधार पंजीयन शिविर, ग्राम सभाओं में पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा पर चर्चा, तथा जनप्रतिनिधियों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक कर आंगनबाड़ी सेवाओं की जानकारी साझा की जा रही है।

घर-घर पहुंचकर दी जा रही सेवाएं

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों द्वारा गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं एवं कुपोषित बच्चों के घर-घर जाकर विशेष देखभाल एवं परामर्श प्रदान किया जा रहा है। 6 माह से अधिक आयु के बच्चों को ऊपरी आहार के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है। पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों एवं हितग्राहियों के घरों में पोषण वाटिका विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसमें मुनगा, पपीता एवं मौसमी सब्जियों जैसे पौष्टिक फलदार एवं सब्जी पौधों का रोपण किया जा रहा है। पखवाड़ा के दौरान सक्रिय भागीदारी निभाने वाले समुदाय के सदस्यों एवं बच्चों को सम्मानित किया जाएगा तथा समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। इस प्रकार, पोषण पखवाड़ा के माध्यम से जिले में जन-जन तक पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का व्यापक प्रसार किया जा रहा है।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं, जनगणना कार्य, अधोसंरचना विकास एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी विभागों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणाममूलक कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जनगणना कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्व-गणना, मकान सूचीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यों में तेजी लाने निर्देशित किया। उन्होंने फील्ड ट्रेनर की सूची तैयार करने, प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण सुनिश्चित करने तथा जनगणना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए वाल राइटिंग एवं जागरूकता अभियान चलाने को कहा। साथ ही सभी चार्ज अधिकारियों को मकान सूचीकरण का प्रमाण प्रस्तुत करने तथा एक विस्तृत एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जरहागांव एवं बरेला में सड़क पर मवेशियों की समस्या और साफ-सफाई की खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित सीएमओ को नोटिस जारी करने एवं वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही दोनों क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति सुधारने निर्देशित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा करते हुए खुड़िया में स्वास्थ्य केंद्र उन्नयन, लोरमी में पोस्ट मैट्रिक छात्रावास निर्माण एवं भालापुर-अचानकपुर सड़क को बारिश से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास हेतु भूमि चयन शीघ्र पूर्ण करने तथा मोतिमपुर, जरहागांव एवं सेतगंगा में अर्बन पीएचसी शीघ्र प्रारंभ करने तथा सीएम

जनदर्शन अंतर्गत लंबित आवेदनों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश देते हुए प्राथमिकता के आधार पर समयसीमा में समाधान सुनिश्चित करने कहा।

कलेक्टर ने आधार पंजीयन एवं एमबीयू की प्रगति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीएमसी को प्रतिदिन प्राचार्यों से समन्वय कर पंजीयन एवं रि-वैलिडेशन सुनिश्चित करने तथा निजी स्कूलों में भी कड़ाई से पालन कराने तथा कमजोर प्रगति वाले स्कूलों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। गर्मी के मद्देनजर हीट वेव प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पेयजल की समुचित व्यवस्था, बाजार एवं सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया। उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना की प्रगति की सराहना करते हुए अधिक जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विस्थापन से जुड़े मामलों पर चर्चा करते हुए 93 संभावित प्रभावित परिवारों का सर्वे कर उनकी आवश्यकताओं का आकलन करने तथा सड़क, बिजली, जलापूर्ति एवं कृषि भूमि की व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

जिला अस्पताल की सराहनीय उपलब्धि, निरंतर बेहतर हो रही सुविधाएं

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

जिला चिकित्सालय में निरंतर बेहतर हो रही सुविधाओं के चलते अब जिले की महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार कुशल मार्गदर्शन में यह उपलब्धि न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का संकेत है, बल्कि शासन की जनहितकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन का भी प्रमाण है। जिला चिकित्सालय मुंगेली के 100 बिस्तर मातृ एवं शिशु अस्पताल ने बीते एक वर्ष में सुरक्षित मातृत्व एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 की अवधि में अस्पताल में कुल 03 हजार 602 प्रसव सफलतापूर्वक संपन्न कराए गए, जो जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती और

चिकित्सा टीम की दक्षता को दर्शाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कुल प्रसवों में 02 हजार 405 सामान्य प्रसव एवं 01 हजार 190 ऑपरेशन (सी-सेक्शन) के माध्यम से प्रसव कराए गए। इसके साथ ही 01 हजार 28 महिलाओं को

पीपीआईयूसीडी की सुविधा प्रदान कर परिवार नियोजन को बढ़ावा दिया गया। विशेष रूप से 02 हजार 114 उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं का सफल प्रबंधन कर जच्चा-बच्चा दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई, जो चिकित्सा टीम की विशेषज्ञता और समर्पण को रेखांकित करता है। डीपीएम श्री गिरीश कुर्रे ने बताया कि अस्पताल में स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा स्मृति लाल, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार बेलदार, चिकित्सा अधिकारियों, लेबर रूम स्टॉफ, ऑपरेशन थिएटर (ओ.टी.) स्टॉफ एवं पीएनसी स्टॉफ की टीम ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए सुरक्षित प्रसव सेवाएं प्रदान कीं। इसके साथ ही 01 हजार 190 महिलाओं की नसबंदी कर परिवार कल्याण कार्यक्रम को भी प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया गया। सिविल सर्जन डॉ. एम.के. राय ने सभी चिकित्सकों एवं स्टॉफ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि टीम वर्क, समर्पण और बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन का परिणाम है। उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं उन्नत बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

जनदर्शन में सुनी गई जनसामान्य की समस्याएं

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

जिला कलेक्टोरेट में आज आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें लेकर पहुंचे। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जनदर्शन कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो ने आमजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित जांच एवं निराकरण के सख्त निर्देश दिए। जनदर्शन में राशन कार्ड बनवाने, चिकित्सा एवं आर्थिक सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धा पेंशन, श्रमिक योजनाओं सहित अनेक विषयों से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा लंबित मामलों की नियमित समीक्षा की जाए। जनदर्शन के दौरान गौशाला पारा रायगढ़ निवासी शालिनी सिंह ने वार्ड क्रमांक 14 स्थित लगभग 100 वर्ष पुराने सूख चुके बरगद के पेड़ को हटाने की मांग की। उन्होंने बताया कि पेड़ कभी भी गिर सकता है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर कलेक्टर ने तत्काल निगम आयुक्त को निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी तरह जनपद पंचायत पुसौर अंतर्गत ग्राम पुसल्दा निवासी करमुराम भोय ने भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की द्वितीय किश्त की राशि अब तक प्राप्त न होने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि पात्र होने के बावजूद उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को प्रकरण की जांच कर शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार तहसील लैलूंगा के ग्राम मड़िया कछार निवासी कुलेश्वर प्रसाद राठिया ने अपने पुत्र की सर्पदंश से हुई आकस्मिक मृत्यु के मामले में आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। मधुबन पारा रायगढ़ के सेवानिवृत्त कर्मचारी किशोर कुमार थवाईत ने लंबित अंतिम भुगतान दिलाए जाने की मांग रखी। वहीं ग्राम पंचायत बिंजकोट के ग्रामीणों ने जॉब कार्ड बनाए जाने तथा चेक डेम निर्माण की मांग को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने बताया कि नए परिवारों के लिए जॉब कार्ड बनना अत्यंत आवश्यक है, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें।

सगाई में गए युवक की संदिग्ध मौत, दोबारा पोस्टमार्टम

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत करतमा सेमर तालाबपारा निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में परिजनों की मांग पर सोमवार को दोबारा पोस्टमार्टम (पीएम) कराया गया। यह कार्रवाई एसएसपी प्रशांत सिंह ठाकुर के निर्देश पर की गई।

जानकारी के अनुसार, सप्ताह भर पूर्व 42 वर्षीय समर साय यादव (पिता स्व. गंगाराम यादव) गांव के बरपारा में आयोजित एक सगाई कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। देर रात करीब 12 बजे उन्हें गंभीर रूप से घायल अवस्था में गांव के ही एक युवक द्वारा घर पहुंचाया गया। इसके बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से हालत गंभीर होने पर रायपुर रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में बिलासपुर के पास उनकी मौत हो गई। मृतक का प्रारंभिक पोस्टमार्टम अंबिकापुर में कराया गया था, जिसके बाद परिजन शव को गांव लाकर दफना चुके थे। हालांकि पीएम रिपोर्ट से असंतुष्ट परिजनों ने एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी।

इसी के तहत जयनगर थाना प्रभारी टीआई रूपेश कुंतल एक्का एवं बीएमओ डॉ. अमित भगत के नेतृत्व में टीम गांव पहुंची और शव का पुन: पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान चिकित्सकों द्वारा बिसरा जब्त कर जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया भी पूरी की गई।

परिजनों का आरोप है कि सीटी स्कैन में स्पष्ट चोट के निशान दिखाई देने के बावजूद पहले पोस्टमार्टम में इसे नजरअंदाज किया गया, जो जांच का विषय है। उन्होंने गांव के ही कुछ लोगों पर मारपीट की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। पुन: पोस्टमार्टम की इस कार्रवाई के दौरान डॉ. किरण एक्का, जयनगर पुलिस टीम, परिजन और ग्रामीण मौजूद रहे। मामले में अब जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

पुरखों की जमीन पर कब्जे का आरोप, पीएम आवास बना विवाद की जड़

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

ग्राम पंचायत गांगीकोट में जमीन विवाद का मामला सामने आया है। यहां एक 65 वर्षीय बुजुर्ग रतन राम अपनी ही वर्षों पुरानी कब्जे की जमीन को बचाने के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

बताया जा रहा है कि रतन राम पिछले 60-65 वर्षों से गांव की एक शासकीय भूमि पर पुरखौती जमीन मानते हैं। इसी जमीन पर उनका जीवन बीता, परिवार पला-बढ़ा और आज भी उनका आशियाना वहीं बसा है। लेकिन अब यही जमीन उनके लिए संघर्ष का कारण बन गई है। वृद्ध रतन राम का आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति ने अपने प्रभाव और आर्थिक अपने नाम पर पीएम आवास योजना स्वीकृत कराकर अब उसी जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।

सागौन जंगल में आग, पौधे झुलसे

संसाधनों की कमी से बुझाने में हुई मशक्कत

राजपुर, प्रतिदिन राजधानी

गर्मी के मौसम में जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। मंगलवार को राजपुर नगर से सटे सागौन के जंगल में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी विकराल थी कि आसपास का क्षेत्र धुएं से भर गया और दूर से ही धुएं का गुबार दिखाई देने लगा।

जानकारी के अनुसार, वन परिक्षेत्र राजपुर के कक्ष क्रमांक 2758 स्थित सागौन जंगल में दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच अचानक आग लग गई।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और काफी बड़े क्षेत्र में फैल गई, जिससे जंगल के छोटे पेड़-पौधों को भारी नुकसान पहुंचा। आग की तेज लपटों के कारण कई छोटे पौधे झुलस

गए। जंगल में आग लगने की सूचना मिलते ही वन विभाग के सहायक वन परिक्षेत्राधिकारी अशोक शुक्ला, बीट प्रभारी सहित अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। हालांकि आग बुझाने के पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण वन कर्मियों को डंडों और पेड़ों की टहनियों की सहायता से आग पर काबू पाने का प्रयास करना पड़ा। करीब तीन घंटे बाद आग बुझाने वाली मशीन ब्लोवर मौके पर पहुंचाई गई, जिसके बाद काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। विभागीय कर्मचारियों के अनुसार, राजपुर वन परिक्षेत्र में आग बुझाने के लिए केवल दो ब्लोवर ही उपलब्ध हैं, जिससे ऐसी घटनाओं में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मौके पर मौजूद सहायक वन परिक्षेत्राधिकारी अशोक शुक्ला ने बताया कि जंगल में कंटीले तार की फेंसिंग होने के बावजूद शरारती तत्व अंदर घुसकर मौज-मस्ती करते हैं और कई बार उन्हीं के कारण आगजनी की घटनाएं होती हैं।

सीतापुर विधायक के जाति प्रमाण मामला, 3 माह में होगी जांच-तिर्की

अम्बिकापुर,, प्रतिदिन राजधानी

सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो के जाति प्रमाण पत्र की वैधता को लेकर चल रहे विवाद पर आज जनजाति सुरक्षा मंच के जिला संयोजक बिहारी लाल तिर्की ने प्रेसवार्ता आयोजित कर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

उन्होंने बताया कि विधायक के जाति प्रमाण पत्र जारी होने की प्रक्रिया प्रारंभ से ही संदिग्ध रही है, जिसकी सूचना मिलते ही उनके द्वारा संबंधित दस्तावेजों का संकलन किया गया। दस्तावेजों के अवलोकन में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

बताया गया कि उक्त जाति प्रमाण पत्र अनुविभागीय अधिकारी, लैलूंगा कार्यालय से 19 सितंबर 2023 को जारी किया गया था। इसके खिलाफ 21 अक्टूबर 2023 को जिला स्तरीय जाति प्रमाण पत्र छानबीन समिति, रायगढ़ के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की गई।

उसी दौरान विधानसभा चुनाव की घोषणा हो जाने के कारण त्वरित कार्रवाई हेतु प्रकरण को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में रिट याचिका क्रमांक 4587/2023 के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

उच्च न्यायालय ने मामले को जिला स्तरीय समिति को विधि अनुसार जांच के निर्देश दिए, लेकिन लगभग दो वर्षों तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर पुन: रिट याचिका क्रमांक 1466/2026 दायर की गई। इस याचिका में अधिवक्ता अनुराग सिंह ने पक्ष रखा, जिस पर न्यायालय ने 2 अप्रैल 2026 को आदेश पारित करते हुए समिति को 90 दिनों के भीतर जांच पूरी करने के निर्देश दिए।

प्रेस वार्ता में यह भी कहा गया कि मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य ऐसे हैं, जिन्हें अभी सार्वजनिक करना जांच प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसलिए फिलहाल न्यायालय के निर्देशों की जानकारी ही साझा की गई है।

इस पूरे प्रकरण में स्थानीय युवा अधिवक्ता ऋषिराज सिंह के विशेष सहयोग का भी उल्लेख किया गया। उन्होंने दस्तावेजों के संकलन से लेकर विभिन्न स्तरों पर सक्रिय भूमिका निभाई है

जंगल में हथियारबंद बदमाशों का हमला, पिकअप चालक से नगदी-मोबाइल लूटे

अम्बिकापुर,, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेनई जंगल में सोमवार रात हथियारबंद बदमाशों ने एक पिकअप चालक को रोककर मारपीट की और नगदी व मोबाइल लूटकर फरार हो गए। हमले में चालक घायल हो गया, जिसका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रायकेरा निवासी समीरउल्लाह खान सीतापुर स्थित सुनीता फर्नीचर में पिकअप चालक के रूप में कार्यरत है।

सोमवार को वह पिकअप में फर्नीचर लोड कर सप्लाई देने जशपुर जिले के बगीचा गया था। फर्नीचर अनलोड करने के बाद उसे 51 हजार 200 रुपए प्राप्त हुए थे, जिसे लेकर वह वापस सीतापुर लौट रहा था।

बताया गया कि रात करीब 8 बजे बेनई जंगल में हनुमान मंदिर के पास दो बाइकों में सवार चार नकाबपोश युवकों ने उसका पीछा किया। आरोपियों ने पिकअप को ओवरटेक कर वाहन रुकवाया और चालक को जबरन नीचे उतार लिया। इसके बाद चाकू की नोक पर रुपए की मांग की गई। विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू और पत्थर से हमला कर चालक को घायल कर दिया तथा उसके पास रखे 51 हजार 200 रुपए और मोबाइल लूटकर फरार हो गए।

घायल चालक किसी तरह सीतापुर पहुंचा और घटना की जानकारी फर्नीचर दुकान संचालक को दी। इसके बाद उसका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया।

पुलिस ने मामले में अज्ञात लुटेरों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

चालक के अनुसार, सभी आरोपी पल्सर बाइक में सवार थे और उनकी उम्र करीब 20 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी है।

करम्हा में बाबासाहेब प्रतिमा का अनावरण

अम्बिकापुर,, प्रतिदिन राजधानी

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-1 अंतर्गत ग्राम करम्हा में बाबा साहेब की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज तथा जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया की विशेष उपस्थिति में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दिव्या सिंह सिसोदिया की पहल और उनके विभागीय मद से स्थापित यह सरगुजा जिले की चौथी प्रतिमा सामाजिक न्याय, समानता तथा संविधान के मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक बनी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि बाबा साहेब ने दलितों, शोषितों और वंचितों के उत्थान के लिए संविधान की रचना कर इतिहास रच दिया। उनके विचार आज भी हमें समानता और न्याय की राह दिखाते हैं। जिला पंचायत क्षेत्र में हो रहे तीव्र विकास कार्य इसी दिशा में कदम हैं, जहां सड़कें, पानी, बिजली और शिक्षा के माध्यम से हर गांव तक समृद्धि पहुंच रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बाबा साहेब के सिद्धांतों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि बाबा साहेब की उपलब्धियां जैसे हिंदू कोड बिल और आरक्षण व्यवस्था ने समाज को नई दिशा दी। उनके विचारों से प्रेरित होकर ही सरगुजा में जिला पंचायत क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज हुई है। सड़क संपर्क, स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार और महिला सशक्तिकरण योजनाएं इसका जीवंत प्रमाण हैं। उन्होंने ग्रामीणों से इन उपलब्धियों को मजबूत करने का संकल्प लेने को कहा।

जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि इस प्रतिमा स्थापना का उद्देश्य सरगुजा जिला सहित इस क्षेत्र के जन-जन तक बाबा साहेब की महान उपलब्धियां और विचारों को पहुंचाना है। जिला पंचायत क्षेत्र में सतत विकास कार्यों से ग्रामीण जीवन सशक्त हो रहा है, जो बाबा साहेब के समानता के स्वप्न को साकार कर रहा। उन्होंने सभी को संविधान के रक्षक बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राधा रवि, जनपद सदस्य अनामिका पैंकरा, विजय व्यापारी, मुनेश्वरी पैंकरा, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष महेंद्र रवि, परसा मंडल अध्यक्ष संतोष जायसवाल, युवा मोर्चा महामंत्री अविनाश मंडल, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष रूपा गुप्ता, युवा मोर्चा सहित भाजपा कार्यकर्ता-पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार 16 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एम्स नागपुर के दीक्षांत समारोह में शिरकत की

प्रौद्योगिकी कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान कभी नहीं ले सकती: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज (15 अप्रैल, 2026) महाराष्ट्र के नागपुर में एम्स नागपुर के दीक्षांत समारोह में शिरकत की और संबोधित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं है; यह संवेदनशीलता के साथ मानवता की सेवा करने का मार्ग है। एक डॉक्टर न केवल बीमारियों का इलाज करता है, बल्कि बीमार लोगों के मन में उम्मीद भी जगाता है। डॉक्टरों द्वारा दी जाने वाली सहानुभूतिपूर्ण सलाह न केवल रोगी को, बल्कि उनके परिवार को भी शक्ति प्रदान करती है। अक्सर, डॉक्टरों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। फिर भी, ऐसी परिस्थितियों में भी, उन्हें रोगी और उनके परिवार के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखनी चाहिए। रोगियों और उनके परिवारों को भी हमेशा चिकित्सा पेशेवरों के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए। यह डॉक्टर और रोगी के बीच विश्वास के बंधन को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।

राष्ट्रपति ने कहा कि नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य राष्ट्र की प्रगति के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उनका व्यक्तिगत कल्याण। नागरिकों के स्वस्थ रहने और राष्ट्र निर्माण में अपनी पूरी क्षमता से योगदान देने में सक्षम होने के लिए, भारत सरकार ने पिछले एक दशक में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देशभर में नए एम्स की स्थापना से न केवल बेहतर चिकित्सा उपचार तक पहुंच बढ़ी है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा के अवसर भी व्यापक हुए हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि स्थापना के कुछ ही

वर्षों के भीतर, एम्स नागपुर ने चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के अग्रणी केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर ली है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान युग स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में तीव्र परिवर्तन का समय है। विश्व भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और उन्नत अनुसंधान जैसी नई तकनीकों के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। हमें इन परिवर्तनों को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं में मौजूद असमानता को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सभी तक पहुंचे, तकनीकी विकास का लाभ उठाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एम्स नागपुर इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि समाज में डॉक्टरों का उच्च स्थान है। लोग उनका सम्मान करते हैं और उन पर भरोसा करते हैं। वे डॉक्टरों को अपने और अपने प्रियजनों के स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा का दायित्व सौंपते हैं। इसलिए, डॉक्टरों का यह सामाजिक और नैतिक कर्तव्य है कि वे अपने मरीजों के हितों को सर्वोपरि रखें। इस कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वाह करके वे अपनी और चिकित्सा के पेशे की प्रतिष्ठा को और बढ़ा सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि सेवा भाव के साथ-साथ डॉक्टरों में आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। जिज्ञासा ही प्रगति की नींव है। चिकित्सा विज्ञान में नए समाधान खोजने की ललक न केवल उन्हें असाधारण डॉक्टर बनने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें सेवा के अधिक अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने युवा डॉक्टरों को नवाचार, अनुसंधान और निरंतर सीखने के उत्साह को आत्मसात करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि वे हमेशा इस बात को ध्यान में रखें कि चिकित्सा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च स्थान है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान कभी नहीं ले सकती। उन्होंने उनसे करुणा की भावना को हमेशा पोषित करने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा जगत से जुड़े लोग मानवता की सेवा करने का अनूठा अवसर पाकर सौभाग्यशाली हैं। उन्हें इस जिम्मेदारी पर गर्व करना चाहिए और इसे संवेदनशीलता से निभाना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्नातक छात्र न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में सफल होंगे बल्कि साथी नागरिकों को स्वस्थ रखने में भी योगदान देंगे। ऐसे प्रयासों के बल पर हम स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक एक विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने में सफल होंगे।

दूरसंचार विभाग और सेबी ने वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

निवेशकों की सुरक्षा के लिए प्रतिभूति बाजार में होने वाले घोटालों का शीघ्र पता लगाने हेतु रणनीतिक डेटा साझाकरण

नई दिल्ली। भारत के वित्तीय इको-सिस्टम की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, दूरसंचार विभाग और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आज प्रतिभूति बाजार धोखाधड़ी और निवेश संबंधी घोटालों में दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग से निपटने में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके एक रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत की।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) के एआई और डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट (एआई एंड डीआईयू) के उप महानिदेशक श्री संजीव कुमार शर्मा और एसईबीआई के पूर्णकालिक सदस्य श्री संदीप प्रधान ने डिजिटल संचार आयोग के सदस्य (सेवाएं) श्री देब कुमार चक्रबर्ती की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो दूरसंचार खुफिया और वित्तीय बाजार विनियमन के बीच गहन समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

परिवहन विभाग-एसईबीआई साझेदारी के प्रमुख प्रावधान

इस समझौते का मुख्य आधार एक संरचित डेटा-साझाकरण तंत्र है जिसका उद्देश्य धोखाधड़ी वाली गतिविधियों का शीघ्र पता लगाना और उन्हें रोकना है। दूरसंचार विभाग वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (एफआरआई) को सेबी के साथ साझा करेगा ताकि बहुआयामी विश्लेषण के माध्यम से संदिग्ध पैटर्न से जुड़े मोबाइल नंबरों की पहचान करने में मदद मिल सके। मोबाइल नंबर निरस्तीकरण सूची (एमएनआरएल) भी स्वचालित रूप से साझा की जाएगी, जिससे सेबी द्वारा विनियमित संस्थाएं, जिनमें ब्रोकर और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां शामिल हैं, यह सुनिश्चित कर सकेंगी कि निवेशक खाते केवल सक्रिय और वैध मोबाइल कनेक्शनों से ही जुड़े हों। पारस्परिक व्यवस्था के तहत, सेबी साइबर धोखाधड़ी, प्रतिरूपण या मनी म्यूल गतिविधियों में शामिल खातों से जुड़े दूरसंचार संसाधनों पर जानकारी प्रदान करेगा, जिससे दूरसंचार क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी।

यह खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान परिवहन विभाग के डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) के माध्यम से संभव होगा, जो वर्तमान में 1400 से अधिक हितधारकों को जोड़ता है और संस्थानों के बीच वास्तविक समय में उपयोगी जानकारी साझा करने की सुविधा प्रदान करता है।

निवेशक संरक्षण के लिए एक सक्रिय और एकीकृत ढांचे की ओर

भारत में तेजी से बढ़ते डिजिटल निवेश परिदृश्य के संदर्भ में यह सहयोग विशेष महत्व रखता है। दूरसंचार खुफिया जानकारी को बाजार निगरानी प्रणालियों के साथ एकीकृत करके, समझौता ज्ञापन प्रतिक्रियात्मक प्रवर्तन से सक्रिय रोकथाम की ओर संक्रमण को सक्षम बनाता है। संचार साथी के तहत दूरसंचार विभाग की चक्षु सुविधा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और वित्तीय संस्थानों से प्राप्त इनपुट के आधार पर तैयार किया गया वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक, संभावित धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शनों को वित्तीय घोटालों के लिए उपयोग किए जाने से पहले ही चिह्नित करने के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में कार्य करेगा।

यह साझेदारी परिवहन विभाग की चल रही पहलों द्वारा रखी गई मजबूत नींव पर आधारित है। संचार साथी योजना के तहत, एएसटीआर का उपयोग करके 88 लाख से अधिक फर्जी मोबाइल कनेक्शन काटे जा चुके हैं। एफआरआई के उपयोग से पिछले दस महीनों में लगभग 2300 करोड़ रुपये के वित्तीय नुकसान को रोकने में मदद मिली है।

आगे चलकर, यह समझौता ज्ञापन समन्वित कार्रवाई के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं के विकास को सुगम बनाएगा और संस्थागत स्तर पर खतरे के संकेतकों को साझा करने में सक्षम बनाएगा।

उपराष्ट्रपति ने आईआईपीए में "सुशासन के लिए एआई" विषय पर 5वें डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान में एआई को व्यापक भलाई के लिए एक शक्ति के रूप में अपनाने का आह्वान किया

- उपराष्ट्रपति ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के संकल्प को रेखांकित किया, उनकी सोमनाथ मंदिर यात्रा को याद किया
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता सरकारों को पहले से कहीं बेहतर सेवा देने के लिए सशक्त बना रही है : उपराष्ट्रपति
- एआई एक ऐसे विकसित भारत के निर्माण के लिए सक्षमकर्ता है, जो समावेशी, कुशल और भविष्य के लिए तैयार है : उपराष्ट्रपति
- भारत एआई का लाभ उठाने में सबसे आगे है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन को मजबूती देता है : उपराष्ट्रपति
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक प्रौद्योगिकीय क्रांति नहीं, बल्कि यह एक मानवीय क्रांति है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के 72वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने ₹सुशासन के लिए एआई₹ विषय पर पांचवां डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्षिक स्मृति व्याख्यान दिया।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने डॉ. प्रसाद के नैतिक विवेक और दृढ़ विश्वास के प्रति उनकी अटूट निष्ठा पर प्रकाश डाला। उन्होंने उस समय के प्रमुख नेताओं के विरोध के बावजूद उनकी सोमनाथ मंदिर यात्रा को याद किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि डॉ. प्रसाद को उनकी सादगी, ईमानदारी और सार्वजनिक कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए याद किया जाता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. प्रसाद का जीवन इस सिद्धांत को रेखांकित करता है कि सच्चा शासन सेवा के बारे में है, न कि सत्ता के बारे में। उन्होंने इस व्याख्यानमाला को संविधान सभा के अध्यक्ष और देश के प्रथम राष्ट्रपति के प्रति एक उपयुक्त श्रद्धांजलि बताया।

यह कहते हुए कि विश्व मानव इतिहास के सबसे रोमांचक दौरों में से एक का गवाह बन रहा है, उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में जी रहे हैं, जहां मशीनें सीख सकती हैं और प्रणालियां सोच सकती हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शासन को पुनर्परिभाषित कर रही है और सरकारों को एक नई महाशक्ति प्रदान कर रही है- नागरिकों को पहले से कहीं बेहतर समझने, प्रतिक्रिया देने और उनकी सेवा करने की क्षमता। इस बात पर जोर देते हुए कि शासन केवल नियमों और प्रणालियों के बारे में नही है, उन्होंने कहा कि इसका वास्तविक उद्देश्य लोगों को सशक्त बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पीछे न छूटे और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में 'एआई' की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को 2047 तक 'विकसित भारत' की यात्रा में एक प्रमुख सक्षमकर्ता बनाते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह शासन को तेज, स्मार्ट और अधिक पारदर्शी बना रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि एआई कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सटीक और गरिमापूर्ण सेवा वितरण सुनिश्चित कर रहा है, जिससे लक्षित कल्याण वितरण सुनिश्चित करके और रिसाव को कम करके 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन को मजबूती मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि एआई नीति और लोगों के बीच एक सेतु के रूप में काम करेगा, जिससे डेटा-आधारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी, सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार होगा और नागरिकों तथा संस्थानों के बीच विश्वास बढ़ेगा।

इस क्षेत्र में भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश समावेशी शासन के लिए एआई का लाभ उठाने में आगे है। उन्होंने उल्लेख किया कि एआई-संचालित प्लेटफॉर्म भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में भाषा संबंधी बाधाओं को दूर कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि अब एआई इंटरफेस के माध्यम से संसदीय दस्तावेज कई भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय एआई-संचालित भाषा प्लेटफॉर्म 'भाषिणी' को समावेशी शासन और भाषाई सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

उपराष्ट्रपति ने विभिन्न क्षेत्रों में एआई के अनुप्रयोग के बारे में विस्तार से बताया। स्वास्थ्य सेवा में उन्होंने उल्लेख किया कि एआई-सहायता प्राप्त टीबी स्क्रीनिंग, एआई-सक्षम पोर्टेबल एक्स-रे उपकरण और ई-संजीवनी जैसे टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म जैसी पहलों के माध्यम से एआई एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है, जिससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि दूरी अब स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में बाधा न बन पाये। उन्होंने कहा कि इसी तरह के परिवर्तनकारी प्रभाव कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), साइबर सुरक्षा, न्यायपालिका और प्रशासनिक प्रणालियों में देख जा रहे हैं और इस बात पर जोर दिया कि जिस प्रकार शासन हर क्षेत्र को स्पर्श करता है, उसी प्रकार एआई भी अब प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक एआई सक्रियता रैंकिंग में भारत शीर्ष देशों में शामिल है। उन्होंने 'इंडिया एआई मिशन' और 'अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन' जैसी प्रमुख सरकारी पहलों पर प्रकाश डाला, जो देश के प्रौद्योगिकीय इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने का लक्ष्य रखती हैं। उन्होंने हाल ही में दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' का भी उल्लेख किया, जहां एआई क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को व्यापक मान्यता मिली। उन्होंने बताया कि वैश्विक उद्योगपतियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की विशाल संभावनाओं पर गहरा विश्वास व्यक्त किया है।

युवा वर्ग और पेशेवरों को प्रोत्साहित करते हुए उपराष्ट्रपति ने उनसे एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कंप्यूटर के शुरुआती दौर में मौजूद आशंकाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी अंततः नए अवसर सृजित करती है और लोगों को सशक्त बनाती है। उन्होंने एआई-तैयार कार्यबल के निर्माण के महत्व पर बल दिया और 'स्किल इंडिया डिजिटल हब', 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' तथा 'युवा एआई' जैसी पहलों का उल्लेख किया, जो एक सशक्त और भविष्य के लिए तैयार इकोसिस्टम के निर्माण में योगदान दे रही हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक आयाम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि हर महान प्रौद्योगिकीय शक्ति जिम्मेदारी के साथ निर्देशित होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई को हमेशा निष्पक्षता, जवाबदेही और नैतिकता के सिद्धांतों द्वारा होना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह मानवता की सेवा करे।

आईओएस सागर पोत थाईलैंड के फुकेट पहुंचा

नई दिल्ली। हिंद महासागर पोत (आईओएस) सागर 14 अप्रैल 2026 को मालदीव के माले से छह दिवसीय पारगमन पूरा करने के बाद थाईलैंड के फुकेट पहुंच गया है। यह उसके वर्तमान में जारी मिशन का दूसरा पड़ाव है।

16 मित्र देशों (एफएफसी) के बहुराष्ट्रीय दल से युक्त आईओएस सागर-आईएनएस सुनयना हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात है और महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) की परिकल्पना को सुदृढ़ कर रहा है। मार्च 2026 में शुरू हुआ आईओएस सागर का वर्तमान संस्करण हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) के अध्यक्ष के रूप में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को भी दर्शाता है।

फुकेट में अपने पड़ाव के दौरान, आईओएस सागर रॉयल थाई नौसेना (आरटीएन) के साथ पेशेवर वार्ता में शामिल होगा। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करना और आपसी समझ को बढ़ाना है। सौहार्द और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने के लिए कई सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों की भी योजना बनाई गई है। जहाज का यहाँ रुकना थाई नव वर्ष, सोंगक्रान उत्सव के अवसर पर हो रहा है, जिससे भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करने का अवसर मिलता है।

माले से पारगमन के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय दल ने समुद्र में संरचित प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें नाविक कौशल अभ्यास और परिचालन अभ्यास शामिल थे। इनका उद्देश्य सामूहिक तत्परता, अंतरसंचालन और समुद्री सहयोग को बढ़ाना था।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अर्बन चैलेंज फंड के लिए संचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी किए

- ऋण पुनर्भुगतान गारंटी उप-योजना से छोटे शहरों की बाजार-आधारित वित्तपोषण तक पहुंच

नई दिल्ली। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने आज नई दिल्ली में अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) के लिए संचालन संबंधी दिशानिर्देशों के साथ-साथ ऋण पुनर्भुगतान गारंटी उप-योजना (सीआरजीएसएस) का शुभारंभ किया, जो देश में शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए वित्तपोषण को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने वीडियो संदेशों के जरिए सभा को संबोधित किया। मनोहर लाल ने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड भारत के शहरी विकास के दृष्टिकोण में एक क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह फंड केवल अनुदान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक निधियों का उपयोग करके बड़े निवेशों को गति प्रदान करने और शहरों को आर्थिक रूप से मजबूत और निवेश के लिए तैयार बनाने के बारे में है।

फ्रांस भारत के सबसे भरोसेमंद और मित्रवत साझेदारों में से एक है: लोकसभा अध्यक्ष

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के महिला-नेतृत्व वाले विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है: लोकसभा अध्यक्ष
- एआई और प्रौद्योगिकी के उपयोग ने जनता और संसद के बीच की खाई को पाट दिया है: लोकसभा अध्यक्ष
- फ्रांस की सीनेट के फ्रांस-भारत अंतर-संसदीय मैत्री समूह ने संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को फ्रांस को भारत के सबसे भरोसेमंद और मित्रवत साझेदारों में से एक बताते हुए दोनों देशों के बीच गहरे और अटूट संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के बीच सौहार्दपूर्ण व्यक्तिगत संबंध द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत और गहरा करने के लिए एक प्रेरणा प्रदान करते हैं।

बिरला ने ये टिप्पणियां फ्रांस की सीनेट के फ्रांस-भारत अंतर-संसदीय मैत्री समूह के साथ बातचीत के दौरान कीं, जिसने बुधवार को संसद भवन में उनसे मुलाकात की।

बिरला ने फरवरी 2026 में राष्ट्रपति मैक्रोन की भारत यात्रा को याद करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि द्विपक्षीय संबंधों को ₹विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी₹ के स्तर तक ऊपर उठाना दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग की बढ़ती गहराई को दर्शाता है।

बिरला ने फ्रांस की संसद में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी (जो 36 प्रतिशत से अधिक है) की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत भी शासन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निरंतर विधायी और संस्थागत प्रयास कर रहा है। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर विशेष रूप से पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बेहद उत्साहजनक रही है।

बिरला ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि नवनिर्मित संसद भवन में पारित पहला विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम था, जो निर्वाचित विधायी निकायों में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण प्रदान करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह ऐतिहासिक विधेयक महिला नेतृत्व वाले विकास और समावेशी शासन के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बिरला ने नई दिल्ली (2026) और पेरिस (2025) में आयोजित एआई शिखर सम्मेलनों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और फ्रांस दोनों ही संसदीय कार्यकुशलता, पारदर्शिता और व्यापक पहुंच बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि एआई और डिजिटल उपकरणों के उपयोग से नागरिकों और संसद के बीच की दूरी काफी हद तक कम हो गई है। उन्होंने इस संदर्भ में दोनों देशों की विधानसभाओं के बीच अधिक सहयोग और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान का सुझाव दिया।

बिरला ने राजनयिक और संसदीय दोनों स्तरों पर भारत और फ्रांस के बीच नियमित और रचनात्मक संवाद पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने पिछले वर्ष सिंदूर ऑपरेशन के बाद भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की फ्रांस यात्रा को याद किया और उस दौरान आतंकवाद की फ्रांस द्वारा की गई स्पष्ट निंदा की सराहना की। उन्होंने निरंतर समर्थन और एकजुटता के लिए फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि संसदीय सहयोग भारत-फ्रांस संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, बिरला ने फरवरी 2024 में फ्रांसीसी सीनेट के अध्यक्ष गेरार्ड लार्चर की भारत यात्रा को याद किया, जिसने दोनों देशों के बीच अंतर-संसदीय जुड़ाव को और मजबूत किया।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरुवार 16 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

रायपुर रेल मंडल में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती मनाई गई

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 135वां जन्म दिवस 14 अप्रैल 2026 को अवकाश होने के कारण दिनांक 15 अप्रैल 2026 को मनाया गया ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में आयोजित कार्यक्रम मे मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानद के द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया ।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मंडल रेल प्रबंधक ने कहा की डॉ भीमराव अम्बेडकर जीवन के हर क्षेत्र –सामाजिक, आर्थिक और राजनिति में लोकतंत्र के पक्षधर थे । अंत में उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के जन्म दिवस के अवसर पर हम संकल्प लें कि रेल सेवा के माध्यम से हमें जो देश सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है उसे हम पूरे समर्पण, सदभावना, निष्ठा व ईमानदारी से हमारे कर्तव्यों को पूर्ण करना है । रेल का विकास हमारे सामाजिक विकास से जुड़ा है हमें विभाजित स्तर से उठकर समानता के साथ कार्य व्यवहार मे विनम्रता के साथ कार्य करना है हम सब के संयुक्त प्रयास से कार्य स्थल, रेल परिसर, रेलवे कॉलोनी, रेलवे स्टेशनों पर सार्थक परिवर्तन ले जा सकते हैं।

अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति रेलवे एंप्लाइज एसोसिएशन के डिविजनल प्रसीडेंट श्री भोली चौधरी ने डॉ. बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जीवनी, उनसे आदर्शों शिक्षा के महत्व, संगठन एवं संघर्ष के महत्व पर चर्चा की, अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति रेलवे एंप्लाइज एसोसिएशन के डिविजनल सचिव वाय. के. मिहुलिया, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ओबीसी एशोसियसन के डिविजनल प्रेसिडेंट एच. प्रसाद राव, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ओबीसी एशोसियसन के डिविजनल सचिव वाय. रमेश राव, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे कांग्रेस यूनियन से श्री पी. के. कदम ने बाबा साहेब की जीवनी के बारे में बताया ।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग

वेदांता पावर प्लांट के मृतकों को श्रद्धांजलि परिजनों को उचित मुआवजे की मांग

बिलासपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वेदांता पावर प्लांट में हुई दुखद घटना में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु नहर पारा विकास समिति द्वारा मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

समिति के अध्यक्ष रमेश आहूजा के नेतृत्व में आयोजित इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की एवं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

इस अवसर पर रमेश आहूजा ने कंपनी प्रबंधन से मांग करते हुए कहा कि मृतकों के परिजनों को प्रत्येक को 1–1 करोड़ रुपये तथा घायलों को 50–50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को इस कठिन समय में आर्थिक सहारा मिल सके।

कार्यक्रम में पूर्व पार्षद रमेश आहूजा, शंकर दानवानी, किशोर आहूजा, हरनाम तलरेजा, हेमंत दाम पोपटानी, अमर बलेचा, तेज सिंह जंघेल, राजू खिलनानी, शुभम पाठक, विजय खिलनानी, सोहन क्षत्री, मनीष टांक, मनोहर खुर्शीजा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सभी उपस्थितजनों ने एक स्वर में मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

हर राज्य की मौजूदा लोकसभा सीट संख्या में 50 फीसदी तक होगा इजाफा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने परिसीमन के मुद्दे पर विपक्षी दलों की आलोचना के बीच स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राज्यों में लोकसभा सीटों का इजाफा वर्तमान का 50 प्रतिशत होगा।

विपक्षी दलों का कहना है कि जनसंख्या वृद्धि असमान होने के कारण राज्यों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिशत घट सकता है। खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों ने इसपर आपत्ति जतायी है जहां विपक्षी पार्टियों की सरकार है। इनके मुख्यमंत्रियों ने सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज कराया है।

महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या को बढ़ाने को लेकर सरकार कल से संसद की विशेष बैठक में विधेयक लाने जा रही है। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार नवीनतम जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार परिसीमन होगा।

जनभागीदारी समिति की पहली बैठक संपन्न

वित्तीय एवं प्रशासनिक मुद्दों पर हुई महत्वपूर्ण चर्चा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

संत गोबिंदराम शदाणी कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय देवेन्द्र नगर की जनभागीदारी समिति की पहली महत्वपूर्ण बैठक आज संपन्न हुई, समिति के अध्यक्ष सतीश कन्हैयालाल छुगानी ने बताया कि आज की बैठक में नव नियुक्त सदस्यों के परिचय के साथ साथ छात्राओं व महाविद्यालय प्रशासन से संबंधित वित्तीय विषयों पर गंभीरता से चर्चा हुई, तथा कुछ महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। आज की बैठक में परम पूज्य शदाणी दरबार से भाभी मां श्रीमती दीपिका शदाणी, डॉ अजीत शदाणी, विधायक प्रतिनिधि के रूप में दर्शन निहाल, सांसद प्रतिनिधि सुरेन्द्र छाबड़ा उद्योग प्रतिनिधि के रूप में भरत बजाज, अनुसूचित जाति प्रतिनिधि गोपाल सोना, अभिभावक प्रतिनिधि सिमरन हिंदुजा, महाविद्यालय से प्राचार्य ऊषा किरण अग्रवाल, रवि शर्मा, बी डी थाड़लानी, मनोज साहू उपस्थित रहे।

बाबा साहेब समता, समरसता एवं न्याय के परम हिमायती थे : अशोक बजाज

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 136 वीं जयंती पर नवापारा नगर में भव्य आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज़ाद भारत के संविधान निर्माण की अहम जिम्मेदारी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को इसलिए दी गई क्योकिं वे समता, समरसता एवं न्याय के हिमायती थे. उनके द्वारा बनाया गया संविधान हर नागरिक के लिए गीता, बाइबिल और कुरान की तरह पवित्र है अतः इसका सम्मान और पालन करना हम सबका कर्तव्य है. उक्त उदगार भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ट एवं मंडल भाजपा के तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान में मौलिक अधिकार का प्रावधान किया तथा कर्तव्य का भी बोध कराया। श्री बजाज ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज को शिक्षित बनने की प्रेरणा दी थी, इसी वजह से शिक्षा का प्रकाश आज सुदूर गावों तक पहुँच सका है. श्री बजाज ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ चम्पारण चौंक स्थित डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर नगर के वार्ड क्रमांक 8 में समरसता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए.

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष ओम कुमारी साहू, जिला किसान मोर्चा के अध्यक्ष परदेसी साहू , मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा , नगर पालिका उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी पूर्व उपाध्यक्ष व झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक दयालु राम गाड़ा, बिलाल अहमद, मुकुंद मेश्राम, अन्नपूर्णा देवांगन, नवल किशोर साहू, तनु मिश्रा, धनवती साहू , टिंकू सोनी, अकरम रिजवी, चंद्रिका साहू, कैलाश तिवारी , संजय साहू , सुमित सिन्हा , सौरभ जैन, मनीष देवांगन , हितेश मंडई , दशरथ साहू एवं नीता धीवर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता तथा नगरवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन दयालु गाड़ा ने किया।

श्रमिक आंदोलन भड़काने में मजदूर बिगुल दस्ता का हाथ, संगठन का मुखिया गिरफ्तार

एजेंसी, नोएडा

नोएडा में श्रमिकों के आंदोलन को हिंसक बनाने में 'मजदूर बिगुल दस्ता' नाम के एक संगठन का हाथ सामने आया है। नोएडा पुलिस ने केस दर्ज कर संगठन के मुखिया रूपेश राय और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बुधवार की शाम को बताया कि नोएडा के श्रमिकों के आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को भड़काने और माहौल खराब करने में नोएडा पुलिस ने 'मजदूर बिगुल दस्ता' नामक संगठन के मुखिया रूपेश राय और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। संगठन से जुड़े कई अन्य लोगों को भी पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अब तक 17 वॉट्सऐप ग्रुप्स की पहचान भी की है, जिनके जरिए आंदोलन को हिंसक बनाने के लिए भड़काया गया। इससे पहले मंगलवार को पुलिस कमिश्नर ने मीडिया को बताया था कि कुछ वॉट्सऐप ग्रुप और क्यूआर कोड के जरिए इसमें लोगों को जोड़कर उन्हें भड़काया गया।

मतदाता सूची से केवल घुसपैठियों के नाम हटाए, अब उन्हें देश से बाहर करना लक्ष्य : अमित शाह

एजेंसी, कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची से घुसपैठियों के केवल नाम हटाए हैं, जबकि अगला कदम उन्हें देश की सीमाओं से बाहर करना होगा। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उत्तर बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने यह बयान दिया।

कूचबिहार जिले के तुफ़नगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर पूर्वी सीमाओं को इस तरह सील किया जाएगा कि परिंदा भी पर नहीं मार सके। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को आवश्यक भूमि उपलब्ध नहीं करा रही हैं। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद 45 दिनों के भीतर सीमांकन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

शिक्षा उस शेरनी के दूध के समान है जो पीयेगा वो दहाड़ेगा

भारतीय संविधान के शिल्पकार समानता और न्याय के महान पर्वतक डॉ. अंबेडकर की जयंती संपन्न

बालोद (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती समारोह देवरी बंगला परिक्षेत्र स्तरीय कार्यक्रम 14 अप्रैल 2026 को बालोद जिले के जनपद पंचायत डौण्डीलोहारा के अंतर्गत ग्राम किसना में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय बौद्ध महासभा जिला बालोद के अध्यक्ष श्री दिलीप मेश्राम तथा कार्यक्रम के अध्यक्षता बौद्ध महासभा परिक्षेत्र देवरी के अध्यक्ष श्री सुनील रंगारे थे। बाबा साहब की जयंती के अवसर पर ग्राम फरदफोड से रैली प्रारंभ होकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंची जिसमें बड़ी संख्या में बाबा साहब के अनुयायी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री दिलीप मेश्राम ने बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन, वंचित, शोषित और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा एवं उनके उत्थान के लिए समर्पित

किया। उनके जीवन और विचार समाज को समानता, न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूक करते हैं। श्री मेश्राम ने लोगों से आव्हान किया कि डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में सुनील रंगारे ने कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा हासिल कर पुरी दूनिया में पहचान स्थापित की। बाबा साहब एक महान अर्थशास्त्री, विधिवेत्ता और समाज सुधारक थे। जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मण्डल अध्यक्ष श्री विवेक वैष्णव ने कहा कि डॉ. अंबडेकर ने शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का नारा दिया था। उन्होंने समाज के अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। आदिवासी हल्बा समाज श्री रामलाल नायक ने कहा कि बाबा साहब ने नौकरी में काम के घंटे 12 से घटाकर 8 घंटे लागू करने में अहम् भुमिका निभाई। वे सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। अस्पृश्यता निवारण में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। श्री विजय चौहान शिक्षक के मार्गदर्शन में स्कूली बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसे लोगों ने काफी सराहा। विशेष आमंत्रित श्रीमती रत्ना मेश्राम ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का मानना था शिक्षा उस शेरनी के दूध के समान है जो पीयेगा वो दहाड़ेगा। श्रीमती मेश्राम ने कहा कि भले ही दो रोटी कम खाएं पर अपने बच्चों को अवश्य पढ़ाएं।

आदिम जाति कल्याण विभाग के से.नि. परियोजना प्रशासक श्री डी.पी. लोन्हारे ने जयंती समारोह को सफल बनाने में जिन्होंने अपना प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष सहयोग प्रदान किया उनके प्रति हृदय से आभार जताया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति प्रभा नायक, जनपद पंचायत अध्यक्ष डौडी–लोहारा, कांतिप्रकाश सोनबरसा, ब्लॉक अध्यक्ष के अलावा सरपंच डोमेश्वरी यादव, हिना साहू, गैंदलाल सिन्हा ने भी अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में देवेन्द्र कुमार मेश्राम, पीएस लोन्हारे, जी.एस. श्रीरंगे, अरविंद गौतम, आर.आर सुखदेवे, आर.आर. रामेटेके, राकेश मेश्राम, जे.पी. मेश्राम विशेष योगदान रहा।

केदारनाथ धाम के लिए 19 को प्रस्थान करेगी बाबा की चल विग्रह डोली

एजेंसी, देहरादून

आस्था और श्रद्धा के रूप में प्रतिष्ठित केदारनाथ धाम के कपाट वर्ष 2026 की यात्रा के लिए आगामी 22 अप्रैल को प्रातः 08:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार, विधि–विधान एवं सनातन परंपराओं के अनुरूप श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे पहले बाबा की चल–विग्रह डोली 19 धाम के लिए प्रस्थान करेगी।

भगवान केदारनाथ की चल–विग्रह डोली अपने शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ से पारंपरिक विधि–विधान के साथ धाम के लिए 19 को प्रस्थान करेगी। इससे पहले 18 अप्रैल को ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ में सायंकालीन आरती के पश्चात पूर्व परंपरानुसार भैरवनाथ पूजा होगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 19 अप्रैल को भगवान केदारनाथ की चल विग्रह डोली ऊखीमठ से प्रस्थान कर फाटा पहुंचेगी। इसके उपरांत 20 अप्रैल को डोली प्रातः फाटा से प्रस्थान कर गौरीकुंड स्थित पवित्र गौरीमाई मंदिर पहुंचेगी और रात्रि विश्राम करेगी। अगले चरण में डोली 21 अप्रैल को प्रातः गौरीकुंड से प्रस्थान कर भगवान की डोली श्री केदारनाथ धाम स्थित मंदिर भंडार पहुंचेगी। इसके साथ ही धाम में धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम प्रारंभ हो जाएगा। 22 अप्रैल को प्रातः 8 बजे, शुभ मुहूर्त में, वैदिक मंत्रों एवं पूजा–अर्चना के मध्य भगवान केदारनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे, जिसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.–6262904444